শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 281 | गुवाहाटी | मंगलवार, 9 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ऑल असम मिड-डे मील रसोई एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन पेज 3
दिल्ली सरकार ला रही प्रीमियम बस योजना, अब कार छोड़ लग्जरी बस में ... पेज 4
मुख्यमंत्री योगी के आगमन पर बांदा शहर में 7 घंटे तक रहेगा यातायात डायवर्जन पेज 5
जयपुर बम ब्लास्ट की बरसी पर भाजपा करेगी धरना-प्रदर्शन और हनुमान चालीसा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

सुप्रभात

सबसे बड़ा गुरु मंत्र, अपने राज किसी को भी मत बताओ। ये तुम्हे खत्म कर देगा।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

सोनिया से जुड़े ट्वीट पर ईसी ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को एक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में स्पष्टीकरण देने और उसे सुधारने को कहा है। यह पोस्ट कांग्रेस के ट्विटर हैंडल से किया गया था और इसमें कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष का कर्नाटक में एक जनसभा -शेष पृष्ठ दो पर

नौकरी नियुक्ति पत्र 11 को नहीं, 26 को : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के असम दौरे के कार्यक्रम में कुछ बदलाव किए गए हैं। अमित शाह का असम दौरा कुछ समय के लिए पीछे किया गया है। इसके साथ ही नियुक्ति पत्र वितरण का कार्यक्रम भी कुछ समय के लिए पीछे किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज (सोमवार को) यहां एक संवाददाता सम्मेलन में उपरोक्त जानकारी दी। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि चूंकि केंद्रीय गृह मंत्री को मणिपुर में जारी हिंसा में व्यस्त रहना पड़ा है, इसलिए नियुक्ति पत्र के वितरण की तारीख भी बदल दी गई है। इसलिए अब 26 मई को नियुक्ति पत्र का वितरण किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 26 मई को विभिन्न विभागों के तृतीय और चतुर्थ वर्ग के नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। नियुक्ति पत्र पाने वाले लोग हालांकि, एक जून को ही सेवा में शामिल हो सकते हैं। इससे पहले, 11 मई को केंद्रीय गृह मंत्री के असम दौरे के दौरान, नियुक्ति पत्र उसी दिन वितरित किए जाने वाले थे। उल्लेखनीय है कि विभिन्न विभागों की सीधी भर्ती परीक्षा के परिणाम तीन मई को घोषित हुआ था। परिणामों के अनुसार, कई विभागों में तृतीय वर्ग में कुल 11 हजार 324 पदों पर नियुक्ति की गई है। 4 मई को चतुर्थ वर्ग के लिए 14,286 नियुक्तियां की गईं। उधर, आज पुलिस, आबकारी और वन विभाग के कुल 5 हजार 421 पदों पर भर्ती का परिणाम घोषित किया गया है। इस बीच, एलपी और एमई स्कूल शिक्षकों की भर्ती के परिणाम आज देर रात घोषित किए जाएंगे। इस बीच, स्वास्थ्य विभाग की तृतीय वर्ग और चतुर्थ वर्ग भर्ती के परिणाम 10 मई को घोषित किए जाएंगे। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के चतुर्थ श्रेणी में 1900 के परिणाम घोषित करने के लिए विभाग को कुछ और समय की आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इन सभी पदों के परिणाम घोषित करने का काम 14 मई तक पूरा हो जाएगा। इस बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि 26 मई को असम आ रहे गृह मंत्री उस दिन राष्ट्रीय फोरेंसिक विश्वविद्यालय की आधारशिला भी रखेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी जुलाई महीने में भी 10 हजार नियुक्तियां होंगी। मुख्यमंत्री आगामी 11 मई को द केरला स्टोरी देखने जाएंगे। ज्ञात हो कि आगामी 9 से 11 मई तक असम सरकार की वर्षपूर्ति मनाए जाने की तैयारी की है। इसी दौरान 11 मई को -शेष पृष्ठ दो पर

बाल शोषण मामला : छह माह में चार्जशीट दाखिल करें : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम पुलिस को गुवाहाटी में चल रहे बाल शोषण मामले की गहन जांच करने और आगामी छह महीनों में सभी कार्यवाही पूरी करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। मीडिया रिपोर्टों में इस बात की जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री मीडिया के बताया कि विशेष रूप से असम पुलिस को अगले 45 दिनों के भीतर चार्जशीट दाखिल करने के लिए कहा है। रिपोर्ट के अनुसार सीएम शर्मा ने यह भी कहा कि मैं इस बाल शोषण मामले की व्यक्तिगत रूप से निगरानी कर रहा हूं, और मुझे विश्वास है कि अगले छह महीनों के भीतर जांच पूरी कर ली जाएगी। दंपति पर पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मैं व्यक्तिगत रूप से गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को लिखूंगा कि इस मामले की सुनवाई विशेष अदालत में की जाए। मैंने असम पुलिस को एक महीने या अगले 45 दिनों -शेष पृष्ठ दो पर

105 करोड़ के घोटाले में निलंबित आईएएस अजमेर से गिरफ्तार

अजमेर (हि.स.)। असम स्टेट काउंसलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले मामले में निलंबित आईएएस, उनका दामाद और ठेकेदार को असम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तीनों को असम ले जाने के लिए ट्रांसिट आवेदन के लिए कोर्ट में आवेदन दिया है। दरअसल, निलंबित आईएएस सेवाली देवी शर्मा की गिरफ्तारी के लिए असम मुख्यमंत्री कार्यालय लगातार -शेष पृष्ठ दो पर

एसटी : हाईकोर्ट के फैसले पर एससी का सवाल

कैसे दे सकते हैं आदेश ?

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात पर हैरानी जताई है कि हाईकोर्ट किसी समुदाय को जनजाति की लिस्ट में शामिल करने का आदेश कैसे दे सकता है? अब इस मामले पर अगली सुनवाई 17 मई को होनी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और मणिपुर सरकार को पूर्वोत्तर के इस राज्य में जातीय हिंसा से प्रभावित हुए लोगों की सुरक्षा बढ़ाने, राहत प्रदान करने तथा उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा। अदालत का यह निर्देश इन दलीलों पर संज्ञान लेने के बाद आया कि बीते दो दिनों में वहां कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने हिंसा के बाद की स्थिति को मानवीय समस्या करार देते हुए कहा कि राहत शिविरों में उपयुक्त इंतजाम किए जाएं, वहां शरण लिए लोगों को भोजन, राशन तथा चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

कर्नाटक के रणक्षेत्र में थमा प्रचार का शोर

बेंगलुरु। कर्नाटक में सोमवार को विधानसभा चुनाव के चुनाव प्रचार का शोर थम गया है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस और भाजपा के नेताओं ने जमकर प्रचार किया। कर्नाटक की सत्ता में काबिज होने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने अंतिम दिन वोटरों से कांग्रेस को जिताने की अपील की। मोदी ने दक्षिणी राज्य में 18 रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने 27 अप्रैल को डिजिटल माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया था। प्रधानमंत्री ने छह रोड शो का भी नेतृत्व किया, जिसमें तीन बेंगलुरु में और एक-एक मैसूर, कलबुर्गी और तुमकुरु में हुए। मोदी ने प्रचार के दौरान उनसे मिलने वाले लोगों का चयन पार्टी कार्यकर्ताओं, पेशेवरों और शहर के प्रमुख नागरिकों के अच्छे मिश्रण को सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक किया गया था। उन्होंने अपनी एक ऐसी ही बातचीत के दौरान पद्म पुरस्कार विजेताओं से भी मुलाकात की थी। मोदी ने भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया है, क्योंकि वह राज्य में सत्ता बरकरार रखने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। कर्नाटक में 1985 के बाद से कोई सत्ताधारी पार्टी सत्ता में वापसी करने में विफल रही है। भाजपा ने इस मिथक को तोड़ने का भरोसा जताया है, जबकि विपक्षी कांग्रेस ने भी सत्ता में वापसी के लिए सघन प्रचार अभियान चलाया है। कर्नाटक विधानसभा के 224 सदस्यों के चुनाव के लिए मतदान 10 मई को होगा और मतगणना 13 मई को होगी। कांग्रेस कर्नाटक में रणक्षेत्र में शुरु से आगे चल रही थी। लेकिन उसने जैसे ही अपने चुनावी घोषणा पत्र का जिक्र किया तो मानों भाजपा ने उसे चौतरफा घेर लिया। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में बजरंग दल को बैन करने की घोषणा की। इसके बारे में जैसे ही सभी को मालूम हुआ कि मानों एकाएक कर्नाटक में नाटक का स्तर अपने चरम पर पहुंच गया। भाजपा ने मौका देख कर न सिर्फ लपका बल्कि इसे भुनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी रैलियों में जमकर कांग्रेस पर बरसे और बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करते हुए कांग्रेस को खूब लताड़ा। चूंकि कर्नाटक में 80 ल मतदाता हिंदू हैं और कांग्रेस चूंकि शुरु से मंहगाई, भ्रष्टाचार और मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा को घेर रही थी तो उससे भाजपा भी थोड़ा असहज महसूस कर रही थी लेकिन बजरंग दल को बैन करने वाली घोषणा ने भाजपा को एक जबरदस्त मौका दे दिया। मजबूरन कांग्रेस के लोगों को यह तक कहना पड़ गया कि जब वह पार्टी सत्ता में आएगी तो राज्य में बजरंग बली की ढ़ेर सारे मंदिर बनवाएगी। 13 मई को अगर राज्य में कांग्रेस की वापसी होगी तो वह मुस्लिमों को आरक्षण देने पर विचार करेगी। इसे लेकर उसने अपने घोषणा पत्र में भी बात कही है। चूंकि चुनाव से ऐन पहले भाजपा ने लिंगायत और वोक्कालिगा को 2-2 प्रतिशत आरक्षण दिया है और ये कुल चार प्रतिशत काटे गए वोट मुस्लिम आरक्षण का हिस्सा था। इस पर भी जमकर राजनीति हुई। भाजपा ने कांग्रेस को इस मुद्दे पर घेरा कि कांग्रेस संविधान से परे जाकर धर्म के आधार पर आरक्षण देने की बात करती है तो कांग्रेस ने भी कहा कि अगर भाजपा लिंगायत और वोक्कालिगा के लिए इतनी ही चिंतित थी तो चुनाव से ठीक पहले ही ये कदम क्यों उठाया। चार साल से सत्ता में थी तब से क्यों नहीं किया। सभी पार्टियों ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा के स्टॉलवार्ट नेता व राज्य के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने शिवमोगा में रोड-शो किया। यहां से उनके बेटे बीवाई विजयेंद्र चुनाव मैदान में हैं। शिरलकोप्पा में पार्टी के उम्मीदवार और उनके बेटे भी साथ दिखे। वहीं, कांग्रेस ने भी भाजपा की वापसी न हो इसके लिए पूरी कोशिश की है। जाते-जाते भाजपा के एक नेता पर जिन्होंने कि चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार को मार देने की बात कही तो कांग्रेस के एक नेता ने एफआईआर दर्ज करा दी है। कुल मिलाकर देखें तो दोनों तरफ से अंतिम दिन भी खूब घमासान रहा।

मणिपुर : कर्फ्यू में दी जा रही ढील, केंद्र ने एससी को बताया

नई दिल्ली। केंद्र और मणिपुर सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मणिपुर में हालात सामान्य हो रहे हैं। केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि मणिपुर में स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए कदम उठाए गए हैं। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और मणिपुर सरकार से दस दिन में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में बताया कि पिछले दो दिनों में कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और कर्फ्यू में धीरे-धीरे ढील दी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सीएपीएफ की 55 और सेना की 100 से ज्यादा कंपनियां तैनात हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर हिंसा के दौरान विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने राहत शिविरों में उचित व्यवस्था पर जोर दिया है और सरकार से लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ये मानवीय मुद्दे हैं, इसलिए राहत शिविरों में जरुरी इंतजाम किए जाएं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने हिंसा के बाद हालात को मानवीय मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में उचित व्यवस्था की जानी चाहिए और वहां आश्रय वाले लोगों को भोजन, राशन और चिकित्सा सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बेंच को हिंसा से निपटने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में बताया और कहा कि सेना और असम राइफल्स के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 52 कंपनियों को हिंसा प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है। शीर्ष अदालत ने पूजा स्थलों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाने का आदेश दिया है। बता दें कि मणिपुर की पहाड़ियों में रहने वाले आदिवासियों और इंफाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मेइती समुदाय के बीच अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मांग को लेकर हुई हिंसक झड़पों में 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। जबकि 23,000 से अधिक लोगों को बचाया गया है और आश्रय दिया गया है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने मणिपुर हिंसा से संबंधित याचिकाओं पर आगे की सुनवाई के लिए 17 मई की तारीख तय की है।

बिना मंजूरी के विज्ञापन प्रकाशित नहीं करवा सकेंगे राजनीतिक दल : ईसी

कर्नाटक। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कांग्रेस सत्ता पाने के लिए लड़ रही है तो भाजपा जीत को दोहराने में लगी है। आरोप-प्रत्यारोप का खेल चल रहा है। हर दल के नेता अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। इस बीच, चुनाव आयोग ने परामर्श जारी किया है। इसमें कहा गया है कि कोई भी पार्टी या उम्मीदवार चुनाव के दिन और एक दिन पहले मीडिया प्रमाणन और निगरानी समिति (एमसीएमसी) से मंजूरी के बिना प्रिंट मीडिया में कोई विज्ञापन प्रकाशित नहीं करा सकता है। अगर किसी को विज्ञापन देना है तो उसे पहले एमसीएमसी से मंजूरी लेनी पड़ेगी। गौरतलब है, कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार सोमवार शाम पांच बजे थमने वाला है। राज्य में चुनाव प्रचार चरम पर पहुंचने के साथ राजनीतिक दलों को जारी परामर्श में निर्वाचन आयोग ने शिष्ट तरीके से प्रचार अभियान पर भी जोर दिया। आयोग ने कहा कि आपत्तिजनक और भ्रामक प्रकृति के विज्ञापन पूरी चुनाव प्रक्रिया को दूषित करते है।

मणिपुर में निगरानी क्षमता बढ़ाने का काम जारी

नई दिल्ली। मणिपुर के हिंसा प्रभावित इलाकों पर सेना ड्रोन और हेलिकॉप्टरों के जरिये कड़ी नजर रख रही है। पिछले हफ्ते हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित चुराचांदपुर जिले में भी कर्फ्यू में ढील दी गई। वहीं आम जनजीवन को सामान्य बनाने के लिए सेना और असम राइफल्स के 100 से अधिक कॉलम काम कर रहे हैं। भारतीय सेना के अनुसार, असम राइफल्स और सेना के 100 से ज्यादा कॉलम 96 घंटे से निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए काम रहे हैं। साथ ही वायुसेना से जुड़े संसाधनों के इस्तेमाल को भी बढ़ाया जा रहा है। वहीं, भीतरी इलाकों के साथ ही भारत-म्यांमार सीमा पर भी निगरानी के लिए हवाई वाहनों और हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। सेना ने कहा कि वायुसेना से जुड़े संसाधनों में बढ़ोतरी होने से सेना और असम राइफल्स की प्रभावशीलता को एक प्रमुख प्रोत्साहन मिला है। इसकी वजह से मणिपुर में न केवल भीतरी इलाकों में, बल्कि भारत-म्यांमार सीमा पर फिलहाल शांति बनी हुई है। इससे विभिन्न शिविरों में रहने वाले समूह या विद्रोही पर भी नजर रखी जा रही है, जिससे वे किसी भी घटना को अंजाम न दे सकें। गौरतलब है, ये जिला जातीय हिंसा का केंद्र बन गया था, जिसमें अब तक कम से कम 30 लोग मारे गए हैं और 500 से अधिक घर जल गए हैं।

केरल नाव हादसा 22 लोगों की मौत

मलप्पुरम (केरल)। केरल में मलप्पुरम जिले में नाव पलटने से सात बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो चुकी हैं। इस हादसे पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है। अधिकारी ने बताया कि थूवलथीरम समुद्र तट के पास हुई पर्यटक नौका दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम को नाव पलटने के बाद आठ लोगों को बचाया गया और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। केरल सरकार ने मलप्पुरम जिले में हुए नाव हादसे मामले में न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। इसी के साथ ही पीड़ितों के परिजनों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने का एलान किया है। वहीं, इस हादसे के बाद मौके पर बचाव अभियान भी जारी है। भारतीय नौसेना के चेतक हेलीकॉप्टर को तलाशी और बचाव अभियान में मदद के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारतीय तट रक्षक दल की टीम मौके पर पहुंच गई है और लापता लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। बता दें कि मलप्पुरम जिले के तानुर इलाके में थूवलथीरम समुद्र तट के निकट रविवार शाम एक हाउसबोट पलट गई थी, इसमें सवार महिलाओं और बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो गई है। ये हादसा लगभग 7:30 बजे हुआ था। जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिन 22 लोगों के शव बरामद किए गए हैं उनकी पहचान कर ली गई है। अधिकारी ने कहा कि हमने सभी एजेंसियों से मदद मांगी है। एनडीआरएफ और तटरक्षक बल की टीमें पहले ही मौके पर पहुंच चुकी हैं। हमने नौसेना से भी मदद मांगी है। अधिकारी ने कहा कि डूबे हुए जहाज में लोगों की सही संख्या का पता नहीं चल पाया है। केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि आज मुख्यमंत्री पिनराई विजयन घटनास्थल का दौरा करेंगे और अधिकारियों से हालात के बारे में जानकारी लेंगे। इसके अलावा विपक्ष के नेता वीडी सतीसन भी दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे। वहीं, राज्य सरकार ने सोमवार को एक दिन के शोक की घोषणा की है और दुर्घटना में जान गंवाने वालों के सम्मान में सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है।

अल्पसंख्यक चरमपंथियों का समूह दे रहा खालिस्तान आंदोलन को हवा : रिपोर्ट

वॉशिंगटन। खालिस्तान समर्थकों ने भारत के खिलाफ दुनियाभर में गतिविधियों को तेज कर दिया है। ब्लूम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में अल्पसंख्यक चरमपंथियों के समूह द्वारा खालिस्तानी आंदोलन को अमेरिका और यूरोप में हवा दी जा रही है और खास बात यह है कि उन्हें पाकिस्तान आर्थिक मदद मुहैया करा रहा है। ब्लूम रिपोर्ट के अनुसार खालिस्तान लंबे समय से पाकिस्तान का सपना रहा है। खालिस्तान की मांग करने वाले आतंकवादी समूह पश्चिमी देशों, विशेष रूप से ब्रिटेन में मिली स्वतंत्रता का

इस्तेमाल नफरत और उग्रवाद की आग को भड़काने के लिए कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार चरमपंथी युवाओं का ब्रेनवाश कर रहे हैं और एक झूठी कहानी गढ़ रहे हैं कि पंजाब में सिखों से भेदभाव हो रहा है। उनकी उपेक्षा की जा रही है लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। यही नहीं, अपने हिंसक तरीके के खिलाफ बोलने वालों लोगों पर ये हमला भी कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक विदेशों में रहने वाले अधिकांश सिख और भारतीय उग्रवाद और अलग खालिस्तान की मांग का समर्थन नहीं करते हैं। वे देशभक्त हैं और उनकी भावनाएं भारत की एकता और अखंडता के साथ हैं। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में गुरुद्वारों पर नियंत्रण के लिए इन चुनिंदा खालिस्तान समर्थकों और बड़े सिख संगठनों के बीच भी तनातनी चल रही है। इसमें कहा गया है कि हिंसा और डराना पूरी तरह से सिख धर्म के सिद्धांतों के खिलाफ है लेकिन ब्रिटेन और दुनियाभर में खालिस्तान समर्थक सिख धर्म को हाईजैक करने और अपने फायदे के लिए इसका इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने *द केरला स्टोरी* पर लगाया प्रतिबंध

कोलकाता। द केरला स्टोरी 5 मई को सिमेनाघरों में रिलीज हो चुकी हैं और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। फिल्म ने तीन दिनों के अंदर लगभग 40 करोड़ की कमाई करने वाली हैं। फिल्म को लेकर तब से विवाद है जब से इसका टीजर रिलीज हुआ था। फिल्म का दावा है कि यह फिल्म सत्य घटना पर आधारित है। इसी दावे को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार ने फिल्म को मनगढ़ंत बताया और भाजपा का प्रोपेगेंडा कहा है। पश्चिम बंगाल सरकार ने सोमवार को *द केरला स्टोरी* पर प्रतिबंध लगाने के अपने फैसले की घोषणा की। ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही विवादों में घिरी फिल्म को कई राज्यों में कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को राज्य सचिवालय में इस फैसले की घोषणा की। यह घोषणा ममता बनर्जी द्वारा आरोप लगाए जाने के कुछ ही मिनट बाद आई कि भाजपा कश्मीर फाइल्स की तर्ज पर बंगाल पर एक फिल्म की फंडिंग कर रही है। बंगाल के मुख्यमंत्री ने राज्य के मुख्य सचिव को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि फिल्म को राज्य में चल रहे स्क्रीन से हटा दिया जाए। ममता बनर्जी ने कहा कि यह निर्णय *बंगाल में शांति बनाए रखने* और अपराध और हिंसा से घृणा करने वाली किसी भी घटना से बचने के लिए लिया गया है। आपको बता दे कि द केरला स्टोरी ने जनता से कड़ी प्रतिक्रिया प्राप्त की है। जहां कई लोग इसकी सराहना कर रहे हैं, वहीं कई अन्य लोगों का मानना है कि फिल्म में प्रचार की गंध है। कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग भी की है। अब इस पर दिग्गज एक्ट्रेस शबाना आजमी का रिएक्शन आया है। सुदीप्तो सेन की द केरला स्टोरी पर प्रतिबंध लगाने के लिए कई कॉल किए गए हैं। अदा शर्मा की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म इस बारे में है कि कैसे केरल में चरमपंथी युवा महिलाओं को निशाना बनाते हैं, उनका धर्मांतरण करते हैं और उन्हें आतंकवादी समूहों का हिस्सा बनाते हैं। अब शबाना आजमी ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे प्रतिबंधित करने की इच्छा रखने वालों की आलोचना की। शबाना आजमी ने ट्विटर पर लिखा कि जो लोग द केरला स्टोरी को बैन करने की बात करते हैं, वे उतने ही गलत हैं, जितने कि आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा को बैन करना चाहते थे। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा एक बार फिल्म पारित कर दिए जाने के बाद किसी को भी अतिरिक्त संवैधानिक प्राधिकरण बनने का अधिकार नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के मंदिरों में तोड़फोड़ की उच्चायुक्त ने की निंदा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने अपने देश में मंदिरों में तोड़फोड़ की निंदा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री अल्बनीज ने मार्च में अपने भारतीय समकक्ष को आश्वासन दिया था कि हमारे सुरक्षा बल मंदिरों में तोड़फोड़ होने पर जिम्मेदार लोगों को पता लगाएंगे और उन पर मुकदमा चलाने के लिए हर संभव कार्रवाई करेंगे। उच्चायुक्त ने कहा कि मुझे भरोसा है कि ऐसा हुआ होगा। हमारे विदेश मंत्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया में तथाकथित रेफरेंडम का कोई कानूनी दर्जा नहीं है। फैरेल ने कहा कि पीएम अल्बनीज ने मार्च में पीएम मोदी को आश्वासन देते हुए कहा था कि हम मानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया में लोगों को बिना हस्तक्षेप के अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। प्रधानमंत्री अल्बनीज ने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध जताई है कि हमारे सुरक्षा बल ने तोड़फोड़ होने पर जिम्मेदार लोगों को ट्रैक करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए हर संभव कार्रवाई करेंगे। मुझे विश्वास है कि ऐसा ही होगा। हमारे विदेश मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में अनाधिकृत जनमत का कोई कानूनी दर्जा नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त फैरेल ने कहा कि चतुष्कोणीय सुरक्षा वार्ता (क्वाड)

कोई सैन्य गठबंधन नहीं है, बल्कि सुनामी के बाद एक कूटनीतिक संबंध है, जिसने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए एक विजन को आकार दिया है। एक इंटरव्यू में फैरेल ने कहा कि क्वाड एक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसका सैन्य गठबंधन होने का कोई इरादा नहीं है। यह एक कूटनीतिक संबंध है जो उस सुनामी के बाद एक साथ आया है जिसने अविश्वसनीय तबाही और जीवन के नुकसान का कारण हिंद प्रशांत के लिए एक विजन को आकार दिया है जो लोगों को उन चीजों को करने का अवसर देता है जो अपनी क्षमता के अनुसार जीवन में कुछ करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड जानता है कि अगर देश संप्रभु विकल्प नहीं चुन सकते हैं, तो नागरिक संप्रभु विकल्प नहीं चुन सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया जानते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास के बिना देशों के पास उचित विकल्प नहीं हो सकते हैं। यह भी एक कारण है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत द्विपक्षीय मोर्चे पर आर्थिक रूप से और अधिक काम कर रहे हैं। इसलिए आप इसे जिस भी तरह से देखते हैं, क्वाड सकारात्मक रहा है। मुझे लगता है कि इसे 24 मई को सिडनी में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें उन सभी देशों को शामिल करना चाहिए जो समान विजन साझा करने के लिए तैयार हैं और समझते हैं कि हमें नियमों के भीतर काम करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सभी 4 क्वाड भागीदारों के लिए यह एक दिलचस्प साल है। भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है, जापान जी-7 की मेजबानी कर रहा है, ऑस्ट्रेलिया क्वाड की मेजबानी कर रहा है और अमेरिका एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग की मेजबानी कर रहा है। इसलिए, क्वाड साझेदार हम सभी के लिए एक बेहतर दुनिया को आकार देने के लिए बहुपक्षीय रूप से सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम एक सुरक्षित और संप्रभु हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सकारात्मक एजेंडा साझा करते हैं जो नियमों का पालन करता है। हमने देखा है कि ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, बुनियादी ढांचे या कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में क्वाड बैठकों के व्यावहारिक परिणामों ने देशों को अपने लिए विकल्प बनाने में क्या मदद की है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख पर फैरेल ने कहा कि क्वाड का एजेंडा और विजन एक खुले, सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत का है, जहां देश और नागरिक अपने राष्ट्रीय और व्यक्तिगत हितों के अनुसार विकल्प चुनने में सक्षम हैं, जिस पर अधिकांश देश हस्ताक्षर करेंगे।

पृष्ठ एक का शेष

नौकरी नियुक्ति पत्र...

नियुक्ति पत्र दिये जाने की तैयारी की गई थी, लेकिन अब इसमें बदलाव किया गया है। इस बीच, मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी में एक डॉक्टर दंपति के द्वारा बाल शोषण मामले के बारे में भी बात की और कहा कि वह बाल शोषण के मुद्दे को स्वयं देख रहे हैं। हर अपडेट के प्रति जानकारी ले रहें हैं। मुख्यमंत्री ने गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर अनुरोध करेंगे कि घटना के लिए एक अलग पीठ की आवश्यकता है। वह यह सुनिश्चित करने की व्यवस्था करेंगे कि मामला छह महीने के भीतर इसका निपटारा किया जाए।

बाल शोषण मामला...

के भीतर चार्जशीट दाखिल करने का निर्देश दिया है। 7 मई को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर दिगंत बोरा ने रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा कि पीड़ित लड़की की मेडिकल रिपोर्ट बेहद चिंताजनक है। इसलिए पुलिस अदालत में मामला स्थापित करने के लिए एक विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) की नियुक्ति की मांग करेगी। आरोप पत्र जमा करने के बाद कथित बाल शोषण मामले में त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए। पुलिस ने यह भी उल्लेख किया कि वे असम की राज्य सरकार के माध्यम से गौहाटी उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका भी दायर करेंगे।

कैसे दे सकते हैं...

और राज्य की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने हिंसा से निपटने के लिए उठाए गए कदमों से पीठ को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सेना और असम राइफल्स की टुकड़ियों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 52 कंपनियां हिंसा प्रभावित इलाकों में तैनात की गई हैं। पीठ ने निर्देश दिया कि विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएं। पीठ में न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला भी शामिल हैं। न्यायालय ने उपासना स्थलों की सुरक्षों के लिए उपयुक्त कदम उठाने का भी आदेश दिया। मणिपुर के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों और इंफाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक समुदाय मेइती के बीच हिंसक झड़पों में अब तक 50 से अधिक लोग मारे गए हैं। मेइती समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की उसकी मांग को लेकर यह हिंसा भड़की थी। हिंसा के कारण 23,000 लोगों ने सैन्य छावनियों और राहत शिविरों में शरण ले रखी है। शीर्ष न्यायालय ने मणिपुर हिंसा से जुड़ी याचिकाओं की सुनवाई 17 मई के लिए निर्धारित कर दिया और केंद्र तथा राज्य को तब तक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

105 करोड़ के ...

मॉनिटरिंग कर रहा था। असम पुलिस लगातार आरोपितों की लोकेशन ट्रेस कर रही थी। अपनी गिरफ्तारी के डर से निलंबित आईएएस अपने दामाद और ठेकेदार अमीन के साथ शनिवार से अजमेर के एक होटल में ठहरे थे। अजमेर में आरोपितों की लोकेशन मिलने पर असम पुलिस ने अजमेर पुलिस से मदद मांगी। इसके बाद असम पुलिस रविवार देर शाम को अजमेर पहुंची और अजमेर की कोतवाली थाना पुलिस की मदद से आईएएस सेवाली देवी शर्मा, उनके दामाद अजीत पाल सिंह और ठेकेदार अमीन को गिरफ्तार कर लिया। तीनों की गिरफ्तारी असम की स्टेट काउंसलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के मामले में हुई है। सोमवार सुबह कोतवाली थाना पुलिस के साथ असम पुलिस के अधिकारियों ने आरोपितों को असम ले जाने के लिए स्थानीय कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश व अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट संख्या 1 में ट्रांजिट वारंट की अर्जी दाखिल किया है। कोर्ट से ट्रांजिट वारंट की स्वीकृति मिलने के बाद असम पुलिस सेवाली देवी शर्मा को असम लेकर रवाना होगी। उल्लेखनीय है कि सेवाली देवी शर्मा 1992 कैडर की आईएएस हैं।

सोनिया से जुड़े ...

में दिया बयान था। कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल से कहा गया था कि सोनिया गांधी ने कर्नाटक के 6.5 करोड़ लोगों को संदेश दिया है कन्नडिगास: कांग्रेस किसी को भी कर्नाटक की प्रतिष्ठा, संप्रभुता या अखंडता के लिए खतरा पैदा करने की अनुमति नहीं देगी। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने आपत्ति जताई थी और आज केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिला था। भाजपा ने शिकायत में कहा था कि कर्नाटक, भारत संघ में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य राज्य है और उसकी संप्रभुता की रक्षा का आह्वान अलगाव को आमंत्रित करने वाला और खतरनाक व हानिकारक परिणामों से भरा हुआ है। इसके अलावा भाजपा द्वारा की गई शिकायत के अनुसार, उपरोक्त ट्वीट जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए (5) के तहत राजनीतिक दलों द्वारा ली गई अनिवार्य शपथ का उल्लंघन है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(आरत)

काल खाय सब सृष्टि को, ताकर काल सकाल
हे प्रभु आरत हरण हो, कालक काल कराल॥ 01॥

शब्दार्थ : (काल) समय, अवधि, जिसके द्वारा प्रलय के समय की गणना होती है, (आरत) दु:खी, (कराल) भयंकर।

भाष्य : काल द्वारा ही सृष्टि-प्रलय की अवधि का ज्ञान होता है। काल द्वारा ही समय-काल का ज्ञान होता है, यही काल समस्तसृष्टि को खा रहा है। उस काल का भी काल महाप्रभु है। इसलिए है महाप्रभो! समस्त कष्टों को नाश करने वाले तू कालों के काल, कराल हो। इस विधि से प्रतिदिन कालरूप से प्रभु की उपासना करने से समस्त कष्टों का नाश होता है। गुरु-विधान से आर्त जीव प्रभु की उपासना कर अपने कष्ट को दूर करते हैं। दु:ख से पीड़ित जीव को आर्त कहते हैं।

दुखन रहित दुख हरत हो, शुद्ध शान्ति तब रूप।
हे प्रभु आरत हरण हो, दुख क्षय सूख स्वरूप॥ 02॥

शब्दार्थ : (शुद्ध) पवित्र (दुख क्षय) दु:ख का नाश।

भाष्य : आप का दु:खों से रहित शुद्ध, शांतिमय स्वरूप है। हे प्रभो! तुम आर्त जीवों के दु:खों का नाश करने वाले हो, इसलिए सुखस्वरूप परब्रम्ह! तुम दु:खों का विनाश कर दो। आर्त जीव अपने कष्टों को दूर करने के लिए प्रभु से प्रार्थना करता है।

ऑल असम मिड-डे मील रसोई एसोसिएशन ने किया प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। ऑल असम मिड-डे मील रसोई एसोसिएशन ने सोमवार को अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। सोमवार को काहिलीपाड़ा में असम सर्व शिक्षा अभियान मिशन कार्यालय के सामने मिड-डे मील रसोई एसोसिएशन के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। अपनी उचित मांग को लेकर एसोसिशएन के पदाधिकारियों ने प्रदर्शन कर

सरकार विरोधी नारेबाजी की। मिड-डे मील रसोई एसोसिएशन कर्मियों के वेतन नियमित करने के साथ-साथ बकाया वेतन का भुगतान की मांग कर रहे हैं। एसोसिएशन का कहना है कि मिड-डे मील रसोइयों को वर्तमान में एक हजार रुपए का भुगतान किया जा रहा है, लेकिन पिछले पांच महीनों से वेतन बंद है। एसोसिएशन कार्यकर्ताओं को 9,600 रुपए प्रतिमाह के भुगतान की मांग कर रहा है।

स्कूल जा रहे शिक्षक की सड़क हादसे में मौत

नगांव (असम) (हिंस)। नगांव जिला के तेलियागांव में हुई एक सड़क दुर्घटना में स्कूल जा रहे शिक्षक की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि तेलीयागांव में जानलेवा सड़क हादसा तेज रफ्तार डंपर (एएस-02सीसी-6318) की चपेट में आने से हुआ। हादसे में स्कूल जा रहे शिक्षक की मौत हो गई। मृत शिक्षक की पहचान अब्दुल खालेक के रूप में की गई है। मृतक रौमारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। घटना को लेकर नगांव के तेलीयागांव चौराहे पर तनाव उत्पन्न हो गया। स्थानीय लोगों ने सड़क पर जाम लगाकर डंपर को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ डंपर चालकों की लापरवाही के कारण नगांव में कई सड़क हादसे हो चुके हैं। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया।

नदी से अवैध रूप से रेत उठाने वाली छह मशीनें जब्त

कामरूप (हिंस)। वन विभाग ने कामरूप (ग्रामीण) जिले के गोराईमारी के लारुवाजान में छापा मारकर अवैध रूप से रेत उठाने के लिए उपयोग में लायी जा रही मशीनों को जब्त किया है। सोमवार को गोराईमारी में वन अधिकारी नृपेन कलिता के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने एक सूचना के बाद लारुवाजान में छापा मारा। टीम ने कालही नदी से अवैध रेत खनन में इस्तेमाल होने वाली छह मशीनों को जब्त किया। जब्त रेत खनन मशीनों को गोराईमारी वन विभाग के कार्यालय में रखा गया है। वन विभाग ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है। हालांकि, इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। बताया गया है कि वन विभाग के आने की सूचना पाकर रेत माफिया मौके से फरार हो गए।

पुलिस ने 80 खाली गैस सिलेंडर किए जब्त

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिले के जोरशिमुली के चौतारा में पुलिस ने एक अभियान चलाते हुए 80 खाली गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। ऑपरेशन का नेतृत्व जोराशिमुली पुलिस चौकी प्रभारी लावण्या बोडो ने किया। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने यह छापेमारी की। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया है कि पुलिस ने चौतारा में 80 खाली गैस सिलेंडर को उस समय जब्त किए, जब उन्हें गुप्त रूप से बोको के तुपामारी से मुकालमुआ ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन के चालक और हैंडीमैन को भी गिरफ्तार कर लिया है। अभियान में इंडेन कंपनी के 80 खाली गैस सिलेंडरों के साथ एक बोलेरो पिकअप वैन को जब्त किया गया। साथ ही पुलिस ने वाहन चालक-हैंडीमैन को गिरफ्तार कर लिया।

नदी में डूबी बच्ची की तलाश जारी

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के हाजो में 2 नंबर शाउलमारी इलाके से होकर बहने वाली पुठीमारी नदी में मछली पकड़ने के दौरान डूबी बच्ची की तलाश में एसडीआरएफ का ऑपरेशन आज जारी है। रविवार को बच्ची अपनी हम उम्र सहेलियों के साथ नदी में मछली पकड़ते समय डूब गई थी। बच्ची की पहचान 12 वर्षीय अरमिना खातून के रूप में हुई है। वह 2 नंबर शाउलमारी निवासी अंताज अली की सबसे छोटी बेटी बताई गई है। घटना के बाद इलाके में अंधेरा होने के चलते अभियान नहीं चलाया जा सका था।

छात्रावास की छत पर मिला छात्र का शव

गुवाहाटी (हिंस)। बरसापाड़ा स्थानीय क्षेत्र के साउथ प्वाइंट स्कूल परिसर के अंदर छात्रावास की चौथी मंजिल पर सोमवार को एक छात्र का शव मिलने से सनसनी फैल गई। छात्र के मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार गुवाहाटी के बरसापाड़ा स्थानीय क्षेत्र के साउथ प्वाइंट स्कूल परिसर के अंदर छात्रावास की चौथी मंजिल पर एक छात्र का शव सुबह मिला। मृतक युवक स्कूल का 12वीं कक्षा का छात्र था और अरुणाचल प्रदेश का रहने वाला था। अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि किन परिस्थितियों में छात्र की मौत हुई है। साउथ प्वाइंट स्कूल के अधिकारियों ने घटना के बाद आज सभी कक्षाओं को बंद कर दिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस सभी को देगी सुरक्षा

गुवाहाटी। भारत के प्रमुख निजी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस ने बजाज एलियांज लाइफ ग्रुप टर्म लाइफ- एक नॉन-लिंक्ड नॉन-पार्टिसिपेटिंग ग्रुप टर्म इंश्योरेंस प्लान पेश किया है, जो भारत में पोस्ट पेमेंट्स बैंक ग्राहकों के लिए एक किफायती प्रोटेक्शन प्लान है। इससे ग्राहकों को छोटी राशि का भुगतान करके पर्याप्त लाइफ कवर के साथ अपनी बीमा सुरक्षा शुरू करने की सुविधा मिलती है, इससे उनके प्रियजनों को दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा भी मिलती है। इसके अलावा, बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर, जो आम तौर पर परिवार का कमाऊ सदस्य होता है, बजाज आलियांज लाइफ ग्रुप टर्म लाइफ में किसी भी तत्काल खर्च को कवर करने के लिए एकमुश्त राशि प्राप्त करने के लिए नॉमिनी दिए जाने का भी प्रावधान है, ताकि परिवार को 5, 7 या 10 साल तक नियमित मासिक आय का भुगतान होता रहे। बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस के इंस्टीट्यूशनल बिजनेस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर और हेड धीरज सहगल, ने कहा कि लाइफ गोल्स के रूप में हम अपने सभी ग्राहकों और उनके परिवारों को वित्तीय रूप से सुरक्षित करने में मदद करने के लिए बेजोड़ पेशकश देने के लिए उत्सुक हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के साथ हमारी साझेदारी देश भर के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने में मदद करती है। हमारी नई पेशकश बहुत बेहतरीन है क्योंकि यह उन परिवारों की मदद करने के लिए तैयार की गई है जो आईपीपीबी के साथ बैंकिंग करते हैं। उस वित्तीय कमी का सामना कोई भी कर सकता है, जो कमाने वाले की मृत्यु के कारण होती है। मुझे विश्वास है कि यह कम प्रीमियम और ज्यादा कवर अधिक ग्राहकों को अपने परिवारों की सुरक्षा के लिए प्रेरित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उनके दुनिया में न होने पर भी उनके लाइफ गोल पूरे होते रहें। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के चीफ जनरल मैनेजर और चीफ सेल्स एंड मार्केटिंग ऑफिसर गुरशरण राय बंसल ने कहा कि अपने वित्तीय और जीवन के लक्ष्यों को बिना परेशानी पूरा करने के लिए जीवन बीमा सबसे आवश्यक वित्तीय उत्पादों में से एक है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक विभिन्न बचत, सुरक्षा और वार्षिकी उत्पादों के माध्यम से वंचित वर्गों को बीमा वितरित करने में सहायक रहा है। वित्तीय समावेशन के सरकार के मिशन के अनुरूप, हम बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नए ग्रुप टर्म लाइफ इंश्योरेंस के माध्यम से अपने ग्राहकों के लिए जीवन बीमा की पेशकशों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह ग्राहकों को किफायती जीवन बीमा प्रदान करता है और उनके कमाने वाले की असामयिक मृत्यु की स्थिति में परिवार की तत्काल और दीर्घकालिक वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में मदद करता

तांत्रिक का युवती ने काटा गुप्तांग

मोरीगांव (असम) (हिंस)। मोरीगांव जिला के बरालिमारी इलाके में एक युवती द्वारा तंत्र मंत्र करने वाले एक तांत्रिक का गुप्ता काटे जाने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार दरंग जिला के धुला पुलिस थाना इलाके के रहने वाले तांत्रिक उस्मान अली के पास एक युवती कुछ समस्या लेकर पहुंची थी। झाड़-फूंक के दौरान उस्मान ने युवती के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। जिसके बाद युवती ने हकीम उस्मान का गुप्तांग काटकर मौके से फरार हो गई। गंभीर रूप से घायल उस्मान अली को उस्मान के साथ आए अन्य एक व्यक्ति ने इलाज के लिए मोरीगांव सदर अस्पताल में भर्ती कराने के बाद वह वहां से फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने गंभीर रूप से घायल उस्मान को इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। वहीं उस्मान ने आरोप लगाया कि युवती उसके गुप्तांग पर धारदार हथियार से हमला कर उसका नगद 20 हजार रुपए अन्य एक व्यक्ति के सहयोग से लेकर फरार हो गई। घटना के संबंध में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं इस घटना को लेकर अब तक युवती की ओर से किसी भी प्रकार का बयान सामने नहीं आया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

भारी मानसून से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए पूसीरे ने कसी कमर

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी मानसून में किसी भी तरह की अप्रिय घटना से निपटने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) कमर कसने में जुट गयी है। पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल, बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, त्रिपुरा, मणिपुर आदि के कुछ हिस्सों में फैले 6400 किमी से अधिक रेलवे ट्रैक पर पिछले कुछ महीनों में गतिशीलता बढ़ी है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया कि पूसीरे के लिए मानसून का मौसम काफी चुनौतीपूर्ण होता है। पूसीरे निम्न हिमालय श्रृंखला की तलहटी के पास दुर्गम इलाके में सेवा प्रदान करती है, जहां वर्ष में लगभग 7 हजार मिमी तक की भारी वर्षा से पोषित अशांत धाराओं द्वारा नुकसान पहुंचता है। दक्षिण पश्चिम मानसून की अवधि आम तौर पर मई के मध्य से शुरू होती है और हर वर्ष अक्टूबर के मध्य तक जारी रहती है, जबकि लमडिंग मंडल में मानसून की अवधि अप्रैल के मध्य से शुरू होती है। इस भारी वर्षा के कारण भूस्खलन, बारिश से तटबंधों में कटाव, पुलों पर ओवरफ्लो होना आदि अक्सर होते रहते हैं। पटरियों की सुरक्षा और इसे बेहतर स्थिति में बनाये रखने के लिए एक सुनिश्चित विस्तृत रणनीति अपनाई जाती है ताकि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता न हो। इसके लिए, पूसीरे ने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की है। मानसून से पहले की तैयारियों के तहत संवेदनशील स्थानों पर सामग्री का संग्रहण, निकासी प्रणाली की सफाई, पुलों के वाटरवेज की सफाई, पुलों में खतरे के स्तर को चिह्नित करना आदि का कार्य पूरा कर लिया गया है। भारी वर्षा के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार की क्षति के लिए सभी निवारक उपाय करते हुए पूसीरे ने अपने क्षेत्राधिकार के अधीन 6,400 किमी से अधिक ट्रैक पर निरंतर निगरानी के लिए गश्ती दलों को भी तैनात किया है। रेलवे ट्रैक को सुरक्षित रखने के लिए भी गश्ती दल तैनात किए गए हैं। यह टीम मौसम विभाग द्वारा जारी बारिश के अलर्ट के आधार पर ट्रैकों पर पेट्रोलिंग करती है। ये गश्ती दल नवीनतम और अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किये गये हैं, जैसे- जीपीएस ट्रैकर, चमकीली जैकेट, रेनकोट और अलग से वाटरप्रूफ ट्राउजर, सेफ्टी हेलमेट, सेफ्टी शू हाई, पावरफुल सर्च/फ्लैश लाइट आदि। यह टीम पूरे ट्रैक पर दिन-रात गश्त कर रही है। किसी भी स्थिति के बारे में जो ट्रेनों की सामान्य आवाजाही को प्रभावित कर सकते हैं, उसकी जानकारी निकटतम स्टेशन को देने के लिए, प्रत्येक गश्ती दल के पास मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि गश्ती के अलावा, संवेदनशील क्षेत्रों जैसे भूस्खलन की संभावना वाले स्थलों, पुलों आदि जहां पानी खतरे के स्तर तक बह रहे हो, पर स्थायी चौकीदार भी नियुक्त किए गए हैं। तमाम सावधानियों के बावजूद, ऐसे परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती है, जब पुल बह जाते हैं, तटबंध टूट जाते हैं और भूस्खलन होते हैं। ऐसी स्थिति का सामना करने और न्यूनतम संभाव्य समय के भीतर इसे पुनर्बहाल करने के लिए बोल्डर, रेत, सैंडबैग, पुलों के विभिन्न पूर्व-निर्मित घटकों आदि जैसे सामग्रियों को वैगनों में लोड कर रणनीतिक स्थानों पर रखा गया है। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न स्थानों पर 7000 घन मीटर से अधिक बोल्डर, पत्थर आदि को वैगनों में लोड करके रखा गया है। इसके अलावा, लगभग 27,300 घन मीटर बोल्डर, 12,600 घन मीटर खदान के धूल-कण और 3 हजार घन मीटर गाद को भूमि पर मानसून रिजर्व स्टॉक के रूप में रखा गया है। प्राकृतिक आपदा के संबंध में भविष्यवाणी करना और उससे बचना कठिन है।

जेमैक्स मोबाइल ने लांच की एक्सेसरीज की बेहतरीन श्रृंखला

गुवाहाटी। मोबाइल उद्योग में एक अग्रणी नाम जेमैक्स मोबाइल ने मोबाइल एक्सेसरीज की अपनी नवीनतम रेंज का प्रदर्शन किया। इसका प्राथमिक उद्देश्य लाइव इंटरैक्टिव अनुभूति प्रदान करना तथा उत्तर-पूर्व भारतीय बाजार को अत्याधुनिक मोबाइल एक्सेसरीज के प्रभावशाली संग्रह से परिचित कराना था, जिसमें पावर बैंक, वायरलेस ब्लूटूथ ईयरबड्स, चार्जिंग केबल, नेकबैंड एवं स्मार्टवॉच शामिल हैं। आयोजन के दौरान, जेमैक्स मोबाइल ने अपने मोबाइल एक्सेसरीज की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की, जिनमें प्रत्येक को उपयोगकर्ता अनुभव को बढ़ाने और अत्यधिक सुविधा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया हैं। पावर बैंकों ने उल्लेखनीय चार्जिंग क्षमताओं का प्रदर्शन किया, जिससे स्मार्टफोन और अन्य उपकरणों के लिए निरंतर बिजली की सप्लाई सुनिश्चित हुई, यहां तक कि चलते-फिरते भी। वायरलेस ब्लूटूथ ईयरबड्स ने सहज कनेक्टिविटी और उच्च गुणवत्ता वाले ऑडियो की पेशकश की, जो संगीत प्रेमियों और हस्तमुक्त संचार चाहने वालों के लिए एकदम उत्तम है।

इसके अलावा, चार्जिंग केबल्स ने भी उन्नत तकनीक का प्रदर्शन किया, जो विभिन्न उपकरणों के लिए तेज और विश्वसनीय चार्जिंग की गारंटी देता है। नेकबैंड्स ने अपने एर्गोनोमिक डिजाइन के साथ बहुमुखी प्रतिभा प्रदर्शित की, जो आरामदायक तथा पहनने योग्य होने के साथ ही इमर्सिव ऑडियो अनुभव प्रदान करता है। अंत में, स्मार्टवॉच ने फैशन और कार्यक्षमता का मिश्रण प्रदर्शित किया, जो उपयोगकर्ताओं को फिटनेस ट्रैकिंग, नोटिफिकेशन और बहुत कुछ सुविधाओं के साथ सशक्त बनाता है। बिक्री के उपाध्यक्ष श्री अनिंद्य घोष ने मीडिया को संबोधित करते हुए कुछ शब्द बोले, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र हमेशा जेमैक्स मोबाइल के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है, और हम इस जीवंत बाजार में मोबाइल एक्सेसरीज की अपनी पूरी श्रृंखला पेश करने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारा तीसरा राष्ट्रीय वार्षिकी वर्ष है और उत्तर-पूर्व भारत में दूसरी वार्षिकी है। हमारे 25 से अधिक चैनल पार्टनर हैं और हमारे उत्पाद उत्तर-पूर्व भारत में लगभग 2 हजार से भी अधिक खुदरा दुकानों पर उपलब्ध हैं। राज्य में गति प्राप्त करने वाले व्यवसायों में से एक के रूप में, हम गतिशीलता सामान्य व्यापार के माध्यम से प्रवेश करने के लिए अपनी मानव-शक्ति का विस्तार करने की कल्पना कर रहें हैं। इसके अतिरिक्त, हम एक्सेसरीज सेगमेंट में आधुनिक व्यापार और खुदरा श्रृंखलाओं का पता लगाने की भी योजना बना रहे हैं। हमें अपने मौजूदा पोर्टफोलियो पर अपने मौजूदा चैनल पार्टनर्स से प्राप्त शानदार प्रतिक्रिया के बारे में बताते हुए बेहद खुशी महेसूस हो रही है। जेमैक्स के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर श्री गिनिश मागो ने कंपनी की अगली 2 साल की योजना के बारे में सभी को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि फीचर फोन श्रेणी को अभी लंबा रास्ता तय करना है। हमारी योजना विश्वसनीय गुणवत्ता वाले किफायती स्मार्टफोन लाने की भी है। वर्तमान में, हमारे उत्पाद भारत के लगभग 18 राज्यों के ऑफलाइन बाजार में उपलब्ध हैं।

कोकराझाड़ भाजपा की एसटी मोर्चा की तीसरी कार्यकारिणी संपन्न

कोकराझाड़ 8 मई। कोकराझाड़ जिले के पर्वतझोरा महकमे के अंतर्गत मंगलाझोरा बाजार कॉमिनिटी हाल में आज भारतीय जनता पाटी (भाजपा) की एसटी मोर्चा की तीसरी कार्यकारिणी सभा आयोजित हुई। जिला एसटी मोर्चा के अध्यक्ष आराधना बसुमतरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष शिब नाथ ब्रह्म उपस्थित थे। साथ ही जिला समिति के अध्यक्ष राजकुमार ब्रम्ह, बीटीसी के एमसीएलए राजीब ब्रम्ह, बीजीपी एसटी मोर्चा के असम प्रदेश के उपाध्यक्ष रनेंद्र नार्जारी, एवं अन्य नेता व कर्मीगण उपस्थित थे। इस सभा में भाजपा के संगठनात्मक रूप से मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई। साथ ही आगामी होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के बोको में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना एक व्यक्ति की मौत हो गई। ट्रक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि बीती मध्य रात्रि को हुए हादसे में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान शिव दास के रूप में हुई है। मृतक मूल रूप से बोको के कहिबामा का निवासी बताया गया है। घायल युवक की पहचान सदानंद दास के रूप में हुई है। सदानंद दास को बेहतर इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में रेफर किया गया है। वहीं, हादसे का कारण बना ट्रक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर, ट्रक का पता लगाने में जुटी हुई है।

मणिपुर हिंसा प्रभावित इलाकों में स्टार सीमेंट ने भेजी राहत-सामग्री

गुवाहाटी (विभास)। पिछले कुछ दिनों से मणिपुर में जारी हिंसा के चलते कई क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। इन प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विभिन्न राहत शिविरों में रखा गया है। शिविरों में रह रहे लोगों के लिए क्षेत्र के प्रमुख सीमेंट ब्रांड स्टार सीमेंट ने आज राहत सामग्री से लदे एक ट्रक को झंडी दिखाकर रवाना किया। स्टार सीमेंट उन हजारों लोगों की मदद के लिए आगे आया है जो हिंसक जातीय संघर्षों के कारण अपने घरों से विस्थापित हो गए थे और अब राहत शिविरों में रह रहे हैं। मणिपुर राज्य पिछले कुछ दिनों से जातीय संघर्षों के कारण हिंसा की चपेट में है और इस प्रक्रिया में बहुत से लोग अपने घरों और गांवों से विस्थापित हो गए हैं और इंफाल, मणिपुर के अन्य शहरों और यहां तक कि अन्य सीमावर्ती राज्यों के शहरों में राहत शिविरों में रह रहे

हैं। कर्फ्यू और सामान्य अशांति के कारण देश के बाकी हिस्सों के साथ सामान्य रसद और कनेक्टिविटी बाधित हो गई है और राहत शिविरों में रहने वाले लोगों के बीच खाद्य सामग्री और अन्य सामान्य आवश्यकताओं की भारी कमी हो गई है। स्टार सीमेंट ने मणिपुर के विभिन्न राहत शिविरों में तनावपूर्ण स्थिति को ध्यान में रखते हुए चावल, दाल, मैगी, बेबी फूड, मिल्क पाउडर, सैनिटरी पैड, बेबी डायपर, मच्छर भगाने वाली क्रीम, आवश्यक मच्छरदानी और अन्य आवश्यक वस्तुए इत्यादि से भरा एक ट्रक आज रवाना किया। स्टार सीमेंट के मुख्य रणनीति अधिकारी प्रदीप पुरोहित ने नेक पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों की मदद के लिए स्टार सीमेंट हमेशा कठिन समय में आगे आता रहा है। और यह एक ऐसा समय है जब हम सभी को एकजुट होकर उन लोगों का सहयोग करना चाहिए जो इस समय मुसिबत में हैं। श्री पुरोहित ने डीमापुर से सेना के परामर्श से रसद की व्यवस्था के लिए स्टार सीमेंट का समर्थन और मार्गदर्शन करने के लिए ओइनम सरनकुमार सिंह, आईएएस को भी धन्यवाद दिया। डिमापुर से सेना के काफिले की निगरानी में राहत सामग्री भेजी जाएगी। वहीं स्टार सीमेंट का कहना है कि जरूरत पड़ी तो आगे भी प्रभावित क्षेत्रों में राहत रामग्री भेजी जाएगी।

पुलिस महानिरीक्षक अनुराग अग्रवाल का सीआरपीएफ 152 बटालियन का दौरा

गुवाहाटी। आज ग्वालपाड़ा स्थित 152 वी वाहिनी सीआरपीएफ में श्री अनुराग अग्रवाल, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, सीआरपीएफ, पूर्वोत्तर सेक्टर ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सर्वप्रथम श्री अनुराग अग्रवाल, आईपीएस ने क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली तदोपरांत संपूर्ण मुख्यालय कैंप का निरीक्षण किया गया। श्री अनुराग अग्रवाल, आईपीएस की अध्यक्षता में वाहिनी मुख्यालय में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में जवानों को अपने कर्तव्य निर्वहन एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने हेतु बताया ताकि हम किसी भी प्रकार की समस्याओं का सामना बखूबी कर सके। साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं सतर्कता से करने हेतु प्रेरित किया। श्री अग्रवाल ने देश में कानून व्यवस्था

के विपरित उत्पन्न हो रही समस्याओं से भी अवगत कराया एवं सदैव तैयार रहने के लिए आदेशित किया गया। श्री अग्रवाल ने इसी दौरान कानून व्यवस्था एवं क्षेत्र की स्थिति के बारे में एस पी ग्वालपाड़ा से भी विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान श्री अग्रवाल के अतिरिक्त श्री राकेश रंजन तिवारी द्वि.क.अ, श्री वी नारायणन एवं श्री बाबू साहेब उप कमां., अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

दिल्ली सरकार ला रही प्रीमियम बस योजना, अब कार छोड़ लग्जरी बस में सफर कर पाएंगे आप

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को प्रेस वार्ता कर प्रीमियम बस योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम देश की राजधानी दिल्ली का ट्रांसपोर्ट सिस्टम विश्व स्तरीय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली का ट्रांसपोर्ट सेक्टर दुनिया के सबसे विकसित देशों के बराबर होना चाहिए। दिल्ली में ट्रैफिक बहुत ज्यादा है, क्योंकि निजी वाहन ज्यादा हैं। अगर कार और स्कूटर पर सफर करने वाले लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर ले जाना है तो हमें इसे आरामदायक, सुरक्षित और इसकी टाइमिंग सुनिश्चित करनी होगी। दिल्ली के ट्रांसपोर्ट सेक्टर में सबसे बड़ी क्रांति तब आई थी, जब मेट्रो शुरू हुई थी। मीडिल और अपर मीडिल क्लास अपनी गाड़ियां छोड़ कर मेट्रो से जाना शुरू किया। इससे दिल्ली की सड़कों पर काफी वाहनों की कमी आई थी। लेकिन धीरे-धीरे दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक काफी बढ़ गया है। मेट्रो खचाखच भर गई हैं। मेट्रो में लोगों को बैठने की जगह नहीं मिलती है और सफर आरामदायक नहीं है। इसलिए काफी लोग वापस अपनी गाड़ियों से सफर करने लगे हैं। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में डीटीसी और क्लस्टर्स की बसें हैं। इन बसों को अधिकतर लोअर मीडिल क्लास के लोग इस्तेमाल करते हैं। दिल्ली में एसी बसें भी हैं, लेकिन उसमें सीट की कोई गारंटी नहीं है। दिल्ली सरकार दिल्ली मोटर व्हीकल्स ऑफ एग्रीगेटर (प्रीमियम बसें) स्कीम 2023 ला रहे हैं। ये प्रीमियम बसें आरामदायक होंगी। दो गुना दो की बसें होंगी। सभी बसें वातानुकूलित होंगी। इनमें वाई फाई, जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन की सुविधा होगी। प्रीमियम बसों में सफर करने के लिए टिकट की बुकिंग एप या वेब आधारित होगी। किराए का भुगतान डिजिटली करना होगी। कोई भी खड़ी सवारी को बस में चढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। टिकट लेने वाले लोगों को शर्तियां तौर पर सीट मिलेगी। प्रीमियम बसों के लाइसेंसिंग शर्तों के बारे में बतरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा इसमें तीन साल से पुराने बस को अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रीमियम बस स्कीम के तहत जो भी बसें लाई जाएंगी, वो तीन साल से पुरानी नहीं होंगी। सारी बसें सीएनजी की होंगी। एक जनवरी 2024 के बाद जो भी बस खरीदी जाएंगी, वो सभी इलेक्ट्रिक की होंगी। इसके तहत एग्रीगेटर को लाइसेंस दिया जाएगा। इसमें उसे कुछ लाइसेंस फीस देनी होगी। वहीं, इलेक्ट्रिक बसें लाने वाले एग्रीगेटर को कोई लाइसेंस फीस नहीं देना होगा। सभी बसों में कम से कम 12 सीटें होनी चाहिए। इससे ज्यादा

कितनी भी सीटें हो सकती हैं। एग्रीगेटर को पहले सरकार से लाइसेंस लेना होगा। एक एग्रीगेटर को लाइसेंस मिलने के 90 दिन के अंदर कम से कम 50 बसें चलानी और मेंटेंन करनी होगी। प्रीमियम बसों का एक लोगो, कलर कोड और यूनिफार्म तय किया जा रहा है। एग्रीगेटर बस के अंदर विज्ञापन कर राजस्व प्राप्त कर सकता है। केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रीमियम बस योजना को अंतिम रूप दे दिया है। अब इसे मंजूरी के लिए एलजी के पास भेजा जा रहा है। दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत एलजी को तय करना है कि वो इस स्कीम को राष्ट्रपति को भेजेंगे या फिर दिल्ली सरकार को आगे बढ़ने की इजाजत देंगे। ये प्रीमियम बसें केवल दिल्ली में संचालित होंगी। हर बस में 12 से अधिक सवारियों को बैठने की क्षमता होगी। बस पूरी तरह वातानुकूलित, वाई-फाई, जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन युक्त होगी। बस के अंदर दोनों तरफ दो-दो सीटें होंगी। इसके लिए एग्रीगेटर को 5 साल के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। सरकार ने लाइसेंस फी भी तय कर दिया है। इसके तहत नया लाइसेंस लेने के लिए 5 लाख रुपए देने होंगे। लाइसेंस का नवीनीकरण, डुप्लीकेट लाइसेंस लेने और एड्रेस चेंज कराने पर 2500 रुपए बतौर शुल्क देने होंगे। जबकि इलेक्ट्रिक बस लाने वाले एग्रीगेटर को लाइसेंस फीस नहीं देनी होगी। वहीं, एग्रीगेटर को लाइसेंस लेने के लिए सिक्युरिटी भी जमा करनी होगी। अगर एग्रीगेटर 100 बस लाना चाहता है तो इसके लिए एक लाख रुपए बतौर सिक्युरिटी जमा करना होगा। इसी तरह, 1000 तब बसें लाने पर 2.50 लाख रुपए और 1000 से अधिक बसें लाने पर 5 लाख रुपए जमा करने होंगे। एग्रीगेटर के पास सार्वजनिक या साझा परिवहन में वाहनों के संचालन व प्रबंधन का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। हर साल कम से कम 100 बसें लानी होगी या हर वर्ष कम से कम 1000 यात्री कारों का बेड़ा लाना होगा। एग्रीगेटर कार और बसों का मिश्रित बेड़ा भी ला सकता है। 10 कारें एक बस के बराबर होंगी। एक अनुबंध कैरिज परमिट होना चाहिए। सीएनजी बसें 3 साल से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। 1 जनवरी 2024 के बाद केवल इलेक्ट्रिक नई बसें शामिल की जाएंगी। इनका एनसीआर के अंदर कॉर्पोरेट या शाखा कार्यालय होना चाहिए एग्रीगेटर लाइसेंस मिलने के 90 दिनों के अंदर कम से कम 50 प्रीमियम बसों का संचालन और रखरखाव करेगा। एग्रीगेटर द्वारा मार्गों की पहचान और चयन किया जाएगा और परिवहन विभाग को इसकी सूचना देगा। एग्रीगेटर ही किराया तय करेगा जो डीटीसी एसी बस के अधिकतम किराए से कम नहीं होगा। प्रीमियम बसों में सफर करने के लिए यात्रियों को टिकट की बुकिंग करनी होगी। यह टिकट केवल मोबाइल और वेब से किया जा सकेगा। एप या वेब-आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए सीटों को पहले ही आरक्षित कर सकेंगे। सभी भुगतान एप या वेब प्लेटफॉर्म पर डिजिटल रूप से किए जाएंगे। टिकट की बुकिंग वन दिल्ली एप पर भी की जा सकती है। दिल्ली सरकार ने एग्रीगेटर को राजस्व जुटाने के लिए बस के अंदर ब्रांडिंग और विज्ञापन भी करने की अनुमति होगी। सभी बसों में एक जैसे रंग और लोगो का पालन किया जाएगा। एग्रीगेटर बस के अंदर विज्ञापन कर अपने लिए राजस्व पैदा कर सकता है। लेकिन निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करने पर एमवी अधिनियम 1988 की धारा 193 के अनुसार जुमार्ना होगा। अगर 90 दिनों के भीतर बसों (50) का संचालन नहीं किया जाता है, तो सिक्युरिटी राशि जब्त कर ली जाएगी।

आम आदमी पार्टी कर रही न्यायालय का अपमान : भाजपा

अजय कुमार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी पर न्यायालय का अपमान करने का आरोप लगाया है। पार्टी का कहना है कि आप जमानत आदेशों का हवाला देकर शराब नीति घोटाले में भ्रम फैला रही है। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पूरे मामले में सह आरोपी हैं और कोर्ट ने अपने जमानत आदेश में लिखा है कि जिन दो अभियुक्तों को जमानत दी गई है, उनके खिलाफ सिसोदिया को लाभ पहुंचाने का कोई साक्ष्य नहीं प्राप्त है। भारतीय जनता पार्टी के नेता गौरव भाटिया ने सोमवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि केवल एक जमानत आदेश को आधार बनाकर आम आदमी पार्टी कह रही है कि दिल्ली का शराब नीति घोटाला कुछ नहीं है। जमानत आदेश न्यायालय का अंतिम निर्णय नहीं है। न ही न्यायालय ने किसी को दोष से मुक्ति दी है और न अभियुक्तों पर लगी धाराएं हटाई गई हैं। लेकिन आप पार्टी इसे ऐसे पेश कर रही है कि जैसे

शराब घोटाला कुछ नहीं है। भाटिया ने कहा कि राजेश जोशी और गौतम मल्होत्रा से जुड़े जमानत आदेश में लिखा है कि मामले में सह अभियुक्त मनीष सिसोदिया को दोनों की ओर से लाभ पहुंचाने के कोई साक्ष्य नहीं हैं, इसलिए अदालत इन्हें जमानत दे रही है। इसका मतलब है कि मनीष सिसोदिया मामले में लिप्त हैं। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका बार-बार खारिज हो रही है। वे मामले में सह अभियुक्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी उन्हें राहत नहीं दी है। सीबीआई कोर्ट ने भी कहा है कि मनीष सिसोदिया पर लगे आरोप प्रथम दृष्टया ठीक दिखाई देते हैं और मामला गंभीर हैं, इसलिए उन्हें जमानत नहीं दी जा सकती। भाजपा नेता ने कहा कि मामला दिल्ली हाईकोर्ट के भी विचाराधीन है और उस मामले का संज्ञान लेना चाहिए कि किसी अन्य के जमानत आदेश के आधार पर आम आदमी पार्टी झूठे दावे कर रही है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की पूरी राजनीति भ्रष्टाचार, झूठ बोलना और आई एम सॉरी' पर टिकी है।

राजस्थान में वायु सेना का मिग-21 दुर्घटनाग्रस्त, 3 लोगों की मौके पर मौत

- विमान का मलबा हनुमानगढ़ जिले के बहलोल नगर में एक घर पर गिरा
- सूरतगढ़ एयरबेस से करीब 25 किमी. उत्तर पूर्व में मिला घायल पायलट

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 लड़ाकू विमान राजस्थान में सोमवार सुबह करीब 09:45 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा उपखंड में स्थित गांव बहलोल नगर की आबादी वाले क्षेत्र में गिरा। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पायलट ने सुरक्षित रूप से निकासी कर ली। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है। वायु सेना ने अपने एक बयान में दुर्घटना के बाबत जानकारी दी और बताया कि एक मिग-21 लड़ाकू विमान सोमवार सुबह करीब 09:45 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने सूरतगढ़ में वायु सेना स्टेशन से नियमित परिचालन प्रशिक्षण के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान भरते ही पायलट को ऑनबोर्ड आपात

स्थिति का अनुभव हुआ, जिसके बाद उसने मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार विमान को ठीक करने का प्रयास किया। ऐसा करने में विफल रहने के बाद उन्होंने विमान से सफलतापूर्वक निकासी कर ली। बाद में पायलट को घायल अवस्था में सूरतगढ़ बेस से करीब 25 किलोमीटर उत्तर पूर्व में बरामद किया गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा हनुमानगढ़ जिले के बहलोल नगर स्थित एक घर पर गिरा, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर दो विमानों की लैंडिंग हुई है। एयर फोर्स की दो राहत टीमें मौके पर पहुंची। जिला कलेक्टर रुक्मणि रियार सिहाग भी मौके पर पहुंचीं। भारतीय वायु सेना ने जानमाल के नुकसान पर खेद व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से यू-ट्यूबर मनीष कश्यप को राहत नहीं, जमानत देने से इनकार

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने यू-ट्यूबर मनीष कश्यप के खिलाफ बिहार और तमिलनाडु में दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने या जमानत देने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने तमिलनाडु सरकार की ओर से लगाये गये राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को हटाने पर कोई आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी राहत के लिए हाई कोर्ट का रुख करें। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आप कुछ भी दिखाकर तमिलनाडु जैसे एक स्थिर राज्य में अस्थिरता पैदा नहीं कर सकते हैं। आप राहत के लिए पटना हाई कोर्ट और मद्रास हाई कोर्ट जाने के लिए स्वतंत्र हैं। सुनवाई के दौरान मनीष कश्यप की ओर से वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि एनएसए लगाकर जेल में डाला गया है जबकि दूसरे पत्रकारों द्वारा बहुत से लेख लिखे गए हैं, उन्हें भी जेल में डालना होगा। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने पूछा कि बिहार में जो एफआईआर दर्ज हुई है वो किस घटना को लेकर है। तब बिहार सरकार के वकील ने कहा कि पहली एफआईआर फर्जी वीडियो को लेकर है जबकि दूसरी एफआईआर पटना एयरपोर्ट पर आरोपित के बयान को लेकर है, जो विवादित है। तीसरी एफआईआर हथकड़ी वाले फोटो को लेकर की गई है। बिहार सरकार ने कहा कि ये आदतन अपराधी है। चीफ जस्टिस ने तमिलनाडु सरकार से मनीष कश्यप के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में पूछा। तमिलनाडु सरकार की ओर से वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि आरोपित को तमिलनाडु में दर्ज सभी एफआईआर को एक साथ करने के लिए मद्रास हाई कोर्ट जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनीष कश्यप पत्रकार नहीं है, बल्कि वो एक राजनेता है, जिसने बिहार में चुनाव भी लड़ा था। कोर्ट ने 11 अप्रैल को केंद्र, बिहार और तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया था। 6 अप्रैल को मनीष कश्यप की ओर से पेश वकील ने कहा था कि कई एफआईआर के अलावा उसके खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा

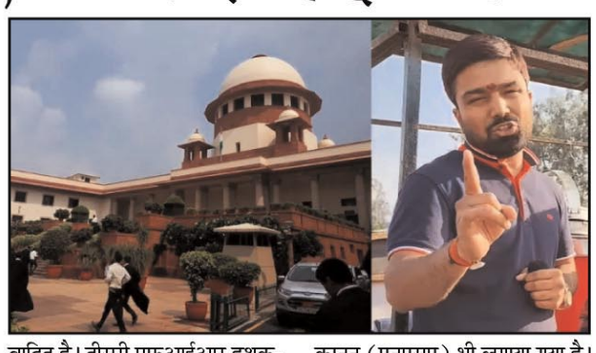

कानून (एनएसए) भी लगाया गया है। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील संजय हेगड़े ने कहा था कि आरोपित को मजिस्ट्रेट के आदेश पर हिरासत में लिया गया है। जब आरोपित न्यायिक आदेश के तहत हिरासत में है तो रिट याचिका पर सुनवाई नहीं की जा सकती है। मनीष कश्यप ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर अंतरिम जमानत दिए जाने और उसके खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज मुकदमों को एक साथ जोड़ने की भी मांग की है। दरअसल, तमिलनाडु में बिहारी मजदूरों पर हमले का फर्जी वीडियो शेयर करने मामले में आरोपित मनीष कश्यप अभी तमिलनाडु पुलिस की हिरासत में है। तमिलनाडु पुलिस की टीम कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट लेकर उसे अपने साथ ले गई थी।

टुकड़े-टुकड़े गैंग के एजेंडे पर काम कर रही है कांग्रेस : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर टुकड़े-टुकड़े गैंग के एजेंडे को बढ़ाने का आरोप लगाया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता व पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भारत की संप्रभुता और अखंडता को लेकर विवादित बयान दिया है। इससे पता चलता है कि कांग्रेस के पास कर्नाटक के विकास का विजन नहीं है। यादव ने कहा कि भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज चुनाव आयोग से मुलाकात कर सोनिया गांधी द्वारा दिए गए बयान से अवगत कराया और कार्रवाई की मांग की है। हमें उम्मीद है कि चुनाव आयोग इस राष्ट्र विरोधी कृत्य के खिलाफ कार्रवाई करेगा। उल्लेखनीय

है कि केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव से साथ भाजपा के मीडिया इंचार्ज अनिल बलूनी और पार्टी नेता तरुण चुग चुनाव आयोग पहुंचकर सोनिया गांधी की शिकायत की है। भाजपा का आरोप है कांग्रेस नेता सोनिया ने अपने बयान में कर्नाटक की संप्रभुता की बात की थी। जबकि संप्रभुता राष्ट्र की होती है। कांग्रेस कर्नाटक को राष्ट्र से 'अलग' मानती है। ऐसे में इनपर कार्रवाई होनी चाहिए।

यौन प्रताड़ना मामले में यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने असम में यौन प्रताड़ना के एक मामले में राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आज श्रीनिवास की ओर से वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए जल्द सुनवाई की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने 15 मई को सुनवाई करने का आदेश

दिया। गौहाटी हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने 4 मई को श्रीनिवास के खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग खारिज कर दी थी। इस मामले में श्रीनिवास की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका भी खारिज हो चुकी है। हाई कोर्ट ने कहा था कि इस तथ्य के कोई सबूत नहीं हैं कि एफआईआर राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। हाई कोर्ट ने कहा था कि जांच अहम मोड़ पर है, ऐसे में अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती है। दरअसल, पूर्व कांग्रेस नेता अंगकिता दत्ता ने श्रीनिवास के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

तथाकथित शराब घोटाला निकला हवा-हवाई : संजय सिंह

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि 6 मई को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट का आदेश आने के बाद पूरी दुनिया के सामने मनगढ़ंत फर्जी शराब घोटाले का सच देश के सामने आ गया है। अब पूरी दुनिया को पता चल गया है कि शराब घोटाले जैसी कोई चीज ही नहीं थी। शराब घोटाले के नाम पर भाजपा ने अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी की छवि खराब करने की एक गहरी साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई ने जांच के दौरान कहा कि 100 करोड़ रुपए की रिश्वत ली गई है। कुछ दिन बाद ईडी-सीबीआई ने कहा कि 100 करोड़ में से 70 करोड़ रुपए का उसके पास कोई साक्ष्य ही नहीं है। ईडी ने 30 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार की झूठी जानकारी अपनी चार्जशीट में रखी। जांच एजेंसी ने कहा कि वेंडर राजेश जोशी को साउथ के शराब कारोबारियों ने 30 करोड़ रुपए की रिश्वत दी। साथ ही इस पैसे को गोवा विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। कई लोगों से पूछताछ की और उन्हें डराया-धमकाया। ईडी ने सारी जांच के बाद कोर्ट के सामने कहा कि आम आदमी पार्टी ने कुल 19 लाख रुपए ही गोवा चुनाव में कैश में खर्च किए हैं। ईडी-सीबीआई का कहना है कि आम आदमी पार्टी दुनिया की अकेली ईमानदार पार्टी है, जिसने गोवा के विधानसभा चुनाव में मात्र 19 लाख रुपए ही कैश में खर्च किए।

तिहाड़ में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या पर जेल प्रशासन को फटकार

- कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट, जेल सुपरिटेंडेंट 25 मई को तलब

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली हाई कोर्ट ने तिहाड़ जेल में गैंगस्टर टिल्लू ताजपुरिया की हत्या पर दिल्ली के जेल प्रशासन को फटकार लगाई है। जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने कहा कि ये समझ से परे है कि जेल प्रशासन ने ऐसी घटना को रोकने के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया। कोर्ट ने तिहाड़ जेल से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तिथि को जेल सुपरिटेंडेंट को भी पेश होने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 25 मई को होगी। हाई कोर्ट ने इस घटना में चूक के जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय कर बताने को भी कहा है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वो टिल्लू के पिता और भाई को सुरक्षा देने पर विचार करे। याचिका टिल्लू ताजपुरिया के पिता और भाई ने दायर की है। याचिका में टिल्लू की 2 मई को तिहाड़ जेल में की गई हत्या की सीबीआई जांच की मांग की गई है। सीसीटीवी फुटेज में टिल्लू पर छह लोग कई वार करते देखे गए हैं। सीसीटीवी फुटेज में ये भी है कि जब टिल्लू को बाहर ले जाया जा रहा था, तो पुलिसकर्मियों के सामने हमलावरों ने उसे दोबारा पीटा। सुनवाई के दौरान तिहाड़ जेल की ओर से पेश वकील राहुल त्यागी ने कहा कि टिल्लू ताजपुरिया की हत्या एक गैंगवार का नतीजा है। इस मामले की जांच स्पेशल सेल को सौंपी गई है।

भारत-कनाडा के बीच एफटीए पर अब तक हुई बातचीत की समीक्षा करेंगे गोयल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और कनाडा के व्यापार मंत्री प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रही वार्ता की समीक्षा करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल एफटीए पर प्रस्तावित बातचीत लिए कनाडा के दौरे पर हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पीयूष गोयल अपने कनाडाई समकक्ष मैरी एनजी के साथ प्रस्तावित एफटीए की समीक्षा करने के साथ ही इस दौरान दोनों नेता आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर भी चर्चा करेंगे। बयान के मुताबिक पीयूष गोयल के साथ मैरी एनजी

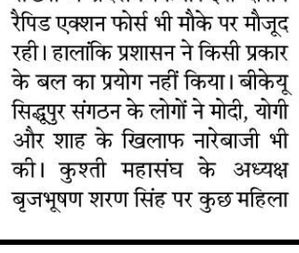

ओटावा में छठी भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय वार्ता (एमडीटीआई) के लिए चर्चा की सह-अध्यक्षता करेंगी। एमडीटीआई एक द्विपक्षीय तंत्र है, जो व्यापार एवं निवेश संबंधी मुद्दों और सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा के लिए संस्थागत व्यवस्था मुहैया कराता है। मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच होने वाली चर्चा द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने, हरित रूपांतरण सहित विभिन्न विषयों पर केंद्रित होगी। इस दौरान दोनों नेता भारत-कनाडा सीईपीए (व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता) पर जारी वार्ता की समीक्षा भी करेंगे। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एफटीए पर बातचीत लिए 8 से 11 मई तक कनाडा के आधिकारिक यात्रा पर हैं। कनाडा की अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निर्यात संवर्धन, लघु व्यवसाय और आर्थिक विकास मंत्री मैरी एनजी भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की मेजबानी करेंगी।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों के समर्थन में पहुंचे किसान, किया हंगामा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को किसानों का समर्थन मिला है। आज किसान बड़ी संख्या में जंतर-मंतर पहुंचे हैं। इस दौरान किसानों ने वहां पर लगे बैरिकेड्स को भी गिरा दिया और खिलाड़ियों के बीच पहुंच गए। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) से जुड़े एक पदाधिकारी ने कहा कि पहलवानों के समर्थन में किसान संगठन से जुड़े लोग आज जंतर-मंतर आए पहुंचे हैं। किसान संगठन देश के खिलाड़ियों के साथ हैं। किसान संगठन भी चाहते हैं कि बृजभूषण शरण सिंह को सभी पदों से हटाया जाए और उनकी फौरन गिरफ्तारी हो। इसी बीच जंतर-मंतर पर किसानों ने आक्रोश का प्रदर्शन

भी किया। बीकेयू सिद्धूपुर संगठन के किसानों ने बैरिकेड तोड़कर बड़ी संख्या में प्रदर्शन किया। इस दौरान रैपिड एक्शन फोर्स भी मौके पर मौजूद रही। हालांकि प्रशासन ने किसी प्रकार के बल का प्रयोग नहीं किया। बीकेयू सिद्धूपुर संगठन के लोगों ने मोदी, योगी और शाह के खिलाफ नारेबाजी भी की। कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर कुछ महिला पहलवानों ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। ऐसे में सिंह को सभी पदों से हटाने के लिए खिलाड़ी बीते कुछ दिनों से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इन खिलाड़ियों के समर्थन में अब किसान संगठन भी एकत्र हो रहे हैं। एसकेएम से जुड़े लोगों का कहना है कि अगर खिलाड़ियों की बात नहीं मानी गई तो किसान संगठन देशव्यापी आंदोलन करेंगे।

रक्षा मंत्री ने भारत का पहला वायु सेना हेरिटेज सेंटर राष्ट्र को समर्पित किया

- विभिन्न युद्धों में वायु सेना की यादगार भूमिका को भित्ति चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया
- चंडीगढ़ प्रशासन और वायु सेना के बीच स्थापना के लिए पिछले साल किए गए थे हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को चंडीगढ़ में भारत का पहला वायु सेना हेरिटेज सेंटर राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र उन सभी के साहस और समर्पण का वसीयतनामा है, जिन्होंने भारतीय वायु सेना में सेवा कर राष्ट्र की रक्षा में अमूल्य योगदान दिया है। यह अद्भुत पहल भारतीय वायु सेना की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के साथ युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी। इस केंद्र में पाकिस्तान के साथ 1965, 1971 और कारगिल युद्ध, बालाकोट हवाई हमले सहित विभिन्न युद्धों में भारतीय वायु सेना की यादगार भूमिका को भित्ति चित्रों के माध्यम से दशार्या गया है। 17000 वर्ग फुट में फैला यह सेंटर देशवासियों के लिए बड़ा आकर्षण होगा। इस हेरिटेज सेंटर की स्थापना केंद्र शासित प्रदेश

चंडीगढ़ और भारतीय वायुसेना के बीच एक समझौता ज्ञापन के तहत की गई है, जिस पर पिछले साल हस्ताक्षर किए गए थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हेरिटेज सेंटर के मुख्य हाल का उद्घाटन करने के बाद हेरिटेज म्यूजियम का दौरा किया। उन्होंने पार्किंग एरिया में लगाए मिग-21 के कॉकपिट पर बैठकर जायजा लिया। इसके बाद वे हेरिटेज सेंटर के लॉन एरिया में बनाई सोवेनियर शॉप को भी देखा और एचपीटी-32 एयरक्राफ्ट का जायजा लिया। उन्होंने एयरक्राफ्ट मिग-23 के साथ फोटो सेशन में भी हिस्सा लिया। इसके बाद यहीं से शहर को तीन अलग-अलग प्रोजेक्टों की सौगात दी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीवी चौधरी ने इस हेरिटेज सेंटर की प्रगति की समीक्षा करने के लिए पिछले महीने दौरा किया था। अधिकारियों ने कहा कि यह भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत होगा जो भारतीय वायु सेना की अदम्य भावना को प्रदर्शित करेगा। इस मौके पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित, एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और चंडीगढ़ की सांसद किरण खेर भी मौजूद थीं।

सरकार ले रही हाउस टैक्स, जनता को नहीं मिल रहीं सुविधाएं : अखिलेश यादव

- अलीगढ़ में सपा अध्यक्ष ने रोड शो में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में मांगा वोट

लखनऊ, (हि.स.)। सीवेज सिस्टम नहीं है अभी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट कैसे होगा, उसका कोई रास्ता नहीं है। हाउस टैक्स सरकार ले रही है उसके बावजूद जो सुविधाएं मिलनी चाहिए, वह नहीं दे पा रही है। यह बातें सोमवार को अलीगढ़ दौरे पर पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कही। नगर निकाय चुनाव-2023 के अंतर्गत अखिलेश यादव पार्टी महापौर उम्मीदवार हाजी जमीर उल्लाह समेत सभी उम्मीदवारों के लिए जन समर्थन जुटाने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एक होटल में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार ने बिजली का एक भी कारखाना लगाया हो तो बताएं? जो समाजवादी सरकार में कारखाना लगा भी था, उससे बनने वाली बिजली को भी महंगे रेट पर खरीदने दे रहे हैं। सपा अध्यक्ष ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी-आपकी जिम्मेदारी है कि ऐसे लोगों को ताले में बंद कर दो, जो बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सिद्धांत और उनके संविधान, उनके बताए हुए रास्ते को बदल रहे हैं। इससे पूर्व अखिलेश यादव ने अलीगढ़ पहुंचकर महापौर उम्मीदवार हाजी जमीर उल्लाह समेत पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ 11 मई को होने वाले द्वितीय चरण में मतदान से पूर्व रोड शो किया। इस दौरान वाहन पर बैठकर निकले अखिलेश को देखने के लिए अपार भीड़ सड़कों पर निकल आई। उन्होंने जनता से चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा। रोड शो केबीएस ट्रेडर्स से अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सैनेटरी गेट होते हुए शहर के कई इलाकों से गुजरा। उन्होंने भाजपा की नीतियों और झूठे वादों और महंगाई के खिलाफ वोट करने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी के आगमन पर बांदा शहर में 7 घंटे तक रहेगा यातायात डायवर्जन

बांदा, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों के समर्थन में मंगलवार को राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक यातायात को डायवर्जन किया है। जरैली कोठी से महाराणा प्रताप चौक व कालूकुआं से महाराणा प्रताप चौराहा की ओर आने वाले सभी वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वहीं महोबा, फतेहपुर, हमीरपुर, चित्रकूट और नरैनी अतर्रा मटौंध की तरफ से आने वाले सभी वाहन बुंदेलखंड एक्सप्रेस से होकर गुजरेंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि जरैली कोठी से महाराणा प्रताप चौराहा व कालू कुआं से महाराणा प्रताप चौराहा की ओर आने वाले सभी वाहन, कचहरी चौराहा से महाराणा प्रताप चौराहा व मवई बाईपास चौराहा से महाराणा प्रताप चौराहा की ओर आने वाले वाहन, बस स्टैण्ड से कालूकुआं एवं बाबूलाल चौराहा की तरफ आने वाले रूट पर वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। इसी तरह महोखर बाईपास चौराहा से कालूकुआं चौराहा की तरफ आने वाले रूट पर, वाहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। जनपद महोबा की तरफ से अतर्रा, नरैनी, चित्रकूट की ओर जाने वाले वाहन भूरागढ़ बाईपास से मवई बाईपास होते हुए बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से आगे जाएंगे। जनपद फतेहपुर की तरफ से मटौंध, अतर्रा, नरैनी, चित्रकूट की ओर जाने वाले वाहन ग्राम मवई के पहले से बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से होकर आगे जाएंगे। जनपद हमीरपुर चिल्ला रोड से मटौंध, अतर्रा, नरैनी, चित्रकूट की ओर जाने वाले वाहन ग्राम मवई के पहले से बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से होकर आगे जाएंगे। इसी तरह जनपद चित्रकूट की ओर से मटौंध,तिन्दवारी की ओर जाने वाले वाहन कस्बा अतर्रा से बिसण्डा रोड पर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से होकर आगे जाएंगे, जबकि नरैनी से अतर्रा, मटौंध, तिन्दवारी, बबेरु की ओर जाने वाले वाहन कस्बा तरफ से बिसण्डा रोड पर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे से होकर आगे जाएंगे। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कार्यक्रम में आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग एवं यातायात प्रबन्ध अलग से किये गए हैं, जो इस प्रकार हैं-अतर्रा व नरैनी की तरफ से आने वाले भारी वाहन (बसें) कालू कुआं ब्रिज पर कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों को उतारकर मण्डी समिति में वाहनों को पार्क करेंगे तथा सभी आगंतुक बस स्टैण्ड होते हुए जीआईसी ग्राउंड कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। मटौंध, पैलानी, बबेरु व बिसण्डा की ओर से आने वाले भारी वाहन (बसें आदि) आरटीओ तिराहा बबेरु रोड से कालूकुआं चौराहे पर आगन्तुकों को उतारकर वाहन मंडी समिति में पार्क करेंगे तथा आगन्तुक कालूकुआं ब्रिज होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। कार्यक्रम में छोटे वाहनों से आने वाले आगन्तुकों के वाहन कालू कुआं ब्रिज होते हुए रोजवेज बस स्टैण्ड से डायट ग्राउंड, जीआईसी हॉस्टल ग्राउंड, तहसील, रोडवेज वर्कशॉप, रेलवे स्टेशन गेट नं0-2 परिसर व पं.जे.एन. इण्टर कॉलेज में वाहन पार्क करेंगे। कालूकुआं चौराहा से कार्यक्रम स्थल पर आने वाले आगन्तुकों के छोटे वाहन श्रीजी कॉलोनी स्मार्ट प्वॉइंट मॉल के सामने (समाजवादी पार्टी कार्यालय) में तथा देवदत्त त्रिपाठी के हाता में पार्क होंगे। इसी तरह 12 बजे के बाद कालू कुआं से महाराणा प्रताप चौराहा की तरफ वाहन व आगन्तुक पूर्णरूप से प्रतिबन्धित रहेंगे तथा बसें, छोटे वाहन आगन्तुकों को कालूकुआं ब्रिज से बस स्टैण्ड पर उतारकर वाहन केन नदी मूर्ति विसर्जन मैदान में पार्क करेंगे।

नगरीय निकाय चुनाव में मतदान से लेकर मतणगना तक रहेगी चाक-चौबंद व्यवस्था

मेरठ, (हि.स.)। नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होगा। मतदान से लेकर मतगणना तक जिला प्रशासन ने पुख्ता व्यवस्था की है। मतदाताओं की सुविधा के लिए वोटर पर्ची घर-घर पहुंचाई जाएगी। किसी भी प्रकार की शिकायत सुनने के लिए कंट्रोल रूम में अधिकारियों को तैनात किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक मीणा ने बताया कि चुनाव से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए कलक्ट्रेट स्थित बचत भवन में कंट्रोल रूम बनाया गया है। कंट्रोल रूम में 24 घंटे कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कंट्रोल रूम की निगरानी के लिए अधिकारियों को भी जिम्मेदारी दी गई है। 13 मई तक कंट्रोल रूम काम करेगा। मेरठ नगर निगम में एक महापौर, 90 पार्षद, दो नगर पालिका मवाना और सरधना में अध्यक्ष और सभासद, 13 नगर पंचायतों में अध्यक्ष व सभासद के लिए चुनाव होगा। 503 पोलिंग स्टेशनों के 1480 बूथों पर 1609831 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मेरठ नगर निगम में ईवीएम के जरिए चुनाव होगा,जबकि नगर पालिका और नगर पंचायत में बैलेट पेपर से चुनाव होगा। नगरीय निकाय चुनाव के लिए 57 निर्वाचन अधिकारी, 89 सहायक निर्वाचन अधिकारी, 38 जोनल मजिस्ट्रेट और 154 सैक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मेरठ नगर निगम की मतगणना परतापुर स्थित कताई मिल में होगी। नगर पंचायत खरखौदा और सिवालखास की मतगणना मेरठ तहसील में होगी। मवाना नगर पालिका, नगर पंचायत किठौर, शाहजहांपुर, परीक्षितगढ़, हस्तिनापुर, फलावदा, बहसूमा की मतगणना कृषक इंटर कॉलेज मवाना में होगी। सरधना नगर पालिका, नगर पंचायत लावड़ दौराला, हर्रा, खिवाई, करनावल की मतगणना सेंट चार्ल्स इंटर कॉलेज सरधना में जमा होगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए बीएलओ घर-घर जाकर मतदान पर्ची देंगे। मतदाताओं को पर्ची मिलने में किसी भी तरह की परेशानी होने पर कंट्रोल में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने 11 मई मतदान के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस दिन सभी सरकारी और निजी कार्यालय बंद रहेंगे। संवेदनशील, अतिसंवेदनशील और अतिसंवेदनशील प्लस मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहेंगे।

भाजपा ने 13 बागियों को पार्टी से निष्कासित किया

एटा, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त 13 बागियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। जिलाध्यक्ष संदीप जैन की ओर से इसकी पुष्टि करते हुए बताया गया कि निकाय चुनाव में पार्टी ने अपने अधिकृत उम्मीदवार उतारे हैं। जबकि कुछ लोग पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता और पदाधिकारी होने के बावजूद उन्होंने उम्मीदवारों के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। ऐसे 13 लोगों को चिन्हित करते हुए छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित किया गया है। इसके साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि बागियों का समर्थन करने वाले पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। निष्कासित नेताओं में नगर पालिका जलेसर से गौरी वर्मा, संजीव वर्मा, नगर पंचायत निधौली कलां से शिखा गुप्ता मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा, विशांत गुप्ता मोनी, राम किशन वर्मा मंडल उपाध्यक्ष, नगर पंचायत जैथरा से विवेक गुप्ता, गौरव राठौर जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा, नगर पंचायत राजा का रामपुर से सुनीता, आशाराम, नगर पंचायत आवागढ़ मुन्नालाल गुप्ता, नगर पंचायत मिरहची लक्ष्मी उपाध्याय, सर्वेश उपाध्याय तथा राकेश कुमार वर्मा शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा से टिकट न मिलने के कारण निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उतरे बागी उम्मीदवार भाजपा के लिए चुनौती बने हुए हैं।

सपा का एक ही नारा खाली प्लाट हमारा - बृजेश पाठक

सोनभद्र, (हि.स.)। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सोमवार को राबर्ट्सगंज के आरटीएस क्लब में नगर निकाय की एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी का एक ही नारा था, खाली प्लाट हमारा। जहां भी कोई प्लाट खाली मिले, सपा के लोग कब्जा कर लेते थे और आम जनमानस को परेशान करते थे। जनसभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन काल में सपा के कार्यकर्ता आमजन की खाली पड़ी जमीनों पर आंख गड़ाये बैठे रहते थे और जैसे ही मौका मिलता था, कब्जा कर लेते थे। वर्तमान में योगी सरकार में किसी की भी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने की किसी में हिम्मत नहीं है। जबसे भाजपा की सरकार आयी है और योगी मुख्यमंत्री बने हैं, तब से गुंडा माफिया की हिम्मत पस्त हो गई है। उत्तर प्रदेश के प्रति जो लोगों में यह भावना थी कि यहां गुंडा, माफिया हावी हैं, वह बदल चुकी है। अब जनता निर्बाध रूप से जीवन बसर कर रही है। किसी प्रकार का कोई भय नहीं है। पाठक ने कहा कि देश में उपयोग में आने वाले 65 प्रतिशत मोबाइल उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश का नंबर एक प्रदेश बन चुका है। एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि उप्र में सड़कों की स्थिति काफी अच्छी हो गई है। साथ ही बिजली की आपूर्ति ज़िला मुख्यालयों पर 24 घंटे हो रही है। गावों में भी भरपूर बिजली दी जा रही है। प्राथमिक विद्यालयों में सपा शासन के एक करोड़ बच्चों की तुलना में वर्तमान में 1.92 करोड़ बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। उप मुख्य मंत्री ने कहा कि 2014 में देश में मोदी और 2017 में प्रदेश में योगी की सरकार आने के बाद बहुत कुछ बदल चुका है। पाठक ने कहा कि 2014 में विश्व के देशों में हमारा देश भ्रष्टाचार की सूची में बहुत ऊपर था लेकिन देश की छवि को बदलने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अनेक देशों का भ्रमण कर भारत की छवि को सुधारा और वर्तमान में अपना देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। 2047 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने देश और प्रदेश में संचालित आयुष्मान योजना, हर गरीब को पक्का मकान, विंध्याचल और बुंदेलखंड में हर घर जल, किसान सम्मान निधि, 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न आदि योजनाओं का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि एक तरफ चाइना में कोरोना से अभी भी हाहाकार मचा हुआ है। दूसरी तरफ अपने देश में लगवाये गये वेक्सीन के कारण लोग राहत की सांस ले रहे हैं। हम सब बिना मास्क के घूम रहे हैं। अंत में उन्होंने ज़िले की एक मात्र नगर पालिका और नौ नगर पंचायतों के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में वोट देने की अपील की।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने सुनाई दास्तान, जमीन विवाद की वजह से उठाए हथियार

रांची, (हि.स.)। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी के कौलेश्वरी जोन के सब-जोनल कमांडर दस लाख के इनामी अमरजीत यादव जमीन विवाद को लेकर नक्सली बना था। उसके रिश्तेदार (गोतिया) ने उसकी जमीन हड़पने की फिराक में थे। नक्सली ने सोमवार को सरेंडर करने के बाद कहा कि भाकपा माओवादी संगठन के कमांडर प्रताप दास के जरिये वह संगठन में 2006 में शामिल हुआ। संगठन में शामिल होते ही रिश्तेदारों ने उसकी जमीन वापस लौटा दी। बिहार के गया जिले के बाराचट्टी के रहने वाले अमरजीत यादव के संगठन में सक्रिय रूप से काम करने और ग्रामीणों को संगठन में जोड़ने से संगठन मजबूत हो गया। इसके कार्य को देखते हुए 2006 में ही उसे एरिया कमांडर की जिम्मेवारी दी गयी। वर्ष 2008 में उसे सब-जोनल तथा 2021 में अमरजीत को कौलेश्वरी जोन का जोनल कमांडर और सचिव बनाया गया। इसी तरह सरेंडर करने वाला सब-जोनल कमांडर सहदेव यादव चतरा के राजपुर का रहने वाला है। वह भी जमीन विवाद को लेकर संगठन में शामिल हुआ। संगठन में शामिल होते ही उसके रिश्तेदार उसका जमीन वापस लौटा दिये। सहदेव भी वर्ष 2006 में ही संगठन से जुड़ा था। सरेंडर करने वाला सब-जोनल कमांडर नीरु यादव बिहार के गया जिले के बाराचट्टी का रहने वाला था। वह भी जमीन विवाद की वजह से वर्ष 2004 में संगठन में शामिल हुआ। सरेंडर करने वाला पांचवें नक्सली दस्ता सदस्य अशोक बैगा चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह भी जमीन विवाद को लेकर 2023 में भाकपा माओवादी संगठन से जुडा। सरेंडर करने वाले सब-जोनल कमांडर संतोष भुईंया चतरा जिले के प्रतापपुर का रहने वाला है। वह भाकपा माओवादी के रीजनल कमेटी सदस्य इंदल गंझू के बहकावे में आकर संगठन से 2017 में शामिल हुआ।

हाईकोर्ट में निवर्तमान पार्षदों की याचिका पर नहीं हो पायी सुनवाई

रांची, (हि.स.)। नगर निगम चुनाव कराने के लिए दायर याचिका पर हाई कोर्ट में आज सुनवाई टल गयी। यह मामला सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की कोर्ट में सूचीबद्ध था लेकिन किसी कारण वश इस मामले की सुनवाई नहीं हो पायी। अब अदालत निवर्तमान पार्षदों की याचिका पर सुनवाई के लिए कौन सी तिथि निर्धारित करता है, यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा। नगर निगम चुनाव कराने और चुनाव होने तक निवर्तमान पार्षदों को अवधि विस्तार देने के लिए झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी है। रांची नगर निगम की निवर्तमान पार्षद रोशनी खलखो, विनोद सिंह, सुनील यादव, अरुण झा एवं अन्य ने इस संबंध में रिट याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि नगर निगम के पार्षदों का कार्यकाल समाप्त हो गया है। पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के पहले ही सरकार को चुनाव कराना चाहिए, म्यूनिसिपल एक्ट की धारा 20 में भी इसका उल्लेख है। नगर निगम का चुनाव नहीं होने से कई काम प्रभावित हो रहे हैं। जनता से जुड़े सारे कार्य अधिकारियों के जिम्मे सौंप दिये गये हैं। सरकार के इस फैसले से लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

रिम्स के सुरक्षा प्रभारी बनाए गए ब्रजेश कुमार, 12 पुलिसकर्मियों का तबादला

रांची, (हि. स.)। रांची के एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार देर रात 12 पुलिस अधिकारियों का तबादला किया है। इस संबंध में एसएसपी की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। सभी पुलिसकर्मियों को जल्द योगदान देने को कहा गया है। अनगड़ा थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार को रिम्स का सुरक्षा प्रभारी बनाया गया है।

जबकि रिम्स के सुरक्षा प्रभारी नवीन कुमार को अनगड़ा थाना प्रभारी बनाया गया है। नामकुम थाना में पदस्थापित पुलिस अधिकारी आकाश भारद्वाज को खादगढ़ा टीओपी प्रभारी बनाया गया है। साथ ही खादगढ़ा टीओपी प्रभारी सतीश बरनवाल को सोनाहातु थाना प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार पंडरा ओपी प्रभारी चंद्रशेखर को पुलिस केंद्र, बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता को पुलिस केंद्र, मुरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार को नामकुम थाना, सुखदेव नगर थाना में पदस्थापित विपुल कुमार ओझा मुरी ओपी प्रभारी, सोनाहातू थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेंब्रम को बेड़ो थाना प्रभारी, नामकुम थाना में पदस्थापित शिव नारायण तिवारी को पंडरा ओपी प्रभारी, इटकी थाना प्रभारी रजनी रंजन को सुखदेव नगर थाना और तमाड़ थाना में पदस्थापित अमित प्रशांत को इटकी थाना प्रभारी बनाया गया है।

संपूर्ण भारत में एक देश एक मजदूरी लागू होः कमलेश

किशनगंज, (हि.स.)। अनिश्चितकालीन अनशन का आज सोमवार को सातवां दिन है। ट्रस्ट के प्रदेश सलाहकार एडवोकेट कमलेश कुमार ने वर्तमान सरकार से अपील की है कि संगठन के उक्त मांगो को अति शीघ्र लागू किया जाए। ताकि सभी मजदूर को पर्याप्त मजदूरी मिले जिससे वह अपने परिवार के सदस्यो का भरण पोषण कर सके। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं आशीर्वाद से लगातार हम मजदूरों के हक की लड़ाई सरकार से लड़ पा रहे हैं। प्रदेश सलाहकार अधिवक्ता कमलेश कुमार ने सभी सीमांचल वासियों एवं बुजुर्ग, युवाओं से आवाहन किया कि आप लोग भी इस गरीब मजदूरों की आवाज को उठाने का कार्य करें साथ ही आप लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में एकत्रित होकर अनशन में अपना योगदान देने का कार्य करें और हमें गौरवान्वित करें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ मजदूरों की नहीं बल्कि हमारे देश में रह रहे उन नागरिकों की है जो सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजना से वंचित हैं, वह मजदूर जो हमारे लिए दिन रात अपने शारीरिक बल से मेहनत कर हमारी जरूरतों को पूरा करते हैं, वह चाहे खाने की वस्तुएं हो या फिर मनुष्य के पहनने की वस्तुएं, साथ ही हम लोग जिन घरों में रह रहे हैं उसमें भी मजदूरों का विशेष योगदान है, सुबह उठने के बाद जब हम लोग न्यूज पेपर का इंतजार करते हैं। वह भी हमारे मजदूरों की देन है, अगर देश में मजदूर नहीं होंगे तो कोई भी काम संभव नहीं है। इस कृमिक अनशन में भारतीय समृद्धि विकास कल्याण संगठन ट्रस्ट बिहार के डॉ अभिषेक कुमार शर्मा, राजीव कुमार शर्मा, मुंशी अफताफ आलम अंसारी उर्फ गुड्डू, जनेसार आलम, पप्पू गुप्ता, कमाल अंसारी, इजहार अंसारी, राजीव केशरी, नूर आलम, मो० बब्बन सहित अन्य लोग उपस्थिति रहे।

बरौनी रिफाइनरी में "उर्जा संरक्षण-नेट जीरो की ओर" विषय पर साइक्लोथॉन

बेगूसराय, (हि.स.)। पेट्रोलियम उत्पादों और ऊर्जा संरक्षण पर केन्द्रित "उर्जा संरक्षण-नेट जीरो की ओर" सक्षम महोत्सव 2023 के तहत आज बरौनी रिफाइनरी में ऊर्जा संरक्षण का संदेश देते हुए साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख ने रिफाइनरी आर.के. झा ने टाउनशिप स्टेडियम से झंडी दिखाकर शुभारंभ एवं रैली का नेतृत्व भी किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) जी.आर.के. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (टीएस एवं एचएसई) एस.जी. वेंकटेश, आईओओए के सीईसी पीयूष कुमार राय एवं बीटीएमयू के डीजीएस रजनीश रंजन सहित अन्य उपस्थित थे। वरिष्ठ प्रबंधक (कॉर्पोरेट संचार) अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि टाउनशिप निवासियों, महिलाओं और बच्चों ने भी साइकिल रैली में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इससे पूर्व सक्षम पखवाड़ा के तहत बीआर डीएवी एवं केंद्रीय विद्यालय आईओसी के बच्चों के लिए ऑफिसर्स क्लब "तरंग" में सामूहिक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम वर्ग से 12वीं कक्षा तक के 12 सौ से अधिक छात्रों ने भाग लिया और "ऊर्जा संरक्षण से नेट जीरो की ओर" पर अपने विचार प्रदर्शित किए। टाउनशिप के निवासियों के लिए एक पीयूसी शिविर भी आयोजित किया गया। जिसमें एक सौ से अधिक वाहन मालिक शिविर से लाभांवित हुए। टीम बरौनी रिफाइनरी ने केंद्रीय विद्यालय में कक्षा छह से 12वीं तक के बच्चों के लिए उनके दैनिक जीवन में ऊर्जा संरक्षण के लिए विभिन्न कदमों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया था। गृहिणियों को ऊर्जा संरक्षण अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से ऑफिसर्स क्लब में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम-सह-क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें एक सौ से अधिक पति-पत्नी ने भाग लिया।

मानवीय संस्थान रेडक्रॉस की पूरे विश्व में स्थापित पहचान : एसपी सुशील कुमार

मधुबनी, (हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित रेडक्रास अस्पताल परिसर में सोमवार को स्थापना दिवस मनाया गया।अवसर पर एसपी सुशील कुमार व सदर एसडीओ अश्वनी कुमार ने हेनरी ड्युनेन्ट के तैल चित्र पर मल्यापर्ण किया।प्रभारी डा गिरीश पाण्डेय के संयोजन में आयोजित रेडक्रॉस दिवस पर शहर के गणमान्य लोग उपस्थित हुए। कार्यक्रम में रेडक्रास अस्पताल को सुदृढ व पूर्ण सेवा करने को नए सदस्य बनाने का वचन दोहराया गया। सोमवार को मधुबनी रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष सह मुख्य अतिथि एसपी सुशील कुमार व विशिष्ट अतिथि सदर एसडीओ अश्वनी कुमार द्वारा मल्यापर्ण कर रेडक्रॉस दिवस मनाया। सेवा करने और नए सदस्य बनाने का प्रण लिया गया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस के सचिव डा गिरीश पाण्डेय ने इसके महत्व को बताया। मधुबनी रेडक्रॉस के उपाध्यक्ष सह मुख्य अतिथि एसपी सुशील कुमार व विशिष्ट अतिथि सदर एसडीओ अश्वनी कुमार ने जिन हेनरी डूऑनट के मूर्ति पर मल्यापर्ण किया। एसपी सुशील कुमार ने कहा की रेडक्रॉस एक मानवीय संस्था है। पूरे विश्व में इसकी एक अलग अंतरराष्ट्रीय पहचान है। रेडक्रॉस मानवों के बीच आपदा और राहत में सदैव तत्पर रहने वाली संस्था है। देश के सुदूर इलाके और अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक पड़ने वाले मधुबनी जिले में इसने हमेशा आगे बढ़कर काम किया है। रेडक्रॉस के सचिव डॉ गिरीश पाण्डेय ने कहा कि 8 मई 1928 को जिन हेनरी ड्यूनेन्ट जन्म हुआ था। स्विस व्यापारी और सामाजिक कार्यकर्ता, रेड क्रॉस के संस्थापक थे। नोबल शांति पुरस्कार के पहले प्राप्तकर्ता भी थे। उनके जन्मदिवस पर रेडक्रॉस दिवस के रूप में हम मनाते हैं। 1859 में एक व्यापार यात्रा के दौरान, ड्यूनेन्ट आधुनिक इटली में सॉलफेरिन की लड़ाई के गवाह थे। यात्रा के क्रम में उन्होंने युद्ध में कई घायको को देखा और उनका सेवा किया। जिसके बाद उन्हें इस तरह की संस्था की पूर्णकालिक रूप से चलाने की आवश्यकता महसूस हुई।

संपादकीय

आतंकवाद का प्रवक्ता

पाकिस्तान आतंकवाद का बढ़ावा देने वाला, हिमायती और प्रवक्ता देश है। आतंकवाद और उसके वित्त-पोषण को तुरंत रोका जाना चाहिए। सीमापार आतंकवाद समेत उसके सभी स्वरूपों को खत्म किया जाना चाहिए। आश्चर्य है कि जब दुनिया कोविड-19 वैश्विक महामारी और उसके चौतरफा प्रभावों से जूझ रही थी, उनसे निपटने में लगी थी, तब भी आतंकवाद ज्यों का त्यों बरकरार रहा। आतंकवाद की अनदेखी करना 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के सदस्य-देशों के सुरक्षा-हितों के लिए हानिकारक होगा, लिहाजा आतंकवाद के खिलाफ कारगर कार्रवाई के लिए आपसी सहमति, सहयोग और एकजुटता अनिवार्य है। बेशक मंच एससीओ का था, लेकिन ऐसा आभास हो रहा था मानो भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पूरी दुनिया को संबोधित कर रहे थे और आतंकवाद के प्रति आगाह कर रहे थे। जयशंकर को इतने सख्त लहजे में बोलते हुए हमने कभी नहीं सुना। उन्होंने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को परोक्ष रूप से 'आतंकवाद के उद्योग का प्रवक्ता' करार दे दिया। बिलावल ने विदेश मंत्री के तौर पर पहली बार एससीओ देशों की बैठक में शिरकत की थी। बिलावल ने कहा कि आतंकवाद को कूटनीति से अलग रखा जाना चाहिए। अलबत्ता उन्हें मजबूरन यह बोलना पड़ा कि हमारे लोगों की सामूहिक सुरक्षा हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है। आतंकवाद वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कश्मीर, अनुच्छेद 370 और जी-20 देशों की बैठक का मुद्दा उठाया, तो हमारे विदेश मंत्री जयशंकर ने साफ जवाब दिया कि अनुच्छेद 370 अब 'इतिहास' है। जी-20 की बैठक से पाकिस्तान का कोई लेना-देना नहीं है और अब पाकिस्तान यह बताए कि वह अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को कब खाली करेगा? एससीओ में भारत समेत चीन, रूस, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, कजाख़स्तान और पाकिस्तान आदि कई देश सदस्य हैं। फिलहाल भारत इस संगठन की अध्यक्षता कर रहा है और गोवा में सदस्य-देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक थी। अब रक्षा मंत्रियों की भी बैठक होनी है। भारत ने साझा घोषणा-पत्र के लिए जो प्रस्ताव दिए हैं, उनमें आतंकवाद समेत मोटे अनाज, ऊर्जा, भोजन, उर्वरक, जलवायु परिवर्तन आदि मुद्दे भी हैं। जुलाई में आयोजित शिखर सम्मेलन में इन देशों के जो राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नई दिल्ली आकर शिरकत करेंगे, उन्हें कमोबेश आतंकवाद पर निर्णायक घोषणा करनी चाहिए। अलबत्ता आतंकवाद संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक मंचों पर उठाया जाता रहा है, लेकिन परिभाषा तक तय नहीं की जा सकी है। ऐसा पाकिस्तान को कई बार गरियाया जा चुका है कि आतंकवाद के अपराधी और पीड़ित साथ-साथ नहीं बैठ सकते। बात करना तो दूर की कौड़ी है। भारत 2008 के बाद से पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं कर रहा है, लेकिन कूटनीतिक संबंध जारी हैं। हालांकि दोनों देशों के बीच कारोबार भी नगण्य है। यदि बेहतर रिश्ते होते, तो पाकिस्तान की जनता को आटे-रोटी के लिए सडक़ों पर उतरना नहीं पड़ता। रोजी के लिए तड़पना नहीं पड़ता। भारत ने श्रीलंका समेत कई देशों की आर्थिक और खाद्यान्न मदद की है, तो पाकिस्तान की भी कर सकता था। हमने दुनियावी मंचों पर पाकिस्तान को 'आतंकीस्तान' घोषित किया है। अब नए विशेषण भी दिए गए हैं, लेकिन बीते 15 दिनों में कश्मीर में हमारे 10 जांबाज सैनिक भी 'शहीद' हुए हैं। जब शहीद का शव उसके घर-आंगन में पहुंचता है और नौजवान बच्चे की बंद आंखें देखते हैं, तो परिजनों का ही नहीं, गांव-समाज का कलेजा फट जाता है। इन त्रासदियों को कम किया जाना चाहिए। आतंकवाद ही बुनियाद है, तो पाक से रिश्ते कैसे हो सकते हैं?

> आतंकवाद की अनदेखी करना 'शंघाई सहयोग संगठन' (एससीओ) के सदस्य-देशों के सुरक्षा-हितों के लिए हानिकारक होगा, लिहाजा आतंकवाद के खिलाफ कारगर कार्रवाई के लिए आपसी सहमति, सहयोग और एकजुटता अनिवार्य है। बेशक मंच एससीओ का था, लेकिन ऐसा आभास हो रहा था मानो भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पूरी दुनिया को संबोधित कर रहे थे और आतंकवाद के प्रति आगाह कर रहे थे। जयशंकर को इतने सख्त लहजे में बोलते हुए हमने कभी नहीं सुना। उन्होंने पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को परोक्ष रूप से 'आतंकवाद के उद्योग का प्रवक्ता' करार दे दिया। बिलावल ने विदेश मंत्री के तौर पर पहली बार एससीओ देशों की बैठक में शिरकत की थी। बिलावल ने कहा कि आतंकवाद को कूटनीति से अलग रखा जाना चाहिए। अलबत्ता उन्हें मजबूरन यह बोलना पड़ा कि हमारे लोगों की सामूहिक सुरक्षा हमारी संयुक्त जिम्मेदारी है। आतंकवाद वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा बना हुआ है।

कुछ अलग

अराजक संगठन

किसी भी मसले का ताव जब मीडिया की जुबान पर आता है, तब मालूम होता है कि हिमाचल किधर जा रहा है। ऊना के रायपुर सहोड़ा में ट्रक यूनियन यूं तो आईओसीएल के एलपीजी बाटलिंग प्लांट के गेट पर आधिपत्य जमाए बैठी रहती, लेकिन जब मीडिया से उलझी तो उसका चारित्रिक पतन दर्ज हो गया। यह दो घटनाओं का विवरण है। एक पहलू उनके विरोध और बाटलिंग प्लांट के अस्तित्व का है, तो दूसरा वह आक्रोश है जिसे बगल में छुपा कर ट्रकों का आंदोलन पत्रकारों के दल पर हमलावर हो गया। जाहिर है इस घटना ने प्रदेश के माहौल में घर कर रही विभिन्न संगठनों की अराजक मानसिकता का उल्लेख किया है, जिसे हम पत्रकारिता के आईने से देख सकते हैं। दूसरी ओर प्रदेश में हो रहे निवेश या औद्योगिक उत्पादन के दरपेश परिवहन संबंधी दिक्कतें भयावह होती जा रही हैं। इससे पहले सीमेंट उद्योग के दरवाजे पर भी इस तरह के माहौल ने चेतावनी दी थी और अब ऊना के परिदृश्य में ट्रकों की जमात के सामने सारा माहौल शर्मिंदा है। हम घटना के पहले भाग में हिमाचल की पूरी परिवहन व्यवस्था का अवलोकन करें तो सारे औद्योगिक क्षेत्रों को माल ढुलाई के रोग से ग्रस्त पाएंगे। यही तानाशाही रवैया औद्योगिक वातावरण में खंजरनुमा बनकर घूम रहा है। परिवहन का एक दूसरा रूप पर्यटन उद्योग के गले में अंगूठा देकर निरंकुश होने का अधिकार प्राप्त कर रहा है। हिमाचल में टैक्सियों का संचालन जिस तरह और जिस जिरह पर हो रहा है, उससे पर्यटन संभावनाएं अपमानित हैं। दिल्ली या मुंबई एयरपोर्ट से आप जिस दर पर टैक्सी लेकर महानगर के किसी भी छोर तक पहुंच सकते हैं, उससे कहीं विपरीत हिमाचल में चंद मिनटों की दूरी हजारों रुपयों में तय होती है। परिवहन नीति से मंजिलें तय करने के दावे कहीं तो सरकारी परिवहन की मजदूरी कर रहे हैं, तो कहीं खुली छूट में बिगड़ते माहौल की सडक़ पर बेबसी गुजर रही है। हिमाचल के तमाम औद्योगिक केंद्र अगर माल ढुलाई के फेरों में ट्रक यूनियनों से आजिज हैं, तो पर्यटक हिमाचल में टैक्सी की मुंहमांगी दरों से परेशान हैं। ढुलाई सेब की हो या सब्जी की, हिमाचल के हर कदम पर महंगाई का यही अवांछित पहलू है। परिवहन की सदाबहार फसल के आगे सेब-सब्जी उगाने वाले भी हर साल दुष्चक्र में फंस जाते हैं, तो इस बार बाटलिंग प्लांट के बाहर परिवहन के अवरोध में, मीडिया की उपस्थिति पर भी अराजक होती ट्रक यूनियन ने बता दिया कि माफिया पैदा कैसे होता है। परिवहन के ये जख्म अब मीडिया के चेहरे पर आए, तो मालूम यह करना होगा कि ट्रकों के पंजे में कौनसी बिसात बिछी है। यह विडंबना दोनों तरफ से है। मीडिया के सरोकार अब गांव-देहात से आर्थिक हालात तक नई पहल चाहते हैं, ताकि निजी क्षेत्र की उम्मीदों से ज्यादती न हो। हम यह नहीं कह सकते कि हर ट्रक हड़ताल गलत ही होगी, लेकिन हर बार हिमाचल से भागते निवेशक को पूछेंगे तो परिवहन की निरंकुश दरें ही शैतान बन कर डरा रही हैं। ऊना प्रकरण में अब तक सरकार को सारे विषाद की जड़ खोज लेनी चाहिए थी, ताकि सडक़ों पर बढ़ता उत्पात नियंत्रित किया जा सके। बेशक निवेश तो किसी ट्रक और टैक्सी की मिलकीयत में भी है, लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था नहीं कि परिवहन क्षेत्र को माफिया होने से बचाया जा सके। इस बार मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि ट्रकों की मनमर्जी का शिकार मीडिया भी हो गया। यह महज कानूनी मरण नहीं, बल्कि उस छूट की गुस्ताखी है जो परिवहन क्षेत्र को मिल रही है यानी अब तक जो दौर डरा-धमका कर माल ढुलाई को महंगा कर रहा था, वह मीडिया की स्वतंत्रता को भी आंखें दिखाने लगा है। यह विभिन्न यूनियनों की छत्रछाया में फैल रही अराजकता है, जो अपने सामने किसी भी लोकतांत्रिक सवाल को बर्दाश्त नहीं करती।

टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4.5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 6 करोड़ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है

टेक्सटाइल सेक्टर की नई अहमियत

डा. जयंती लाल भंडारी

> हम उम्मीद करें कि एक अप्रैल को लागू की गई देश की नई विदेश व्यापार नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता तथा पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क एवं टेक्सटाइल सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए लागू की गई प्रौद्योगिकी उन्ननय योनजा, बुनियादी ढांचे के नर्माण और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योनजाओं के कारगर क्रियान्वनय से भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर नर्यात का लक्ष्य प्राप्त करते हुए कुल 250 अरब डॉलर कारोबार की ऊंचाई को पार करते हुए देश के प्रमुख रोजगार प्रदाता उद्योग के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

इस समय देश ही नहीं दुनिया के टेक्सटाइल विशेषज्ञों का मानना है कि केंद्र सरकार ने टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से देश के सात राज्यों तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के लिए अगले पांच सालों में पूरा करने का लक्ष्य रखते हुए 4445 करोड़ रुपये आवंटन की जिस पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क योजना को मंजूरी दी है और एक अप्रैल 2023 से जिस अभूतपूर्व नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) को लागू किया गया है, उससे टेक्सटाइल सेक्टर में उत्पादन, निर्यात और रोजगार के मौके छलांगे लगातार बढ़ते हुए दिखाई देंगे। यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में टेक्सटाइल सेक्टर कृषि के बाद रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र भी है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर में करीब 4.5 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रूप से और करीब 6 करोड़ लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त है। जिस तरह इस समय टेक्सटाइल सेक्टर को रणनीतिक रूप से प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे टेक्सटाइल उद्योग में अकुशल, अद्र्धकुशल, कुशल और महिला श्रम शक्ति के साथ-साथ नए कम्प्यूटर एआई पेशेवरों के लिए भी रोजगार के और अधिक प्रचुर मौके निर्मित होंगे। टेक्सटाइल सेक्टर में सभी प्रकार के लोगों के लिए रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। युवा अपनी कुशलता के आधार पर विभिन्न रूपों में करियर बना सकेंगे। गौरतलब है कि प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए के पांच एफ (फार्म टू फाइबर, फायबर टू फैक्ट्री, फैक्टरी टू फैशन तथा फैशन टू फॉरेन) विजन और प्लग एंड प्ले एकीकृत बुनियादी ढांचे की आधुनिक अवधारणा पेश की है। वस्तुतः पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क एक ही स्थल पर कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई व छपाई से लेकर टेक्सटाइल निर्माण तक एक एकीकृत वस्त्र मूल्य श्रृंखला का अवसर प्रदान करते हुए दिखाई दे रहा है। प्रत्येक मेगा टेक्सटाइल पार्क से करीब एक लाख प्रत्यक्ष और दो लाख अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में पीएम मित्र पार्क दुनिया के लिए मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वल्र्ड की पहल के बेहतरीन उदाहरण बनेंगे और मेगा टेक्सटाइल पार्क के माध्यम से घरेलू निर्माताओं को अंतर्राष्ट्रीय कपड़ा बाजार में समान मौके मिलेंगे। ऐसे में भारत का टेक्सटाइल निर्यात जो वर्ष 2021-22 में 44.4 अरब डॉलर रहा है, वह वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य को पार करते हुए दिखाई देगा। उल्लेखनीय है कि भारत में टेक्सटाइल उद्योग शताब्दियों के समृद्ध इतिहास के साथ देश

की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। इस समय टेक्सटाइल सेक्टर देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2 प्रतिशत से अधिक और मूल्य के संदर्भ में देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में करीब 7 प्रतिशत योगदान करता है। वर्तमान में भारत दुनिया में कपड़ों का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है तथा वैश्विक रेडीमेड गारमेंट बाजार में अपना एकाधिपत्य जमाने को तैयार है। भारत से होने वाले कुल टेक्सटाइल और परिधान निर्यात सबसे अधिक करीब 27 प्रतिशत अमेरिका को किया जाता है। इसके बाद करीब 18 प्रतिशत यूरोपीय संघ को, करीब 12 फीसदी बांग्लादेश और करीब 6 फीसदी संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया जाता है। निःसंदेह भारत के टेक्सटाइल सेक्टर को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन व निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार ने एक के बाद एक विभिन्न नीतिगत पहलों और योजनाओं को लागू करके प्रभावी कदम उठाए हैं। सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में अहम कदम आगे बढ़ाते हुए कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन को बढ़ावा देने और के लिए 10683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की है। वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए सरकार ने संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना, एकीकृत वस्त्र पार्कों के लिए योजना, कपड़ा क्षेत्र में क्षमता निर्माण की योजना लागू की हैं, जिनके अनुकूल परिणाम आ रहे हैं। सरकार के द्वारा शुल्क वापसी योजना के अंतर्गत 23 मार्च से हो रहे निर्यात पर विभिन्न लाभ दिए जा रहे हैं। साड़ी और लुंगी समेत कपड़ा क्षेत्र की 18 वस्तुओं के व्यापार को बढ़ाने के उद्देश्य से इनको भी निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट के अंतर्गत लाभ दिए जा रहे हैं। इस समय देश में टेक्सटाइल के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन, निर्यात बढ़ाने तथा एक कुशल और एकीकृत कपड़ा क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए टेक्सटाइल सेक्टर के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है। बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देशों के लिए तरजीही टैरिफ देने के कारण भारत से टेक्सटाइल निर्यात को नुकसान हुआ है। बांग्लादेश चीनी धागों का आयात करता है, उन्हें अपने सस्ते श्रम का इस्तेमाल करके कपड़े बनाता है और बिना किसी आयात शुल्क इस तरह के कपड़े भारत को निर्यात करता है। ऐसे में बांग्लादेश को दी गई शुल्क मुक्त बाजार की पहुंच भारत में चीनी वस्त्रों के अप्रत्यक्ष प्रवेश की सुविधा प्रदान कर रही है। देश में चीन और कुछ अन्य देशों से टेक्सटाइल के सस्ते आयात कुछ क्षेत्रों में घरेलू टेक्सटाइल उद्योग को नुकसान पहुंचा रहे हैं। निःसंदेह इस समय भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर के लिए टेक्सटाइल के वैश्विक बाजार में आगे बढने तथा वैश्विक बाजार में प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनने के शानदार अवसर उभरकर दिखाई दे रहे हैं। ऐसे अवसर को मुठ्ठी में करने के लिए टेक्सटाइल विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ कई और बातों पर भी ध्यान देना होगा। अब टेक्निकल टेक्सटाइल में मशीनरी और उपकरणों के स्वदेशी विकास की विविध आवश्यकताओं की पूर्ति तथा डिजाइन, इंजीनियरिंग, फैब्रिकेशन तथा प्रोटोटाइपिंग में स्थानीय कौशल का दोहन किया जाना होगा। टेक्सटाइल से संबंधित विषय के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में चयनित स्टूडेंट्स को इंटर्नशिप व अनुदान से लाभान्वित करके टेक्निकल टेक्सटाइल के मैन्युफैक्चरिंग और एप्लिकेशन क्षेत्र दोनों के लिए उद्योग-प्रशिक्षित पेशेवरों तथा अत्यधिक कुशल श्रमिकों को तैयार किया जाना होगा। टेक्निकल टेक्सटाइल में निजी और सार्वजनिक शैक्षणिक संस्थानों को सक्षम बनाने के लिए टेक्सटाइल के डिप्लोमा और डिग्री कार्यक्रमों को नए दौर की टेक्सटाइल से जुड़ी अध्ययन सामग्री से सुसज्जित करना होगा। हम उम्मीद करें कि एक अप्रैल को लागू की गई देश की नई विदेश व्यापार नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को प्राथमिकता तथा पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क एवं टेक्सटाइल सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए लागू की गई प्रौद्योगिकी उन्नयन योजना, बुनियादी ढांचे के निर्माण और कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के कारगर क्रियान्वयन से भारत का टेक्सटाइल सेक्टर वर्ष 2030 तक 100 अरब डॉलर निर्यात का लक्ष्य प्राप्त करते हुए कुल 250 अरब डॉलर कारोबार की ऊंचाई को पार करते हुए देश के प्रमुख रोजगार प्रदाता उद्योग के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

सियासत के दामन पर गुनाहों के दाग

> राजाओं के त्याग के बाद ही मुल्क का नजिाम लोकतांत्रिक हुआ था, मगर देश का तंत्र पूरे तौर पर लोक को आज भी समर्पित नहीं हो रहा है। लोकतंत्र में सियासतदान अपने जीवन की शुरुआत नजसेवक के रूप में करते हैं, मगर सत्ता की दहलीज पर पहुंनचे के बाद सियासी हुक्मरान स्वयं को जम्हूरियत का गालिब मान बैठते हैं। देश के कई सियासतदानों के नाम के साथ माफिया, डॉन व बाहुबली जैसे शब्द जुडऩे से सियासत कुख्यात हो चुकी है। कई सियासतदानों के कैरियर का आगाज गुनाहों की गलियों से हो रहा है। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले में राष्ट्रीय राइफल्स के वानह पर आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। गत 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पुलिस फोर्स के ग्यारह जवान नक्सली बर्बरता का शिकार हो गए, लेकिन हाल ही में उत्तर प्रदेश में माफियाओं की मौत तमाम न्यूज चैनलों पर बहस का मरकज नबी रही। देश की रक्षा में मुस्तैद जवानों के बलिदान की जगह माफियाओं की मौत को ही तवज्जो दी गई। उन माफियाओं की फुरकत में देश की सियासत से लेकर बैरूनी मुल्कों तक मातम नमाया जा रहा है। यह स्पष्ट है कि सियासी पनाह के निबा किसी माफिया या बाहुबली की पैदाईश नहीं होती।

देश के हजारों इंकलाबी चेहरों की लंबी जद्दोजहद के बाद बर्तानिया हुकूमत से हिंदोस्तान को आजादी नसीब हुई थी। आजादी के बाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली के लिए देश के राजाओं ने अपनी सैंकड़ों रियासतों का भारत में स्वैच्छिक विलय करके राष्ट्रवाद की नजीर पेश की थी। ज्यादातर रियासतों पर राजपूत वर्चस्व था। राजाओं के त्याग के बाद ही मुल्क का निजाम लोकतांत्रिक हुआ था, मगर देश का तंत्र पूरे तौर पर लोक को आज भी समर्पित नहीं हो रहा है। लोकतंत्र में सियासतदान अपने जीवन की शुरुआत जनसेवक के रूप में करते हैं, मगर सत्ता की दहलीज पर पहुंचने के बाद सियासी हुक्मरान स्वयं को जम्हूरियत का गालिब मान बैठते हैं। देश के कई सियासतदानों के नाम के साथ माफिया, डॉन व बाहुबली जैसे शब्द जुडऩे से सियासत कुख्यात हो चुकी है। कई सियासतदानों के कैरियर का आगाज गुनाहों की गलियों से हो रहा है। 20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले में राष्ट्रीय राइफल्स के वाहन पर आतंकी हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए। गत 26 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में पुलिस फोर्स के ग्यारह जवान नक्सली बर्बरता का शिकार हो गए, लेकिन हाल ही में उत्तर प्रदेश में माफियाओं की मौत तमाम न्यूज चैनलों पर बहस का मरकज बनी रही। देश की रक्षा में मुस्तैद जवानों के बलिदान की जगह माफियाओं की मौत को ही तवज्जो दी गई। उन माफियाओं की फुरकत में देश की सियासत से लेकर बैरूनी मुल्कों तक मातम मनाया जा रहा है। यह स्पष्ट है कि सियासी पनाह के बिना किसी माफिया या बाहुबली की पैदाईश नहीं होती। ऐसा कोई संगीन जुर्म नहीं जो सियासतदानों के दामन पर न लगा हो। विडंबना है कि रंगदारी, अपहरण व कत्ल जैसी संगीन वारदातों में मुल्लविश जिन माफियाओं पर अदालतें फैसला सुनाने से बचती हों, पुलिस व प्रशासन कानूनी कार्रवाई करने से खौफजदा रहते हो, खुद को आईन से ऊपर समझने वाले जिन माफियाओं के अपराध को रोकने में सलाखें भी लाचार हैं, उन माफियाओं के रुखसत होने पर सियासत में भूचाल आ जाता है। सियासी वर्चस्व की जंग को अदावत में तब्दील करने वाले माफियाओं की मौत पर कई सियासतदान घडिय़ाली अश्क बहाकर कानून की दुहाई दे रहे हैं। मौजूदा सियासत की यही खुसुसियत लोकतांत्रिक प्रणाली के भविष्य के लिए अशुभ संकेत साबित हो रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुरक्षा एजेंसियों से लेकर देश के हर इदारे पर हुक्मरानी सियासी रहनुमाओं की होती है। लोगों की काफी उम्मीदें चुने हुए प्रतिनिधियों पर टिकी होती हैं। मगर देश के करोड़ों लोगों की नुमांईदगी करने वाली लोकतंत्र की संस्थाओं में दागी व माफियाओं का संगम यदि जम्हूरियत की जीनत बन जाए तो लोगों का लोकतंत्र से भरोसा उठना तय है। हालात इस कदर बेकाबू हो रहे हैं कि समाज में शराफत भरे लोग माफियाओं से ज्यादा कानून व सुरक्षा एजेंसियों से डर रहे हैं। आम लोगों के हकूक की आवाज लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ सहाफत बुलंद कर रहा है। मजलूमों की आवाज समाज का दर्पण कहे जाने वाले सहाफी बन रहे हैं। देश के न्यायालय न्यायाधीशों की कमी से जूझ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों से लेकर देश के लगभग हर विभाग में अहलकारों के हजारों पद रिक्त पड़े हैं। उच्च शिक्षित युवावर्ग बेरोजगारी के बोहरान में फंसकर गर्दिश-ए-तकदीर को कोस रहे हैं। बेरोजगारी की शिद्दत युवावेग के दिशाहीन होने का कारण बन रही है। मौसम के बेरुखे मिजाज से कृषि अर्थतंत्र की बुनियाद किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें बढ़ रही हैं। मगर देश में सियासी जमातों की तादाद व सियासतदानों की सुख सुविधाओं में कोई कमी नहीं है। जिन सियासी रहनुमाओं की नीतियों पर देश के भविष्य की तस्वीर तय होगी, वे अपने सियासी साम्राज्य के मुस्तकबिल को बचाने वाली नीतियों में मशगूल हैं। अतीतकाल से अध्यात्म, राष्ट्रभक्ति व वसुधैव कुटुंबकम जैसी महान संस्कृति का वारिस रहा 'विश्व गुरु भारत' यदि वर्तमान में सांप्रदायिक माहौल की दहलीज पर खड़ा है तो इसका श्रेय भी देश की सियासत व मजहब के रहनुमाओं को ही जाता है। कई सियासतदान संविधान का हवाला देकर अपनी तकरीरों में जहर उगल कर देश के आईन को ही आईना दिखाने में गुरेज नहीं करते। सियासी वजूद को बचाने के लिए जाति मजहब व मुतनाजा बयानबाजी का सहारा लिया जाता है। जनप्रतिनिधियों का यह आचरण सियासत में अस्थिरता का तनाजुर पैदा कर रहा है। अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए सियासी कयादत यदि अपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों की मेजबानी इसी तरह करती रही तो लोकतांत्रिक ढांचे में अराजकता का मंजर पैदा होना स्वाभाविक है। बारूद उगलती सियासी तकरीरों से आहत होकर भाषा की शालीनता, तहजीब, मर्यादा, नैतिकता, गरिमा व अदब जैसे शब्द अपना वजूद बचाने को मजबूर हो चुके हैं। हिकारत भरी भाषणबाजी से लोगों के जज्बात भी महफूज नहीं हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने सख्त रुख अख्तियार करके सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को हेट स्पीच देने वालों पर बिना किसी शिकायत के मामला दर्ज करने का फरमान जारी किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में विश्व की सबसे बड़ी आबादी की सदारत करने वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था में बढ़ते अपराधिकरण का जिम्मेवार कौन है। सियासतदानों को अपने वोट की ताकत से जम्हूरियत का हाकिम बनाने वाली सर्वोच्च ताकत मतदाताओं को इस विषय पर तफसील से गौर फरमानी होगी। राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण से सियासी रहनुमाओं में राष्ट्रवाद की भावना का अभाव साफ झलकता है। देश को उन्नति के शिखर पर पहुंचाने के लिए राष्ट्रीयता की भावना के साथ आदर्श शासन व्यवस्था जरूरी है। बहरहाल जब देश की सीमाएं चीन व पाकिस्तान जैसे आतंक की हिमायत करने वाले मुल्कों से सटी हों तो राष्ट्र को राष्ट्रहित के मुद्दों पर सशक्त नेतृत्व क्षमता वाले सियासी रहनुमाओं की जरूरत है, सभ्य समाज से लेकर सुरक्षा एजेंसियों व न्यायिक व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहे अपराधियों के जमींदोज होने पर विलाप करने वालों की नहीं। लोकतंत्र का वजूद बचाने के लिए लाजिमी है कि सियासत के रुखसार पर लगे गुनाहों के दाग रुखसत होने चाहिए।

देश दुनीया से

देवता को खुद पर शंका

> देवताओं के भ्रम टूनटे लगे थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि इनसान ही परेशान होकर उनके पास आएंगे, लेकिन इधर देवलोक की व्यस्तता खत्म हो रही थी, क्योंकि धरती लोक पर ही फैसले होने लगे थे। धरती पर सरकारों ने खुद को ईश्वर मानकर इनसान से भी बड़े नर्णिय कनरे शुरू कर दिए थे। कुछ न `ताओं ने स्वयं को इनता महान नबा लिया था कि अब धर्म के मामले भी आपस में बांट कर ही तय कनरे लगे हैं। इसी देखादेखी में अदालतों ने भी न्याय के बजाय करिश्मे कनरे शुरू कर दिए थे। देवताओं के पास या तो धर्म था या करिश्मा और अब ये भी सरक कर धरती लोक के नेताओं का हुनर नब गए थे। देवताओं ने जब भी ऊपर से नीचे देखा, यही पाया कि सारे फरियादी अब नेताओं को भगवान मानने लगे हैं।

देवताओं तक धरती के मसले अब नहीं पहुंच रहे थे। सारे देवता इससे परेशान थे। परेशानी में खतरा यह था कि कहीं स्वर्ग के सिंहासन पूरी तरह डोल ही न जाएं। देवताओं के भ्रम टूटने लगे थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि इनसान ही परेशान होकर उनके पास आएंगे, लेकिन इधर देवलोक की व्यस्तता खत्म हो रही थी, क्योंकि धरती लोक पर ही फैसले होने लगे थे। धरती पर सरकारों ने खुद को ईश्वर मानकर इनसान से भी बड़े निर्णय करने शुरू कर दिए थे। कुछ नेताओं ने स्वयं को इतना महान बना लिया था कि अब धर्म के मामले भी आपस में बांट कर ही तय करने लगे हैं। इसी देखादेखी में अदालतों ने भी न्याय के बजाय करिश्मे करने शुरू कर दिए थे। देवताओं के पास या तो धर्म था या करिश्मा और अब ये भी सरक कर धरती लोक के नेताओं का हुनर बन गए थे। देवताओं ने जब भी ऊपर से नीचे देखा, यही पाया कि सारे फरियादी अब नेताओं को भगवान मानने लगे हैं। देवताओं की नींद हराम है। नींद की गोली ऊपर मिलती नहीं, इसलिए देवताओं ने अपने बीच से कुछ अति कुशल देवता धरती पर सरस्वती नदीं पर उतार दिए। देवलोक में नींद हरामी से बचने को धरती लोक पर आए देवताओं की आंखें खुली की खुली रह गईं। उन्होंने देखा कि इनसान को अब नींद उड़ाती घटनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि वह एक बाजू में नरक तो दूसरे में स्वर्ग लिए घूम रहा है। देवताओं ने स्लम एरिया के बगल में गगनचुंबी इमारतों से नरक-स्वर्ग का भेद मिटता हुआ देख लिया। देवताओं को विश्वास नहीं हो रहा था। वे मन ही मन सोचने लगे, 'हम यूं ही इनसानों पर शक करते रहे, जबकि यहां तो पृथ्वी लोक के बाशिंदे पूजने लायक हो गए हैं। लोग बिना कमाए, बिना पछताए भी चैन की नींद सो रहे हैं, जबकि नींद हमारी इस बात को लेकर खराब है कि जनता को हमारे न्याय पर विश्वास ही नहीं रहा।' देवता पहली बार खुद पर ही शंका करने लगे। दरअसल उन्होंने हरिद्वार में गंगा के किनारे पहुंच कर जैसे ही साधुओं को आशीर्वाद दिया, उल्टे साधुओं ने ही उनका आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर कार्ड पूछ लिया। साधु उनसे भारतीयता का प्रमाण पूछने लगे, तो लाचार देवता एकदम शर्मसार हो गए, जबकि दूसरी ओर से उन्हें बताया गया कि देश को अब धरती के अवतार चलाते हैं। देवताओं को नसीहत दी गई कि वह जब तक देश में किसी अवतार के भक्त नहीं होते, उनकी राष्ट्रयीता पर शक रहेगा। उन्हें बताया गया कि नोटबंदी के बाद देश में देवताओं के चमत्कार व आशीर्वाद भी बंद कर दिए गए हैं, लेकिन भारत ने नई करंसी के रूप में तरह-तरह के घरेलू आशीर्वाद बना लिए हैं, जिन्हें सुविधा और स्वादानुसार हासिल किया जा सकता है। कम से कम आशीर्वाद व वरदान देने में भारतीय आत्मनिर्भरता का कोई सानी नहीं। देवताओं ने महसूस किया कि कल तक जंगलों में भटकने वाले बाबाओं को अब सरकारें आशीर्वाद देने लगी हैं। वाकई यह देश का चमत्कार है कि अब संत-महात्मा जंगल से मुख्य धारा में ट्रांसफर हो गए हैं। देवताओं को पहली बार गुस्सा आ रहा था कि देवलोक में उन्हें खामख्वाह ओवर डिलीवर करना पड़ रहा है, जबकि यहां धरती पर तो 'राम राज्य' चल रहा है। स्वयं राम मंदिर निर्माण के फैसले पर भगवान को न्यायालय पर भरोसा है, तो देवताओं की बात तो साधु-संत भी नहीं मान रहे। देवताओं में अस्तित्व की आशंका पैदा हो गई। डर यह था कि कहीं देवलोक को ही नीचे शिफ्ट न करना पड़े। खुद को बचाने के लिए देवताओं ने किसी तरह मीडिया से संपर्क साधा। देवताओं को पहली बार ज्ञान हुआ कि इस युग में मीडिया ही उन्हें वापस भरोसे लायक बना सकता है। देवताओं का मीडिया शरण में आते ही आत्मविश्वास बढ़ गया। अब मीडिया भी धरती पर सरकारों को साध रहा है, तो स्वर्गलोक के लिए देवता तैयार कर रहा है।

नागरिक बोध

मणिपुर में तनाव बरकरार,हिंसा के खतरे बढ़ने से सरकार की बैचेनी बढ़ी

मणिपुर में आदिवासियों के आंदोलन की आग से राज्य में दूसरे दिन भी अशान्ति है। विश्व मे अधिकांश पिछड़ी जाति या आदिवासी समुदाय जंगलों में ही रहते है। मणिपुर में यही समस्या मुह फाडे खड़ी है।मणिपुर में पहाड़ी भाग में नगा और समुद्री भागो मैतयी समुदाय निवास करता है। मैतयी समुदाय अनुसूचित जनजाति के दर्जे की मांग कर रहा था । उस दौरान एकजुटता मार्च का आयोजन के दौरान भड़की आग से अफरातफरी मच गई। आदिवासियों और गैर अदिवादसियो के खिलाफ लड़ाई में मणिपुर की अबोहबा में दरार आ गई। नगा जाति ईसाई समुदाय को मानती है। घाटी में रहने वाले लोग हिन्दू समुदाय के लोग है। मणिपुर की हिंसा से एक बार फिर राज्य में अशांति पसर गई है।लोगो मे दहशत व्याप्त है। हिंसा और हिंसा से आग ज्यादा भड़कती है। देश मे समाजिक वैमनस्य पर हावी अनेक समुदाय की समस्या को लेकर सरकार चिंतित नही है। धर्म के नाम पर

राजनीति करने वाले अधिकतर राजनैतिक आकाओं का कारनामा है। शांत बैठे लोगों को ये राजनीतिज्ञ शरण देकर उपद्रवियों को उकसाया जाता है। मणिपुर में हिंसा जारी है। यह पहला और आखिरी घटना नही है।2017 में भी हिंसक झड़पे देखी जा चुकी है। खून को खून से साफ नही किया जा सकता है। उसके लिए पानी की जरूरत होती है। मणिपुर जल रहा है। उसके लिए केंद से मदद मांगी गई। पहाड़ो पर रहने वाली नगा जातियों और अन्य जातियों को आज भी भय है कि कही सरकार हमारी जमीन और घर पर कब्जा कर न दे।मणिपुर में स्वायत्तता के लिए उठा सवाल जीवन पर संकट न आ जाए उसके चलते कई बार आशंका के लिए उपजा अविश्वास हिंसा में बदल रहा है। हर बार दोनों समुदाय में झड़पे बढ़ती जा रही है। मणिपुर में न तो कोई स्थायी नागरिक बन सकता है और न ही कोई व्यक्ति जमीन खरीद सकता है। राजा महाराजाओ का कानून सरकार ने बन्द कर दिया। यह मुख्य भययुक्त मसला था।मणिपुर में बढ़ती आबादी के भय से अपनी पैतृक सम्पति गंवा न दे उस भय से आंदोलन और हिंसक झड़पे मुख्य समस्या है। मणिपुर को 1929 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिला था। मैतयी समुदाय के बीच हिंसा का वातावरण होने की वजह से अफस्पा लागू है। आदिवासियो में बढ़ते द्वेष और अपने हक के लिए सरकार से लड़ने के मूड में है। लेकिन जिस तरह आदिवासियों के साथ लम्बे समय से सरकार का ध्यान नही जाना मणिपुर की जनता के मानसिक अशान्ति का ही कारण है।

तुर्किए के चुनाव का पूरी दुनिया पर होगा असर क्या रेसेप तैयप एर्दोगन की होगी विदाई

अंकारा।

तुर्किए की सत्ता पर बीते 20 सालों से भी ज्यादा समय से रेसेप तैयप एर्दोगन का कब्जा है। हालांकि लगता है कि अब उनका करिश्मा खत्म होने के कगार पर है। यही वजह है कि कुछ दिनों बाद ही तुर्किए में होने वाले आम चुनाव को तुर्किए के इतिहास का सबसे अहम चुनाव माना जा रहा है। तुर्किए के गांधी कहे जाने वाले कमाल किलिदारोग्लु आगामी चुनाव में एर्दोगन को हराकर देश के अगले राष्ट्रपति बन सकते हैं। हालांकि काफी लोग मानते हैं कि अभी भी एर्दोगन को हराना आसान नहीं है।

तुर्किए को आर्थिक तौर पर किया जाएगा मजबूत – तुर्किए में 14 मई को मतदान होना है। उसके बाद 28 मई को होने वाले रन-ऑफ चुनाव में तुर्किए के अगले राष्ट्रपति का फैसला हो जाएगा। छह पार्टियों के संगठन वाले विपक्ष ने वादा किया है कि अगर उन्हें चुनाव में जीत मिलती है तो तुर्किए को आर्थिक तौर पर फिर से मजबूत किया जाएगा, लोकतांत्रिक मूल्यों की वापसी होगी और मौजूदा विदेश नीति में भी बड़े बदलाव किए जाएंगे। तुर्किए के चुनाव का ना सिर्फ तुर्किए पर बल्कि पूरी दुनिया पर असर दिखेगा।

पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर – तुर्किए में होने वाले आम चुनाव का पूरी दुनिया पर असर पड़ेगा। तुर्किए के राजनीतिक, आर्थिक जीवन पर असर के साथ ही मध्य पूर्व के क्षेत्र, तुर्किए के पश्चिम, अमेरिका और नाटो के साथ संबंधों समेत एक तरह से पूरी दुनिया पर असर होगा। दरअसल कमाल किलिदारोग्लु एलान कर चुके हैं कि अगर उनकी जीत हुई तो वह सीरिया से अपनी फौजों को वापस बुलाएंगे और सीरिया की असद सरकार से बातचीत करेंगे। किलिदारोग्लु ने ये भी वादा किया है कि सीरिया से आए शरणार्थियों को अगले दो साल में वापस भेजा जाएगा। साथ ही तुर्किए अमेरिका, नाटो और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपने संबंधों को भी फिर से सामान्य करने की दिशा में काम करेगा। बता दें कि हाल के सालों में तुर्किए के अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ रिश्तों में थोड़ी खटास आई है। इसकी वजह एर्दोगन की नीतियां रही हैं। हालांकि नई सरकार के लिए अमेरिका और रूस के साथ रिश्तों में संतुलन बनाने में मुश्किल हो सकती है। किलिदारोग्लु ये भी कह चुके हैं कि उनके राष्ट्रपति चुने जाने पर लीबिया से भी सैनिक वापस बुलाए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

ताबड़तोड़ हमलों के बीच एक रात में रूस के 35 ड्रोन मार गिराए, यूक्रेन की सेना का दावा

कीव। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए इस भीषण युद्ध ने यूक्रेन को खंडहर में तब्दील कर दिया है। पिछले साल 24 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर हमला किया था। रूस की तुलना में सैन्य शक्ति के मुकाबले काफी कमजोर देश होने के बावजूद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हार नहीं मानी और ये युद्ध लगातार जारी है। रूस को ईरान का भी साथ मिल गया है। इस बीच, एक बार फिर रूस द्वारा हमले तेज करने की खबर आई है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान के बने 35 शहीद ड्रोन को नष्ट कर दिया है। इन ड्रोन से रूस ने यूक्रेन में अलग-अलग ठिकानों पर हमला किया था। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के अनुसार, रूस ने खार्किव, खेरसॉन, मायकोलाइव और ओडेसा जैसे क्षेत्रों के शहरों में ताबड़तोड़ हमले किए। कल रात उसने करीब 16 मिसाइल हमले किए। जबकि पिछले दिनों यूक्रेन पर 61 हवाई हमले और भारी रॉकेट साल्वो फायर सिस्टम से 52 हमले किए गए थे। इन हमलों से यूक्रेन के शहरों को बहुत नुकसान पहुंचा है।

सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिले भारत-अमेरिका के एनएसए, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने सऊदी क्राउन प्रिंस और अपने भारतीय व अमीराती समकक्षों से सऊदी अरब में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और दुनिया के साथ जुड़ी परियोजना और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा। बता दें, बैठक जेद्दा में हुई थी। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी कि सुलविन और डोभाल इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया में क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर फिर से मिलेंगे। जनवरी में यहां महत्वाकांक्षी 'इंडिया-यूएस आईसीईटी (इनीशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी)' संवाद शुरू करने के बाद डोभाल और सुलिवन के बीच यह पहली बैठक है। सुलिवन फिलहाल सऊदी अरब की यात्रा पर हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने सऊदी अरब में 7 मई को सऊदी प्रधान मंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मौके पर भारत और दुनिया के साथ जुड़े हुए समृद्ध तथा अधिक सुरक्षित पश्चिम एशिया के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, सुलिवन ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा करने के लिए क्राउन प्रिंस, शेख तहनून और डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं।

अमेरिका में सड़क पर खड़े लोगों को कार ने रौंदा: 8 लोगों की मौत, 10 घायल; मरने वालों में ज्यादातर प्रवासी

वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सास में सिटी बस स्टॉप पर खड़े लोगों को एक गाड़ी ने टक्कर मार दी। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, वहीं 10 लोग घायल हो गए। हादसा टेक्सास के ब्राउन्सविल में एक प्रवासी शेल्टर होम के बाहर स्थित बस स्टॉप पर हुआ। मारे गए लोगों में कुछ प्रवासी भी हैं। पुलिस ने टक्कर मारने के आरोपी व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है। शेल्टर होम के डायरेक्टर ने बताया कि लोगों को टक्कर मारने के बाद गाड़ी पलट गई और लुढ़कते हुए 200 फीट दूर तक गई। जांच अधिकारी पता लगा रहे हैं कि ये एक हादसा था या जान-बूझकर टक्कर मारी गई थी। पुलिस अधिकारी सैंडोवल ने बताया कि आरोपी ड्राइवर कुछ भी बताने से इनकार कर रहा है। वो जांच में बिल्कुल सहयोग नहीं कर रहा है। इलाज के बाद उसे सिटी जेल में ट्रांसफर किया जाएगा। इसके बाद उसके फिंगर प्रिंट्स और फोटो लेकर उसकी पहचान की जाएगी। वहीं आरोपी के नशे में होने का पता लगाने के लिए उसके ब्लड सैंपल की रिपोर्ट ली गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्राउन्सविल में एक ही प्रवासी शेल्टर होम है, जो हजारों प्रवासियों को मैनेज करता है। रिपोर्ट के मुताबिक इस शेल्टर हाउस की कैपिसिटी केवल 250 लोगों की है, जबकि इनके पास रोजाना करीब 400 लोग आते हैं। कुछ हफ्तों में तो प्रवासियों की तादाद इतनी बढ़ गई है कि लोकल प्रशासन को वहां पर इमेरजेंसी तक लगानी पड़ी है।

पाकिस्तानी फौज से बेहतर हथियार आतंकियों के पास

16 दिन में 21 सैनिक मारे गए; अब अमेरिकी वेपन्स से हमला कर रहा तालिबान

इस्लामाबाद/काबुल।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के खुर्रम जिले में आतंकी हमले की दो घटनाएं हुईं। इसके पहले 8 टीचर्स के अलावा 7 फौजी मारे गए थे। 16 दिन में अकेले इस राज्य में कुल 21 पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। जवाब में सिर्फ दो ही आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान बॉर्डर से लगे इस राज्य में दो महीने से ऑपरेशन चला रही है। अब तक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का पलड़ा ही भारी नजर आ रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि पाकिस्तानी फौज से बेहतर वेपन्स और सर्पोटिंग हथियार मौजूद हैं। ये वही हथियार हैं जो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से लौटते वक्त अमेरिकी फौज छोड़कर गई थी।

सऊदी अरब के अखबार की इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट – सऊदी अरब के अखबार की एक इन्वेस्टिगेशन में कुछ अहम बातों का खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक पाकिस्तान के सिक्योरिटी ऑफिशियल्स अब ये मानने पर मजबूर हो गए हैं कि तालिबान (अफगान और पाकिस्तान) के मामले में उनकी हर चाल उल्टी साबित हो रही है। अफगान तालिबान कंधे से कंधा मिलाकर पाकिस्तान की फौज पर हमले कर रहे हैं। हर रोज पुलिस और फौज के लोग मारे जा रहे हैं। इतना ही नहीं बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन भी इनके साथ हाथ मिला चुके हैं। लिहाजा, अब फौज को जबरदस्त नुकसान हो रहा है।

पाकिस्तान के सिक्योरिटी एक्सपर्ट रफीकउल्लाह काकर ने कहा- तालिबान को हवाई हमलों का खतरा नहीं रहा, क्योंकि अमेरिका यहां से वापस जा चुका है। ट्रैडीशनल वॉर फेयर में हथियारों की क्वॉलिटी बेहद अहम होती है, इस मामले में अब दहशतगर्द बाजी मार चुके हैं। आप बताइए जो हथियार, इक्विपमेंट्स और टेक्नोलॉजी उनके पास हैं, वो पाकिस्तान की आर्मी के पास कहां है वो आए दिन हमला करते हैं और पाकिस्तान के फौजी मारे जाते हैं।

आतंकी नहीं, फौज भाग रही है – काकर ने आगे कहा- तालिबान अब जहां चाहे, वहां हमले कर रहे हैं। उन्होंने 7 सैनिक मार डाले। अब आतंकियों के बजाय फौज को जान के लाले पड़ गए हैं। फरवरी में मस्जिद पर हमला हुआ। 107 पुलिसवाले मारे गए। हर रोज सैनिक मारे जा रहे हैं। एक साल में 37प्रतिशत आतंकी हमले बढ़ गए। इस दौरान 419 लोग मारे गए। इनमें 65प्रतिशत सैनिक या पुलिसवाले थे।

रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया जाता है कि अमेरिका करीब 7.2 अरब डॉलर के हथियार और इक्विपमेंट्स अफगानिस्तान में छोड़कर गया। हकीकत में यह अमाउंट करीब दोगुना है। जरा सोचिए, पाकिस्तान का सालाना डिफेंस बजट भी इतना नहीं है। तालिबान अगर फौज को निशाना बना रहे हैं तो बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी उन जगहों को निशाना बना रही है, जहां चीन ने इन्वेस्टमेंट किया है। चीनी भी मारे जा रहे हैं। पाकिस्तानी फौज बेबस है। हमलों की वजह से चीन और पाकिस्तान के रिश्ते भी बिगड़ते जा रहे हैं। दो साल में 23 चीनी नागरिक आतंकी हमलों में मारे जा चुके हैं।

एक साल में 118 पुलिसवाले मारे गए – पाकिस्तान की होम मिनिस्ट्री के मुताबिक अकेले खैबर पख्तूनख्वा में 2022 में आतंकी हमलों में 118 पुलिसकर्मी मारे गए। दो मिलिट्री बेस पर हमले हुए। 29 सैनिक मारे गए। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी फौज के पास वैसे छोटे हथियार नहीं हैं, जो अब आतंकियों के पास हैं। उनके पास नाइट विजन गॉगल्स, हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट और दूसरे हाईटेक इक्विपमेंट्स हैं। उन्हें दूसरे देशों से सीक्रेट ट्रेनिंग मिली। पाकिस्तान के पास इतना बजट ही नहीं कि वो बराबरी कर सके। बजट मिलता भी है तो वो अब सिर्फ चीन से हथियार खरीद सकता है, भारत के दबाव की वजह से इजराइल या अमेरिका उसे वेपन्स बेचेंगे नहीं। काकर कहते हैं- जरा सोचिए आतंकियों के पास इस वक्त स्नाइपर राइफल्स, कार्बाइन विथ ट्राइजोकोन विजन स्कोप और -164 राइफल्स हैं। पाकिस्तान के पास हैवी मशीनगन हैं, लेकिन इन्हें शिफ्ट करने में ही बहुत वक्त और मैन पॉवर लगता है। इस तरह के करीब 6 लाख वेपन्स तालिबान के पास हैं। पिछले दिनों फौज को आतंकियों की एक जगह पर मौजूदगी की खबर मिल गई थी। फौज हमले के लिए निकली, इस दौरान आतंकियों ने अटैक कर दिया, कितने सैनिक मारे गए आज तक नहीं बताया गया। खबर ही गायब कर दी गई।

रूसी और अमेरिकी हथियारों से लैस – 1989 में रूसी सेना की वापसी के बाद पहले मुजाहिद्दीन और बाद में तालिबानी रूसी ऐके 47 के साथ टी-55 टैंकों पर सवार नजर आते थे और अब यही तालिबानी लड़ाके अमेरिकी बख्तरबंद फौजी गाड़ी हमवी पर अमेरिका में ही बनी राइफल के साथ नजर आ रहे हैं। पिछले साल जारी फोर्ब्स मैगजीन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका अफगानिस्तान में 8,84,311 लेटेस्ट मिलिट्री इक्विपमेंट्स छोड़कर गया है।

कनाडा के अल्बर्टा में जंगलों में लगी आग

अब तक 30 हजार लोगों ने घर छोड़ा, 31 जगहों पर स्थिति कंट्रोल से बाहर

ओटावा।

कनाडा के अल्बर्टा में जंगलों में लगी आग ने 30 हजार लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया है। वहां की 108 जगहों पर जंगलों में आग लगी थी। इनमें से 31 जगहों पर स्थिति नियंत्रण से बाहर बताई गई है। ये जानकारी अल्बर्टा की वाइल्ड फायर यूनिट की सूचना अधिकारी क्रिस्टी टकर ने दी है। उन्होंने बताया कि ये आग बुझाने के लिए हेलिकॉप्टर और एयर टैंकर का इस्तेमाल किया जा रहा है। इलाके से बचाए गए लोगों को सुरक्षित जगह पर भेजा गया है।

अल्बर्टा प्रांत में इमरजेंसी लगाई गई – क्रिस्टी के मुताबिक धुएं और आग की वजह से अभी प्रॉपर्टी को हुए नुकसान की जानकारी दे पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा अभी हमारा मकसद लोगों की जान को बचाना है। जंगलों की आग से खतरे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बारिश होने के बावजूद उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पर्यावरण पर काम करने वाले एरिन स्टाउंटन ने कहा कि इससे आग पर न के बराबर ही असर पड़ेगा। वहीं, पूरे अल्बर्टा राज्य में आग से निपटने के लिए इमरजेंसी लगानी पड़ी है। खुद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस मामले में नजर बनाए हुए हैं। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने बताया कि आग से अब तक 3 लाख एकड़ से ज्यादा का एरिया जल चुका है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका ड्रायटन वैली को बताया जा रहा है। जहां 140 किलोमीटर प्रति घंटा से चल रही हवाओं की वजह से आग तेजी से फैल रही है। जंगल की आग से हर साल 4 मिलियन स्कवायर किलोमीटर का इलाका जल जाता है। आग जलने के लिए हीट, ईंधन और ऑक्सीजन जरूरी होते हैं। जंगल में ऑक्सीजन हवा में ही मौजूद होती है। पेड़ों की सूखी टहनियां और पत्ते ईंधन का काम करते हैं। वहीं एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम कर सकती है। ज्यादातर आग गर्मी के मौसम में लगती है।

भारतीय कैदी की मौत के बाद 199 मछुआरों को रिहा करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की जेल में एक भारतीय कैदी की मौत के बाद खबर आई है कि पाकिस्तान की सरकार 199 भारतीय मछुआरों को रिहा करने की तैयारी कर रही है। सद्भावना के तहत पाकिस्तान की सरकार इन भारतीय मछुआरों को जेल से रिहा करेगी। इन कैदियों को कराची की जेल से लाहौर भेजा जाएगा और लाहौर से इन कैदियों की वाघा बॉर्डर के जरिए वतन वापसी होगी।

12 मई को होगी रिहाई

कराची के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी काजी नजीर ने बताया कि संबंधित मंत्रालय से भारतीय कैदियों को रिहाई का आदेश आया है। 12 मई को इन कैदियों को रिहा कर लाहौर भेजा जाएगा। जिन कैदियों को रिहा किया जाएगा, वो पाकिस्तान की लंडी जेल में बंद हैं। बता दें कि पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय कैदी जुल्फिकार की हाल ही में एक अस्पताल में मौत हो गई थी। जुल्फिकार को तबीयत खराब होने पर कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया

था लेकिन वहां इलाज के दौरान भारतीय कैदी ने दम तोड़ दिया। जांच में पता चला कि फेफड़ों में संक्रमण के चलते कैदी की मौत हुई।

पाकिस्तान की जेलों में हालात खराब

पाकिस्तान की जेलों में कैदियों के कल्याण के लिए काम करने वाली पाकिस्तानी संस्था ईदी वेलफेयर ट्रस्ट भारतीय कैदियों को लाहौर ले जाने का इंतजाम करेगी। ट्रस्ट के अधिकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की जेलों में हालात बेहद खराब हैं और वहां डॉक्टरों और इलाज की भी समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसकी वजह से कैदी बीमार पड़ते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है।

ईरान हर 6 घंटे एक व्यक्ति को फांसी दे रहा: मानवाधिकार संगठन का दावा- 10 दिनों में 42 को दी जा चुकी मौत की सजा

तेहरान।

ईरान ने पिछले 10 दिनों में हर 6 घंटों में एक व्यक्ति को फांसी पर लटकाया है। इसका खुलासा ईरान ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट में किया गया है। इसमें बताया गया है कि ईरान में पिछले 10 दिनों में 42 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। मौत की सजा पाने वाले लोगों में ज्यादातर अल्पसंख्यक बलूच समुदाय के लोग हैं। दो दिन पहले ही ईरान और स्वीडन की दोहरी नागरिकता वाले व्यक्ति हबीब फराजोल्हा छाब को फांसी पर लटकाया गया था। इस पर आतंकवाद के आरोप थे, रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने 2020 में इसे स्वीडन से किडनैप किया था। 5 महीनों में 194 लोगों को मौत की सजा मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ने

2023 की शुरुआत से लेकर अब तक 194 लोगों को फांसी दी है। जबकि इनमें से केवल 2 फांसी की सजा को ही सार्वजनिक किया है। ज्यादातर मामलों में मौत की सजा पाने वाले लोगों पर ड्रग्स के मामलों से जुड़े आरोप थे। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान ने साल 2022 में भी 582 लोगों को फांसी की सजा दी थी। इनमें ईरान में खुफिया जानकारी देने के आरोप में देश के पूर्व उप रक्षा मंत्री अलिर्जा अकबरी भी शामिल थे. ये खुलासा भी दो मानवाधिकार संगठनों ने एक रिपोर्ट जारी कर किया गया था।इतनी बड़ी तादाद में लोगों को सजा ए मौत देने पर ईरान को फांसी देने की मशीन कहा गया था। मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान लोगों को प्रदर्शनों में हिस्सा लेने से रोकने के लिए उनमें मौत की सजा का डर पैदा कर रहा है। 4 लोगों को केवल हिजाब विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आधार पर फांसी दे दी गई थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले एक साल में ड्रग्स से जुड़े अपराधों में भी काफी लोगों को मौत की सजा दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को डर है कि कहीं ईरान ड्रग्स की आड़ में प्रदर्शनकारियों को तो सजा नहीं दे रहा है। इसकी वजह ये है कि 2022 में फांसी पर चढ़ाए गए 582 लोगों में 44प्रतिशत लोग ड्रग्स यानी नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े अपराधों के दोषी थे।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी के अगले दिन हुआ कॉन्सर्ट

स्पेशल गाउन पहनकर शामिल हुईं सोनम कपूर; विलियम बोले- पा आप पर गर्व है

लंदन।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी के दूसरे दिन विंस्डर कैसिल में कॉन्सर्ट का आयोजन हुआ। इसमें अमेरिकी सिंगर केटी पेरी, लायनल रिची, पॉप ग्रुप टेक दैट सहित कई सेलेब्रिटीज ने परफॉर्म किया। इस कॉन्सर्ट में 20 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए।

इंडियन एक्ट्रेस सोनम कपूर ने भी इस कॉन्सर्ट में शामिल हुईं। उन्होंने वर्चुअली होने वाले कॉमनवेल्थ देशों की परफॉर्मेंस को इंट्रोड्यूस किया। प्रोग्राम में सोनम ने स्पेशल गाउन पहना, जिसे भारत और ब्रिटेन के दो डिजायनरों ने मिलकर तैयार किया था।

विलियम बोले- पा आप पर गर्व है

विंस्डर कैसिल में हुए कॉन्सर्ट में किंग चार्ल्स, क्वीन कैमिला, प्रिंस विलियम, और बच्चे शामिल हुए। प्रिंस विलियम ने कॉन्सर्ट में कहा कि पा (पिता) हम सबको आप पर गर्व है। उन्होंने किंग चार्ल्स की पिछले 50 सालों के अचीवमेंट्स के बारे में भी बताया।

टॉम क्रूज और बेयर ग्रिल्स ने साझा किए मैसेज

इस कॉन्सर्ट को डाउनटाउन ऐबे फिल्म के स्टार ह्यू बॉनविल ने होस्ट किया। इसमें हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज, मैन वर्सेस वाइल्ड के मशहूर होस्ट बेयर ग्रिल्स और सिंगर सर टॉम जोन्स ने भी वर्चुअल मैसेज साझा किया। इसके अलावा रॉयल बैले, ओपेरा, रॉयल कॉलेज और रॉयल शेक्सपियर कंपनी ने साथ मिलकर परफॉर्मेंस दी।

ताजपोशी के बाद होस्ट किया प्राइवेट लंच

किंग चार्ल्स की ताजपोशी के बाद रॉयल फैमिली ने एक प्राइवेट लंच होस्ट किया। इसमें सिर्फ खास मेहमानों को ही शामिल किया गया। हालांकि, शाही परिवार ने मेहमानों की घोषणा नहीं की।

इसके अलावा पूरे ब्रिटेन में 2 दिन के अंदर करीब 67 हजार लंच पार्टी आयोजित की जाएंगी। हालांकि, इनमें से किसी भी पार्टी में किंग और क्वीन शामिल नहीं होंगे।

ब्रिटेन के सबसे बुजुर्ग राजा-रानी बने चार्ल्स-कैमिला

ब्रिटेन में 70 साल बाद ताजपोशी समारोह का आयोजन किया गया। शुरू हुई इस सेरेमनी में चार्ल्स और कैमिला को नए राजा-रानी घोषित किया गया। इसके साथ ही किंग चार्ल्स ब्रिटेन के अब तक के सबसे बुजुर्ग राजा बन गए। किंग चार्ल्स की उम्र 74 साल है। किंग-क्वीन का काफिला बकिंघम पैलेस से डायमंड जुबली स्टेट कोच से निकला। इसके बाद करीब 2 किलोमीटर की यात्रा करके काफिला वेस्टमिंस्टर ऐबे चर्च पहुंचा।

यहां 5 स्टेप्स में किंग की ताजपोशी की गई। सबसे पहले उन्हें किंग के तौर पर पहचान मिली। फिर आर्कबिशप ने चार्ल्स को शपथ दिलाई। इसके बाद उनका अभिषेक हुआ और फिर किंग चार्ल्स को सेंट एडवर्ड क्राउन पहनाया गया। आखिरी स्टेप में किंग और क्वीन अपनी राजगद्दी पर बैठे। 80 मिनट तक चली इस सेरेमनी के बाद किंग-क्वीन सुनहरे रथ में बैठकर बकिंघम पैलेस लौटे। इस दौरान ब्रिटेन के 5 हजार से ज्यादा सैनिकों ने मार्च पास्ट किया। ताजपोशी के बाद ब्रिटेन में अलग-अलग जगहों पर गन से सलामी दी गई।

एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट के साथ खत्म हुआ था समारोह

इसके बाद नए किंग-क्वीन के साथ रॉयल फैमिली के कुछ खास लोग परंपरा के मुताबिक रॉयल बालकनी में नजर आए। ताजपोशी समारोह का अंत ब्रिटेन के एयरफोर्स के फ्लाईपास्ट के साथ हुआ। पूरी सेरेमनी में दुनिया से कई सेलेब्रिटीज और करीब 200 देशों के पॉलिटिकल लीडर्स/रिप्रेजेंटेटिव्स शामिल हुए थे। ताजपोशी के दौरान चर्च में करीब 2200 लोग मौजूद थे। किंग चार्ल्स की ताजपोशी में 100 मिलियन पाउंड यानी करीब एक हजार करोड़ रुपए का खर्च आया। ये पैसा ब्रिटेन के टैक्सपेयर्स की ही जेब से लिया गया है। इसमें रॉयल खजाने का इस्तेमाल नहीं हुआ।

जयपुर बम ब्लास्ट की बरसी पर भाजपा करेगी धरना-प्रदर्शन और हनुमान चालीसा का पाठ

जयपुर (हिंस)। जयपुर शहर में 13 मई 2008 को विभिन्न स्थानों पर हुए सीरियल बम ब्लास्ट की पंद्रहवीं बरसी पर भारतीय जनता पार्टी शहर के सभी 250 वार्डों में धरना- प्रदर्शन और हनुमान चालीसा का पाठ करेगी। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने सोमवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने जयपुर ब्लास्ट इंसाफ मांगे राजस्थान नाम से पोस्टर भी जारी किया। उन्होंने अभियान से जुडने के लिए मिस्ड कॉल के लिए टोल फ्री नंबर जारी करते हुए शनिवार को प्रदेशभर में ट्वीटर पर हैश टैग चलाने की अपील भी की। उन्होंने प्रदेश की गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जयपुर बम धमाकों के दौरान देश में पांच बडे बम धमाके हुए थे, जिसमें से समझौता एक्सप्रेस, मालेगांव बम ब्लास्ट, हैदराबाद मक्का मस्जिद ब्लास्ट, अजमेर दरगाह बम ब्लास्ट मामले और जयपुर बम ब्लास्ट, इनमें से जयपुर

बम ब्लास्ट के अलावा चारों मामलों में जांच एनआईए को सौंपी गई। वहीं जयपुर ब्लास्ट मामले में इंडियन मुजाहिदीन के आतंकियों को बचाने के लिए गहलोत सरकार ने एसआईटी का गठन कर उसे जांच सौंप दी, जिससे बम कांड से जुड़े तथ्य सही से नहीं जुटाए गए जिसके चलते सभी आरोपी उच्च न्यायालय से बरी हो गए। कांग्रेस की तुष्टिकरण की मंशा साफ स्पष्ट होती है। चतुर्वेदी ने जयपुर ब्लास्ट की पैरवी के संबंध में कहा कि इस मामले को लेकर न्यायालय में 48 पेशियां लगी, लेकिन सरकार की ओर से किसी भी तारीख पर मजबूत पैरवी के लिए वकील नहीं भेजे गए। वहीं जब बात अफजल को बचाने की आती है तो कांग्रेस रात 12 बजे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाती है। कांग्रेस नेता और वकील अभिषेक मनु सिंघवी आतंकियों के मामले में आगे आकर पैरवी करते हैं, जबकि अन्य मामलों में चुप्पी साध लेते हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह पर भगवा आतंकवाद जैसे नारे देने का आरोप भी लगाया। प्रेस कांफ्रेस में अरुण चतुर्वेदी ने गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सभी दोषियों को बरी हुए एक माह से ज्यादा समय हो गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर नहीं की गई, जबकि भाजपा ने दो पीड़ित परिवारों के साथ जाकर एसएलपी दायर करने में सहयोग किया। पत्रकार वार्ता में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा और शहर जिला अध्यक्ष राघव शर्मा भी मौजूद थे।

पदमपुर पालिका उप चुनाव : वार्ड 21 में भाजपा की जीत

श्रीगंगानगर (हिंस)। पदमपुर नगर पालिका के वार्ड नंबर 21 के उपचुनाव में भाजपा की नीलम शर्मा ने कांग्रेस की कंचन बदरा को सोलह वोट से हराकर जीत हासिल की। यह उपचुनाव भाजपा-कांग्रेस की प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ था। आज जैसे ही चुनाव परिणाम घोषित हुआ तो भाजपा कार्यकर्ता खुशी से झूम उठे। नीलम शर्मा की जीत से भाजपा ने इस वार्ड में अपना वर्चस्व बरकरार रखा। इससे पहले आम चुनाव में भाजपा की काजल सोनी भारी मतों से विजय हुई थी। काजल सोनी का बैंक की सरकारी सेवा में चयन होने पर उन्होंने त्याग पत्र दे दिया था। उनके त्याग पत्र देने के बाद यह पद रिक्त चला आ रहा था। इस उपचुनाव में रविवार को मतदान हुआ था। मतदान में कुल 704 वोट पोल हुए। इससे पहले यह उपचुनाव 25 नवंबर को होना था। मगर वार्डवासियों और विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के हस्तक्षेप के बाद इस उपचुनाव को स्थगित कर दिया गया था।

सूरतगढ़ में मिग-21 विमान दुर्घटना पर राज्यपाल की शोक-संवेदना

जयपुर, आठ मई (हि.स.)। राज्य सरकार द्वारा मणिपुर में फंसे छात्रों के राजस्थान लाने के लिए इंडिगो एयरलाइन्स के माध्यम से दो विशेष उड़ानों की व्यवस्था की गई है। सोमवार सुबह पहली फ्लाइट में 36 और दूसरी फ्लाइट में 46 छात्र इंफाल से कोलकाता के लिए रवाना हुए। इनमें से 26 स्टूडेंट्स इंडिगो फ्लाइट से कोलकाता से जयपुर के लिए रवाना होकर शाम पांच बजे जयपुर पहुंचेंगे। उसके बाद 25 स्टूडेंट्स शाम छह बजकर पच्चीस मिनिट पर इंडिगो फ्लाइट से कोलकाता से जयपुर के लिए रवाना होकर शाम आठ बजकर चालीस मिनिट पर जयपुर पहुंचेंगे। शेष समस्त स्टूडेंट्स अगले दिन दो बजकर पचास मिनिट 2.50 बजे इंडिगो फ्लाइट से कोलकाता से जयपुर के लिए रवाना होकर शाम पांच बजे जयपुर पहुंचेंगे। कोलकाता एयरपोर्ट पर इन स्टूडेंट्स को राजस्थान सरकार की तरफ से सहायक निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग हिंगलाज दान रतनू द्वारा रीसीव कर फूलमालाओं से स्वागत किया गया और उनके नाश्ते आदि की व्यवस्था एयरपोर्ट पर ही की गई। जो स्टूडेंट्स आज कोलकाता रुककर कल आएंगे, उनके लिए कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी समाज सेवी प्रह्लाद राय गोयनका के सहयोग से रहने और खाने की व्यवस्था की जा रही है। सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी (सीएयू) में अध्ययनरत कुछ छात्र जिनकी परीक्षाएं अगले 2-3 दिनों में निर्धारित थी। उनके संबंध में भवानी सिंह देथा, प्रमुख सचिव, हायर एजुकेशन ने वीसी, सीएयू से वार्ता की है, उन्होंने अवगत कराया कि ये परीक्षाएं स्थगित हो गई हैं। इन बचे हुए स्टूडेंट्स को भी अगली कमर्शियल फ्लाइटस से वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा, जो स्टूडेंट्स इन स्पेशल फ्लाइटस से आने से किसी भी कारण से वंचित रह गए हैं, उन्हे भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशानुसार कमर्शियल फ्लाइटस से लाया जाने के प्रयास किया जा रहे हैं।

अमृतसर के विरास्ती मार्ग पर फिर धमाका, पंजाब पुलिस ने शुरू की जांच

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर के विरास्ती मार्ग पर सोमवार सुबह फिर से धमाका होने से लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। पिछले 36 घंटे में अमृतसर के विरास्ती मार्ग पर दूसरी बार यह धमाका हुआ है। पंजाब पुलिस मामले की जांच कर रही है। पंजाब पुलिस ने ट्वीट कर कहा कि शरारती तत्वों और अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। पंजाब पुलिस ने ट्वीट किया कि *अमृतसर विस्फोट मामले में सच्चाई का पता लगाने के लिए पंजाब पुलिस वैज्ञानिक और फॉरेंसिक जांच कर रही है।* पुलिस ने राज्य में कानून व्यवस्था और सद्भाव कायम रखने और शरारती तत्वों व अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटने

की बात कही है। पुलिस ने स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में होने का दावा करते हुए नागरिकों और मीडिया से अनुरोध किया है कि वे आधिकारिक स्रोतों से तथ्यों की जांच करें।

महिला पहलवानों के समर्थन में जयपुर में आप का पैदल मार्च

जयपुर (हिंस)। दिल्ली के जंतर मंतर पर पिछले 15 दिनों से धरना दे रही देश की पहलवान बेटियों के समर्थन में आम आदमी पार्टी राजस्थान ने केंद्र की मोदी सरकार पर हल्लाबोला। सोमवार को जयपुर में आप कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष नवीन पालीवाल के नेतृत्व में स्पोर्ट्समैन के साथ शहीद स्मारक से अल्बर्ट हॉल तक पैदल मार्च निकाला। पालीवाल ने कहा कि जंतर-मंतर पर बेटियां इंसाफ की आस में धरने पर बैठी हैं, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार अभी तक आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने के मूड में नजर नहीं आ रही है। पालीवाल ने कहा कि बेटियों के समर्थन में अब धीरे-धीरे पूरा देश एकजुट हो रहा है, लेकिन बेटी बचाओ का नारा देने वाली सरकार अपनी कुंभकरणीय नींद से जागने को तैयार नहीं है। इससे ये जाहिर होता है कि भाजपा अपने नेता को बचाने के लिए पुलिस को मोहरा बना रही है। आप के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अगर मोदी सरकार चाहती तो देश का सिर गर्व से ऊंचा करने वाली बेटियां आज धरने पर नहीं बैठी होतीं। उन्होंने कहा कि देश के लिए रिंग में उतरने वाली बेटियों को आज अपने ही देश में इंसाफ के लिए धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ रहा है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या होगा? बेटियों ने मैडल जीतकर दुनिया में भारत का नाम रोशन किया और प्रधानमंत्री भी गौरवांवित महसूस कर रहे थे, तो आज ऐसी क्या मजबूरी आ गई है, जो आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर कार्रवाई करने से बच रहे हैं? नवीन पालीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी हमेशा से ही प्रतिभाशाली लोगों का सम्मान करती है, और ये मामला उन प्रतिभाशाली महिलाओं से जुड़ा है जिन्होंने दुनिया में देश का मान बढ़ाया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीजेपी बृजभूषण शरण सिंह को पार्टी से निष्कासित कर तुरंत प्रभाव से गिरफ्तार करके जेल भेजें। आम आदमी पार्टी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सीपी राव ने कहा कि कि वैसे तो पीएम नरेंद्र मोदी देश से मन की बात करते हैं, लेकिन अब जब देश का मान बढ़ाने वाली बेटियां इंसाफ की मांग कर रही हैं तो वो चुप्पी साधे हुए हैं, जबकि इस समय प्रधानमंत्री को पहलवानों से बात करनी चाहिए और अपने सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेजना चाहिए। खेल प्रकोष्ठ जयपुर की जिलाध्यक्ष शारदा चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार और भाजपा को ये समझना चाहिए कि जो महिला रिंग उतरकर देश का नाम रोशन कर सकती है, वो महिला बिना इंसाफ लिए धरने से उठने वाली नहीं है, इसलिए सरकार को समय रहते न्याय करना चाहिए, वरना आम आदमी पार्टी पहलवानों के समर्थन में सड़क पर उतरने को मजबूर होगी।

सांसद रमेश कौशिक ने स्पेशल महिला ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

सोनीपत (हिंस)। महिला स्पेशल ट्रेन को सांसद रमेश कौशिक ने सोमवार को रेलवे स्टेशन सोनीपत पर हरी झण्डी दिखाकर दिल्ली के लिए रवाना किया।

सांसद ने करोना के समय बंद होने के बाद दोबारा से महिला रेलयात्री फिर से महिला स्पेशल ट्रेन आरंभ होने से दिल्ली की ओर अपने कामकाज तथा पढ़ाई के लिए महिला स्पेशल ट्रेन एक वरदान बनेगी। सांसद ने कहा कि सोनीपत रेलवे स्टेशन को मॉडर्न व अत्याधुनिक बनाने के लिए लगभग 25 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। केएमपी के साथ-साथ पलवल-खरखौदा-हरसाना-सोनीपत रेलवे लाईन का निर्माण किया जा रहा है। शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन का सोनीपत ठहराव करवाया गया, अन्य सरकारों की तुलना में भाजपा सरकार में रेलवे का ज्यादा विकास हुआ है। ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राई क्षेत्र से विधायक मोहनलाल बड़ौली ने हरियाणा में रेलवे द्वारा सभी रेलवे लाईनों का शत प्रतिशत विद्युतीकरण किया गया है। विद्युतीकरण होने से पर्यावरण स्वच्छ होने में सहयोग मिलेगा। गन्नौर क्षेत्र की विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि स्पेशल महिला ट्रेन शुरू होने से महिलाओं को सुरक्षा के साथ-साथ दिल्ली आने जाने की खास सहुलियत रहेगी।

कश्मीर घाटी में आया 3.1 तीव्रता का भूकंप

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर घाटी में सोमवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.1 रही। हालांकि, भूकंप के कारण कहीं से भी किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र बारामूला जिले में था और भूकंप जमीन से 10 किमी की गहराई में दोपहर 02:28 बजे आया। विशेषज्ञों ने क्षेत्र में एक बड़े भूकंप की चेतावनी दी है। भूकंप के कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, भूकंप का झटका महसूस होते ही कई लोग अपने घरों, दुकानों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों से बाहर निकल आए और कुछ देर तक खुले में ही रहे।

पीएनबी बैंक फ्रॉड को लेकर ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

डीसी को दिया गृह मंत्री, वित्त मंत्री व आरबीआई गवर्नर के नाम ज्ञापन

कैथल (हिंस)। गांव नोच के पंजाब नेशनल बैंक में पूरे 3 करोड़ रुपए से अधिक के फ्रॉड में किसी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई ना होने से नाराज गांव के लोग सोमवार को लघु सचिवालय पहुंचे। बैंक कर्मचारियों द्वारा ठगे गए ग्रामीणों ने अपनी रकम की रिकवरी व बैंक कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर डीसी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन की एक-एक प्रति केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, आरबीआई के गवर्नर शशिकांत दास व एसपी कैथल को भी भेजी गई है। ाापन में कहा गया है कि वे सभी पंजाब नेशनल बैंक ब्रांच नौच के ग्राहक हैं। इस ब्रांच के कर्मचारियों ने ग्रामीणों के साथ करोड़ों रुपए का फ्रॉड किया है। शुरू में तो ग्रामीणों को इसका पता नहीं चला लेकिन जब ग्रामीणों को मालूम हुआ तब तक सभी कर्मचारी हाथ खड़े कर चुके थे। कर्मचारियों ने मिलकर बैंक के साथ ग्रामीणों के 10 करोड़ का फ्रॉड किया है। इस फ्रॉड में ब्रांच मैनेजर मुकेश कुमार, असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर, खुराना निवासी क्लर्क राजीव व जिला जींद के सैड्डा माजरा गांव निवासी कैसियर

रामबीर शामिल है। फ्रॉड उजागर होने के 7 दिन बाद भी बैंक के कर्मचारियों पर प्रशासन ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पुलिस प्रशासन और बैंक के बड़े अधिकारियों ने आज तक उन्हें कोई आश्वासन नहीं दिया। जिससे उनके रुपयों की रिकवरी हो सके। पंजाब नेशनल बैंक ब्रांच नौच के कर्मचारियों का इसमें पूरा पूरा हाथ है। उनकी मांग है कि दौड़ में शामिल कर्मचारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए और उनके रुपयों की रिकवरी की जाए।

नर्सिंग और पैरामेडिकल के 326 पद होंगे सृजित

जयपुर (हिंस)। डूंगरपुर, भरतपुर, चूरू, सीकर, भीलवाड़ा, बाड़मेर एवं पाली चिकित्सा महाविद्यालय में नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिए 326 पदों का सृजन होगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार उक्त पद राजस्थान कांट्रेक्चुअल हायरिंग टू सिविल पोस्ट रूल्स-2022 के अनुसार लिए जाएंगे। इनमें 18 प्रकार के कुल 326 पदों को भरा जाएगा। साथ ही, 4 प्रकार की सेवाओं के 58 पद जॉब बेसिस पर लिए जाएंगे। गहलोत के इस निर्णय से चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों में सुगमता आएगी तथा विद्यार्थियों को राहत मिल सकेगी।

खिलाड़ियों की खान है हमारा हरियाणा : सुंदर लाल यादव

गुरुग्राम (हिंस)। नगर निगम मानेसर के गांव शिकोहपुर में ओकिनावा ओपन कराटे कप-2023 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें 4 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक लगभग 300 बच्चे देशभर से खेलने पहुंचे। सभी खिलाड़ियों को सरपंच सुन्दर लाल यादव और संजय यादव एमडी फिल्बी रियल इस्टेट की तरफ से मेडल और ट्राफी भेट कर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और सम्मान किया। इस अवसर पर सरपंच सुन्दर लाल यादव ने कहा हरियाणा खिलाड़ियों की खान है। यहां एक से एक बढ़कर खिलाड़ी देश को दिए हैं। खिलाड़ियों ने हरियाणा का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को आपसी प्रेम की भावना से खेलने के लिए प्रेरित किया। सुंदर लाल यादव ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने खेलों व खिलाड़ियों के उत्थान के लिए काफी सराहनीय कार्य किए हैं। शिकोहपुर गांव के पूर्व सरपंच श्योचंद यादव ने

कहा कि देश भर से आए सभी खिलाड़ी का हम अपने गांव शिकोहपुर में पहुंचने पर स्वागत किया। इस तरह की प्रतियोगिता आगे भी भविष्य में होती रहनी चाहिए। शिकोहपुर गांव इस तरह के आयोजन के लिए सदा आगे रहेगा। सभी खिलाड़ियों और कोच को विजयपाल सरपंच नाहरपुर, हरजस सरपंच रामपुरा, पंकज यादव रामपुरा, दयाराम चेयरमेन नरेंद्र (मोगली), हरीश यादव, दीपक यादव, पवन यादव, राहुल यादव (मनसा), गोल्डन यादव, नवीन यादव (काला) सहित इस टूर्नामेंट के आयोजक आशीष यादव और दीपक यादव मौजूद रहे। फिल्बी रीयल इस्टेट के एमडी संजय यादव ने टूर्नामेंट के आयोजक आशीष यादव और दीपक यादव को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करने के लिए निवेदन किया। साथ ही फिल्बी रियल इस्टेट बच्चों को खेलों में बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन को अपना समर्थन देता रहेगा।

दलित दूल्हे की घोड़ी पर बिंदोली निकालने पर हुआ विवाद, 27 जनों के खिलाफ मामला दर्ज

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के लाठियों का खेड़ा गांव में दलित दूल्हे की घोड़ी पर बिंदोली निकालने पर विवाद का मामला सामने आया है। रविवार देर रात को यहां गांव में रमन बैरवा की बिंदोली निकली थी। इस दौरान कई ग्रामीणों ने बीच रास्ते में ही बिंदोली को रुकवा कर बीच रास्ते में परिजनों के साथ जमकर अभद्रता कर दी। इस दौरान दूल्हे रमन बैरवा को ग्रामीणों द्वारा चांटा मारने की बात भी सामने आ रही है। इसके बाद यहां विवाद और बढ़ गया। शाहपुरा थाना प्रभारी राजकुमार नायक मय जाब्ते के गांव में डेरा डाले हुए है। घटना की सूचना मिलने पर शाहपुरा पुलिस उपाधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा व थाना प्रभारी राजकुमार मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे। इसके बाद देर रात को पुलिस सुरक्षा में दूल्हे की बिंदोली निकाली गई। दूल्हे ने घोड़ी पर बैठकर भीमराव अंबेडकर के चित्र को अपने साथ में रख परिजनों व मित्रों की मौजूदगी में गांव में बिंदोरी निकाली। सोमवार सुबह शाहपुरा थाने में दूल्हे रमन बैरवा की तरफ से 27 जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। शाहपुरा थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर रखा है। पुलिस कार्रवाई होने के बाद गांव में अभी भी दहशत का माहौल बना हुआ है। दूल्हे रमन की सोमवार को बारात खामोर गांव के लिए जाएगी। पुलिस उपाधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा ने बताया कि पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है। मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी राजकुमार नायक ने बताया कि बिंदोली को सुरक्षित तरीके से निकालने के बाद गांव में हालात सामान्य है। किसी भी प्रकार का अभी कोई विवाद नहीं है। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक शाहपुरा कर रहे है, उनके द्वारा आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ट्रेलर की टक्कर से पिकअप में सवार दो लोगों की मौत, 10 गंभीर रूप से घायल

सिरोही (हिंस)। आबूरोड के रीको थाना क्षेत्र के चंद्रावती में सोमवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दस लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रीको थाना अधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और अविलंब घायलों को एंबुलेंस की मदद से राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। हादसा आबूरोड के रीको थाना क्षेत्र के चंद्रावती कट के पास हुआ। यहां एक ट्रेलर ने सवारियों से भरी पिकअप को टक्कर मार दी, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दुर्घटना में जख्मी दस लोगों को एंबुलेंस की मदद से राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां सभी का उपचार चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त पिकअप पाली से गुजरात की ओर जा रही थी। तभी चंद्रावती कट के पास ट्रेलर ने पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद काफी देर तक घायल पिकअप में फंसे रहे, जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना गया। हादसे की सूचना के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिन्होंने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतकों के शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। साथ ही घायलों को इलाज के लिए राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया है। रीको थानाधिकारी सुरेश चौधरी ने बताया कि हादसे में तलसाराम (60) पुत्र बालु निवासी मानपुरा भाकरी और शनु (35) पत्नी कालु निवासी मानपुरा भाकरी की मौके पर ही मौत हो गई।

एडीजीपी श्रीकांत जाधव के मार्गदर्शन में निकली नशा मुक्त रैली

हिसार (हिंस)। चिड़ौद गांव के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में न्यू जनरेशन सोशल वेलफेयर सोसायटी, डॉ. भीमराव अंबेडकर युवा क्लब, ग्राम पंचायत चिडौद व ग्रामीणों संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को नशा मुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एडीजीपी श्रीकांत जाधव टीम से संबंधित थाना इंचार्ज आजाद नगर से एसएचओ रमेश कुमार व कार्यालय प्रवक्ता सज्जन कुमार, एएसआई सीमा रानी, एसआई हवा सिंह, एचएससी सुमन रानी व एचएससी विजय कुमार ने शिरकत की। सज्जन कुमार ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है। इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा, तभी हम इस अभिशाप को जड़ से खत्म कर सकते हैं। नशा शरीर के लिए खतरनाक है, वहीं अपराध का मुख्य कारण भी नशा है। नशा मुक्त, अपराध

मुक्त समाज की स्थापना करने के लिए हमें एक दूसरे को सहयोग देना होगा। न्यू जनरेशन सोशल वेलफेयर की चेयरपर्सन अनिता क्रांति ने बताया कि नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए हम सभी को आगे आना होगा। नशा परिवार को तोड़ता है, नशा समाज को भी दूषित करता है। ऐसे में हम सभी का दायित्व है कि समाज को नशा मुक्त करने के लिए हम सभी अपने-अपने स्तर पर काम करें। कार्यक्रम के तहत गांव में रैली का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस प्रशासन, युवा क्रांति क्लब, न्यू जनरेशन सोशल वेलफेयर सोसायटी के सभी सदस्य, ग्रामीण व स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने नशा विरोधी नारे लगाते हुए, नशे से दूर रहने को कहा और नशे से होने वाली हानियों के बारे में भी बताया। इस प्रोग्राम में नशे के विरोध में पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय आने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि चिडौद मोलूराम ने एडीजीपी की टीम को समय-समय पर गश्त करते रहने के लिए आग्रह किया। क्लब प्रधान संदीप भारती व सचिव सुनील नामदेव ने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की।

कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन, नैनो और एआई तकनीक का होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली।

भारतीय किसान उर्वरक सहकारी (इफको) कृषि विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के तकनीकी सहयोग से अखिल भारतीय स्तर पर ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके नैनो यूरिया व नैनो डीएपी जैसे नैनो उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने की योजना बना रहा है। ड्रोनएआई एक एकीकृत कार्यक्रम है जो ड्रोन, नैनो, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मोबाइल प्रौद्योगिकियों के संयोजन से नैनो उर्वरकों व अन्य कृषि रसायनों चरणबद्ध अनुप्रयोग को बढ़ावा देता है।

खेती में किसान ड्रोन और एआई आधारित तकनीक का कर सकेंगे इस्तेमाल – किसान अपने मोबाइल ऐप के माध्यम से इन उन्नत तकनीकों का उपयोग कर सकते हैं। यह तकनीक छिड़काव को कुशल, लागत प्रभावी और सुरक्षित बना देगा। इसके इस्तेमाल से किसान छिड़काव करते समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित सॉफ्टवेयर फसल की वृद्धि और स्वास्थ्य का पता लगा सकता है। इससे किसानों को स्मार्ट खेती की ओर बढ़ने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस एक सफल ड्रोन छिड़काव प्रणाली का निर्माण करना, ग्रामीण युवाओं व किसानों के साथ समन्वय से प्रणाली को संचालित करना और उन्हें उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित करना है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता को बढ़ावा मिल सके।

नई तकनीक के प्रयोग से स्मार्ट खेती की ओर बढ़ेंगे किसान – ड्रोन, उनके परिवहन वाहन और सुरक्षित उड़ान से संबंधित सभी अनिवार्य प्रोटोकॉल इस प्रक्रिया में अंतर्निहित हैं और किसान अनुकूल मोबाइल ऐप की मदद से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में एकीकृत ड्रोन तकनीक को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह किसानों को स्मार्ट खेती की ओर बढ़ने में मदद करेगा। ड्रोनएआई खेती में ड्रोन प्रौद्योगिकी की प्रभावी ढंग से निगरानी और मार्गदर्शन करने में मदद करेगा और किसानों को कम लागत पर बड़े क्षेत्रों में सुरक्षित रूप से नैनो उर्वरक और कृषि रसायन का स्प्रे करने को बढ़ावा देगा।

न्यूज ब्रीफ

आर्थिक विकास दर में भारत के बराबर, फिर क्यों आईएमएफ ने जताई बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पर चिंता

ढाका। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के हालात पर चिंता जाहिर की है। हाल ही में आईएमएफ की एक टीम ने 25 अप्रैल से सात मई तक बांग्लादेश की राजधानी ढाका का दौरा किया था। यहां दोनों पक्षों के बीच बांग्लादेश के आर्थिक कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। हालांकि, दौरे के आखिर में आईएमएफ की ओर से जो बयान जारी हुआ, उसने बांग्लादेश की चिंता बढ़ा दी है। एजेंसी ने देश के कुछ व्यापक आर्थिक सूचकांकों को लेकर आगाह किया। आईएमएफ ने कहा कि लगातार जारी महंगाई के दबाव, वैश्विक आर्थिक स्थिति में आ रहे बदलाव और बांग्लादेश के अधिकतर व्यापारिक साझेदारों की अर्थव्यवस्था में आ रहा धीमापन उसके विकास पर भी असर डाल रहा है। साथ ही इसका बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार और उसकी मुद्रा टका पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है। हालांकि, आईएमएफ ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को लेकर कुछ सकारात्मक पक्ष भी रखे हैं। एजेंसी ने कहा है कि इन चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश इस वक्त एशिया-प्रशांत क्षेत्र की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश का विदेश मुद्रा भंडार इस वक्त छह साल के निचले स्तर पर है। गौरतलब है कि आईएमएफ की टीम ने बांग्लादेश में उसके गवर्नर अब्दुर राउत तालुकदार, वित्त सचिव फातिमा यास्मीन और बांग्लादेश बैंक के बड़े अधिकारियों और सरकारी अफसरों से मुलाकात की थी। गौरतलब है कि वित्त वर्ष 2022 में बांग्लादेश की जीडीपी में 7.10 फीसदी की वृद्धि देखी गई, जो कि वित्त वर्ष 2021 के 6.94 फीसदी से ज्यादा रही। दूसरी तरफ बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय (जीडीपी के आधार पर) में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 2021 के 2591 डॉलर के मुकाबले 2022 में 2793 डॉलर पर पहुंच गई।

बीमा कंपनियों के लिएसख्त होंगे मीडिया विज्ञापनों के नियम, समिति का होगा जिम्मा

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडाई) बीमा कंपनियों के मीडिया

विज्ञापनों के लिए नियमों को सख्त करने पर विचार कर रहा है। नियामक ने प्रस्ताव में कहा, उत्पाद प्रचार के लिए मीडिया अभियानों को तैयार करने व मंजूरी देने का जिम्मा बीमा कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन का है। इस पर 25 मई तक हितधारकों से सुझाव मांगे हैं। इरडाई ने बीमा विज्ञापन खुलासा नियमन, 2021 में संशोधन का प्रस्ताव किया है। इसके तहत, प्रत्येक बीमा कंपनी को कम से कम तीन सदस्यों वाली विज्ञापन समिति बनानी होगी।ये सदस्य मार्केटिंग, एक्चूरियल और अनुपालन विभाग से होंगे। इसका उद्देश्य ग्राहकों के लिए विज्ञापनों को तैयार करने और उन्हें मंजूरी देते समय वरिष्ठ प्रबंधन को जवाबदेह ठहराना है। इस कमिटी को उत्पाद प्रबंधन कमिटी को जवाब देना होगा। विज्ञापन कमिटी की सिफारिशों की जांच उत्पाद प्रबंधन कमिटी करेगी व उसके पास विज्ञापनों को मंजूरी देने या खारिज करने का अंतिम अधिकार होगा। उत्पाद प्रबंधन कमिटी और विज्ञापन कमिटी मंजूर विज्ञापनों को जारी करने के लिए पूरी तरह से जवाबदेह और जिम्मेदार होगी।

अमेरिका-यूरोप बढ़ती महंगाई से परेशान, भारत बना नजीर, दुनियाभर में हो रही तारीफ

नई दिल्ली। आज बढ़ती खाद्य महंगाई दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। खासकर

विकसित देश भी बढ़ती महंगाई से त्रस्त दिख रहे हैं। हालांकि भारत ऐसे समय में पूरी दुनिया के लिए नजीर बना हुआ है, जहां महंगाई काबू में है। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार, भारत में इस साल मार्च में महंगाई दर 4.79 प्रतिशत रही, जबकि बीती फरवरी में यह 5.95 प्रतिशत और बीते साल मार्च में 7.68 प्रतिशत थी। भारत ने जहां महंगाई को काबू कर दुनिया के सामने एक नजीर पेश की है, वहीं दुनिया के विकसित देशों समेत कई देश बढ़ती महंगाई से परेशान हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में महंगाई दर क्रमशः 8.5 प्रतिशत, 19.1 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत है। वहीं लेबनान, वेनेजुएला, अर्जेंटीना और जिम्बाब्वे में यह क्रमशः 352 प्रतिशत, 158 प्रतिशत और 102 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में महंगाई बढ़ी है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य प्रोफेसर शामिका रवि ने वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स के आंकड़े शेयर करते हुए भारत की तारीफ की। बता दें कि जिन देशों में सबसे कम महंगाई है, भारत उनमें शामिल है।

हायर-पेंशन के लिए 26 जून तक कर सकते हैं अप्लाय

इस ऑप्शन को चुनने से बढ़ जाएगी पेंशन

नई दिल्ली।

रिटायरमेंट फंड बॉडी ईपीएफओ ने हायर पेंशन का ऑप्शन चुनने के लिए आवेदन की तारीख 3 मई से बढ़ाकर 26 जून 2023 कर दी है। हायर पेंशन के लिए ईपीएफओ को अब तक 12 लाख से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। एम्प्लॉयर्स, एम्प्लॉइज और उनकी एसोसिएशन की ओर से लगातार तारीख बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इन मांगों पर विचार करने के बाद ये फैसला लिया गया है। ईपीएफओ चाहता है कि उसके सब्सक्राइबर्स को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। ऐसे में यहां हम हायर पेंशन ऑप्शन के लिए अप्लाय करने की पूरी प्रोसेस और एलिजिबिलिटी के बारे में विस्तार से बता रहे हैं।

हर ईपीएफओ मेंबर के दो अकाउंट होते हैं:

1. कर्मचारी भविष्य निधि
2. कर्मचारी पेंशन योजना

हर महीने एम्प्लॉई की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता से 12प्रतिशत रकम काटकर ईपीएफओ अकाउंट में जमा की जाती है। इतनी ही राशि एम्प्लॉयर भी एम्प्लॉई के अकाउंट में जमा करता है। हालांकि, एम्प्लॉयर का पूरा योगदान ईपीएफओ अकाउंट में नहीं जाता। एम्प्लॉयर के 12प्रतिशत योगदान का बड़ा हिस्सा ईपीएफओ और एक हिस्सा ईपीएफओ अकाउंट में जाता है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 यानी ईपीएफओ -95 को 16 नवंबर 1995 को लागू किया गया था। ईपीएफओ अकाउंट में मैक्सिमम कॉन्ट्रीब्यूशन के लिए 1 सितंबर 2014 से पहले 5000/6500 रुपए का कैप था। इसके बाद कैप बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया। 16.11.1995 से 07.10.2001 तक पेंशन कैप 5,000 रुपए था। यानी मैक्सिमम 417 रुपए ही ईपीएफओ अकाउंट में जा सकते थे। 08.10.2001 से 31.08.2014 तक पेंशन कैप 6,500 रुपए था। यानी मैक्सिमम 541 रुपए ही अकाउंट में जा सकते थे। 01.09.2014 से आज तक। पेंशन कैप 15000 रुपए कर दिया गया। यानी मैक्सिमम 1250 रुपए पेंशन फंड में जा सकते हैं।

इसे एक उदाहरण से समझते हैं:

मान लीजिए कि आप जनवरी 2010 में स्कीम में शामिल हुए हैं। सैलरी (बेसिक + डीए) 20,000 रुपए थी। तो योजना में शामिल होने की तारीख से 31 अगस्त 2014 तक मंथली कॉन्ट्रीब्यूशन कुछ ऐसा होता: 6,500 रुपए का 8.33प्रतिशत = 541 रुपए। नियमों में बदलाव

के बाद 1 सितंबर 2014 से योगदान: 15,000 रुपए का 8.33प्रतिशत = 1250 रुपए। यानी आपकी सैलरी 20,000 रुपए थी तब भी पेंशन फंड में कॉन्ट्रीब्यूशन कैप के हिसाब से होता। मार्च 1996 में 95 के पैरा 11(3) में एक प्रावधान जोड़ा गया। इसमें ईपीएफओ मेंबर्स को अपने पेंशन कॉन्ट्रीब्यूशन में पूरी सैलरी (बेसिक + महंगाई भत्ता) के 8.33प्रतिशत तक बढ़ाने की अनुमति दी गई। यानी उन्हें ज्यादा पेंशन पाने का मौका दिया गया। ईपीएफओ ने कर्मचारियों को हायर पेंशन योगदान के लिए जॉइंट ऑप्शन फॉर्म दाखिल करने के लिए केवल छह महीने का समय दिया था। जिन लोगों ने इस ऑप्शन को चुना था उनकी पूरी सैलरी का 8.33प्रतिशत कॉन्ट्रीब्यूशन पेंशन फंड में 31 अगस्त 2014 तक जाता रहा। नियमों में बदलाव के बाद 1 सितंबर 2014 से पहले ईपीएफओ में शामिल हुए सभी लोगों को हायर पेंशन ऑप्शन चुनने का मौका दिया गया। इसके लिए 6 महीने की डेडलाइन तय की गई। आखिरी तारीख 28/02/2015 थी। कई कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि हायर पेंशन के लिए उन्हें जॉइंट ऑप्शन चुनना है। कुछ ने कहा कि जॉइंट ऑप्शन चुनने के बाद भी उनके फॉर्म को रिजेक्ट कर दिया गया। ऐसे में कई कर्मचारी सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में 4 बड़ी बातें कही

जो लोग 01/09/2014 को सर्विस में थे। उन्होंने जॉइंट ऑप्शन चुना, लेकिन रिजेक्ट हो गया। वो हायर पेंशन ऑप्शन चुन सकते हैं। जो लोग 01/09/2014 को सर्विस में थे और उन्होंने जॉइंट ऑप्शन नहीं चुना, ऐसे लोग भी हायर पेंशन के लिए क्लेम कर सकते हैं। जो लोग 01/09/2014 से पहले रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने जॉइंट ऑप्शन चुना, लेकिन रिजेक्ट हो गया वे भी इसके लिए एलिजिबल हैं। जो लोग 01/09/2014 से पहले रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने जॉइंट ऑप्शन नहीं चुना। ऐसे लोग हायर पेंशन के लिए क्लेम नहीं कर सकते।

हायर पेंशन चुनने से क्या बदलेगा

हायर पेंशन का ऑप्शन चुनने पर रिटायरमेंट के बाद मिलने वाला लमसम अमाउंट घट जाएगा, लकिन पेंशन बढ़ जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस योजना के फायदे और नुकसान दोनों हैं। अगर नौकरी में कुछ साल ही बचे हैं तो कर्मचारी का फोकस एकमुश्त राशि पर होना चाहिए। अगर नौकरी में अभी और साल बाकी हैं तो हायर पेंशन को एक विकल्प के तौर पर देखा जा सकता है। नीचे दिए एक कैलकुलेशन से इसे समझते हैं: इससे साफ है कि हायर पेंशन ऑप्शन में पेंशन फंड में ज्यादा रुपए जमा होंगे। यानी ऐक्स्ट्रा अमाउंट (8330-1250= 7,080) रुपए एम्प्लॉई के अकाउंट में पूरे सर्विस पीरियड के लिए ट्रांसफर हो जाएगा। सर्विस पीरियड यानी जॉइनिंग डेट से रिटायरमेंट डेट तक।

हायर पेंशन के लिए अप्लाय करने की प्रोसेस

हायर पेंशन के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आवेदन किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के लिए नजदीकी ईपीएफओ कार्यालय में जाना होगा और फॉर्म भरना होगा। वहीं ऑनलाइन प्रोसेस हम नीचे बता रहे हैं। हायर पेंशन के लिए सबसे पहले ई-सेवा पोर्टल पर जाना होगा यहां दाहिने तरफ पेंशन ऑन हायर सैलरी पर क्लिक करना होगा क्लिक करने पर आप जिस पेज पर पहुंचेंगे वहां 2 ऑप्शन दिखाई देंगे 1 सितंबर 2014 से पहले रिटायर वालों को पहला ऑप्शन चुनना होगा अगर कोई अभी भी नौकरी में है तो उसे दूसरा विकल्प चुनना होगा नाम, जन्म तिथि, आधार, मोबाइल जैसी डिटेल्स भरनी होगी आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आएगा उसे दर्ज करना होगा जॉइंट एप्लिकेशन फॉर्म भरा है तो क्या होगा सर्कुलर के अनुसार अगर आप जॉइंट एप्लीकेशन के लिए हायर पेंशन भरते हैं तो आपके इलाके के ईपीएफओ ऑफिस वाले एप्लिकेशन को वैरिफाई करने के बाद आपकी सैलरी डिटेल को ईपीएफओ पोर्टल में मौजूद डिटेल से वैरिफाई किया जाता है।

ज्यादा आकर्षक है खुदरा रीट आईपीओ

नई दिल्ली।

भारत में रीट अभी एक विकासशील चरण में है। यह एक ऐसा उद्योग है जो बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। किसी भी साधन में निवेश उस समय अच्छा होता है, जब वह विकासशील चरण में हो, क्योंकि तब निवेश करने पर आपको लंबा समय मिलता है और साथ ही कम भाव पर आप निवेश कर सकते हैं। भारत में रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) को भी एक आईपीओ के तौर पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध किया जा सकता है। हालांकि, 2019 में आए पहले रीट आईपीओ की तुलना में अब इसमें काफी बदलाव हुआ है। खासकर खुदरा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए सेबी ने समय-समय पर बदलाव किए हैं।

औसत रिटर्न के लिए करें निवेश

इस समय खुदरा रीट में टैक्स फ्री एफडी और 10 साल की सरकारी प्रतिभूतियों के मुकाबले 2-3 फीसदी अधिक रिटर्न मिल सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि खुदरा रीट से सालाना 7.5 फीसदी का लाभांश ब्याज मिल सकता है। इसका 70 फीसदी लाभांश टैक्स फ्री होता है। आपके आयकर स्लैब के आधार पर 6.6 फीसदी से 7.3 फीसदी तक का करमुक्त लाभ आपको मिल सकता है। शेयर बाजार में जहां लंबे समय से उतार-चढ़ाव है और डेट म्यूचुअल फंड में लंबी अवधि के टैक्स पर बजट में बदलाव किया गया है, ऐसे में खुदरा रीट एक आकर्षक निवेश का साधन बन सकता है।

खुदरा निवेशकों के लिए रीट की शुरुआत

ब्लैकस्टोन की समर्थित कंपनी नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट की यूनिट्स को आप 11 मई तक खरीद सकते हैं। इसका मूल्य 95 से लेकर 100 रुपये प्रति यूनिट है। यानी आपको कम से कम 150 यूनिट खरीदना होगा। यह यूनिट्स स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगी। यह भारत का पहला खुदरा रीट आईपीओ है। इससे पहले तीन रीट आईपीओ आए थे। इसमें एंबेसी, माइंडस्पेस और ब्रुकफील्ड थे। यह तीनों ऑफिस मैनेजमेंट वाले रीट थे। यानी इसमें खुदरा निवेशक को भी कम से कम 50,000 रुपये से निवेश की शुरुआत करनी होती थी।

पहले के रीट काफी महंगे भाव पर

अब तक जो तीन रीट सूचीबद्ध हुए हैं, वे काफी महंगे भाव पर आए थे। इनका भाव 275 से 300 रुपये के बीच था। हालांकि, बावजूद इनके इन सभी ने निवेशकों को फायदा ही दिया है। रीट में आपको यह भी फायदा होता है कि यह विभिन्न तरीके से आपको आय देता है।

भारत के तेल आयात में ओपेक का हिस्सा 46 फीसदी के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर, रूस बना बड़ा निर्यातक

नई दिल्ली।

रूस से सस्ते तेल खरीदने का असर ओपेक पर पड़ने लगा है। अप्रैल में भारत के तेल आयात में ओपेक की हिस्सेदारी घटकर 46प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो अब तक का निचला स्तर है। पिछले साल यूक्रेन युद्ध के कारण भारत ने रूस से सस्ते तेल खरीदने शुरू किए थे। इससे रूस भारत का सबसे बड़ा निर्यातक भागीदार बन गया था। पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का अप्रैल 2022 में भारत के आयातित क्रूड में 72 फीसदी हिस्सा था। कुछ समय पहले तक यह हिस्सेदारी 90 फीसदी हुआकरती थी।भारत के कच्चे तेल के कुल आयात में लगातार सातवें महीने रूस की हिस्सेदारी 36 फीसदी से अधिक रही है।

अप्रैल में रोज 46 लाख बैरल खरीदा भारत ने

वॉर्टेक्सा के अनुसार, भारत ने अप्रैल में 46 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का आयात किया। इसमें ओपेक का हिस्सा 21 लाख बैरल रहा। इस तरह कच्चे तेल के आयात में ओपेक का हिस्सा घटकर 46प्रतिशत रह गया है। अब

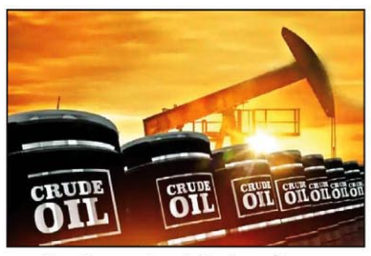

भारतीय रिफाइनरी कंपनियां सस्ते भाव पर जमकर खरीदारी कर रही हैं।

भारत ने मार्च, 2022 में रूस से सिर्फ 68,600 बैरल तेल का आयात किया था और इस साल खरीद बढ़कर 1,678,000 बैरल प्रतिदिन हो गई है। मार्च में रूस के बाद सऊदी अरब भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता देश था। सऊदी अरब ने भारत को 9,86,288 बैरल प्रति दिन निर्यात किया था। इसके बाद 8,21,952 बैरल प्रति दिन के साथ इराक तीसरे नंबर पर था। इसी दौरान अमेरिका को पछाड़कर संयुक्त अरब अमीरात 3,13,002 बैरल प्रति दिन के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता देश बना था।

वॉरेन बफे ने एटम बम से की एआई की तुलना: बर्कशायर हैथवे के सीईओ ने कहा- एआई दुनिया में सब कुछ बदल सकता है

नई दिल्ली।

अमेरिका की मल्टीनेशनल कंपनी बर्कशायर हैथवे के सीईओ वॉरेन बफे ने हाल ही में दिए अपने एक बयान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तुलना एटम बम के क्रिएशन से की है। कंपनी की एनुअल मीटिंग में 92 साल के इन्वेस्टर वॉरेन बफे ने एआई टेक्नोलॉजी की रैपिड ग्रोथ और यह कैसे दुनिया को बदल सकती है, इसको लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने दावा किया कि पुरुषों के सोचने और व्यवहार करने के तरीके को छोड़कर एआई दुनिया में सब कुछ बदल सकता है।

वॉरेन बफे ने एआई पर चिंता जताई

वॉरेन बफे का मानना है कि एआई की अपनी लिमिट्स हैं, जैसे कि यह मजेदार जोक्स यानी चुटकुले सुनाने में असमर्थ है। हालांकि, बफे ने एआई की सभी प्रकार के काम करने की क्षमता को माना है और इस पर चिंता भी जताई। बफे ने यह भी बताया कि उन्हें माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स की मदद से इस्तेमाल करने का मौका मिला।

एआई की एटम बम के साथ तुलना जरूरी

वॉरेन बफे के मुताबिक, एआई की एटम बम के साथ तुलना जरूरी है। इतना ही नहीं बफे लंबे समय से न्यूक्लियर वेपन्स के भी विरोधी रहे हैं। उनका कहना है कि अगर उन्हें पता होता कि हमलों की संभावना को कैसे कम किया जा सकता है, तो इसके लिए वे अपना सारा पैसा दे देते। बफे ने कहा कि सेकेंड वर्ल्ड वॉर के दौरान एटम बम का क्रिएशन जरूरी था, लेकिन इसके बनने से दुनिया में एक बहुत बड़ी शक्ति आ गई। जिसने सब कुछ बदल दिया, सिवाय इसके कि लोग कैसे सोचते हैं और व्यवहार करते हैं। लेकिन क्या यह दुनिया के लिए अच्छा है

बफे ने एआई के लॉन्ग टर्म रिजल्ट्स पर जोर दिया

इसी तरह वॉरेन बफे ने एआई के शॉर्ट टर्म बेनिफिट्स के बजाय इसके लॉन्ग टर्म रिजल्ट्स के बारे में सोचने की आवश्यकता पर जोर दिया है। बफे के अलावा उन लोगों ने भी एआई को लेकर चिंता व्यक्त की है, जो इसके डेवलपमेंट में शामिल थे। गूगल के पूर्व एम्प्लॉई और एआई का गॉडफादर माने जाने वाले ज्यॉफ्रे हिंटन ने भी कुछ दिनों पहले कहा था कि दुनिया के लिए एआई का खतरा क्लाइमेट चेंज से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है।

25 साल से दिवालिया हैं एलन मस्क के पिता

एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में फर्श पर सोना पड़ता था, बचपन कभी खुशहाल नहीं रहा

वॉशिंगटन।

ट्विटर, स्पेसएक्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने उनके अतीत को लेकर उठाए जा रहे सवालों का जवाब दिया है। कई लोगों ने दावा किया था कि मस्क के पिता दक्षिण अफ्रीका में एक पन्ना खदान के मालिक थे। मस्क ने इसका जवाब देते हुए एक ट्वीट में लिखा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह पन्ना खदान कभी अस्तित्व में थी। मस्क ने ये भी बताया कि उनका बचपन कभी खुशहाल नहीं था। इससे पहले भी एलन मस्क ने ट्वीट किया था कि जो भी उन्हें खदान के अस्तित्व का प्रमाण देगा उन्हें वो एक मिलियन डॉजकॉइन का पेमेंट करेंगे। एलन मस्क की मां माये मस्क ने भी ट्विटर पर लोगों से पूछा कि अगर ऐसी कोई खदान मौजूद होती, तो बचपन में उन्हें और एलन मस्क को एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में फर्श पर क्यों सोना पड़ता मस्क अभी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी है। उनकी नेटवर्थ 178.2 बिलियन डॉलर यानी 14.5 लाख करोड़ रुपए के करीब है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे मस्क एलन मस्क दक्षिण अफ्रीका में 28 जून 1971 को जन्मे एलन मस्क प्रिटोरिया में पले-बढ़े हैं। उनकी मां कनाडा में जन्मी दक्षिण-अफ्रीकी मॉडल हैं, जो 1969 की मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट थीं। उनके पिता एरोल मस्क एक इंजीनियर हैं। उनके माता-पिता 1980 में अलग हो गए थे।

पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में डिग्री – मस्क ने 1995 में पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से फिजिक्स और बिजनेस में बैचलर्स की डिग्री ली थी। वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में फिजिक्स प्रोग्राम के ड्रॉपआउट हैं। मस्क ने साल 2000 में कनाडाई ऑथर जस्टिन विल्सन से शादी की थी। साल 2008 तक दोनों साथ रहे। इसके बाद 2010 में मस्क ने इंग्लिश एक्ट्रेस तलुलाह रिले से शादी कर ली जो 2016 तक चली। मस्क के

विल्सन के साथ 6 बच्चे हैं और अपनी एक्स गर्लफ्रेंड सिंगर ग्रिम्स के साथ 2 बच्चे।

12 साल की उम्र में वीडियो गेम बनाकर बेचा – मस्क ने 10 साल की उम्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सीखी और 12 साल की उम्र में ब्लास्टर नामक एक वीडियो गेम तैयार किया। इसे एक स्थानीय मैगजीन ने उनसे पांच सौ अमेरिकी डॉलर में खरीदा। इसे मस्क की पहली व्यापारिक उपलब्धि कहा जा सकता है।

1995 में उन्होंने वेब सॉफ्टवेयर कंपनी जिप-2 बनाई थी। कॉम्पेक ने इस कंपनी को 1999 में 307 मिलियन डॉलर में खरीद लिया था। इस डील से मस्क को कंपनी में 7प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 22 मिलियन डॉलर मिले थे। यहीं से एलन मस्क के बिजनेस की असल शुरुआत हुई।

ईबे ने पेपाल को खरीदा था – मस्क ने 1999 में पेपाल बनाई थी। ईबे ने 2002 में इसे 1.5 अरब डॉलर में खरीद लिया। मस्क को इस डील से 180 मिलियन डॉलर की कमाई हुई। इसके तुरंत बाद, मस्क ने स्पेसएक्स की स्थापना की। इस कंपनी के जरिए मस्क मंगल ग्रह पर कॉलोनी बसाकर ह्यूमेनिटी को मल्टी प्लेनेट स्पीशीज बनाना चाहते हैं।

दिवालिया होने के कगार पर थी टेस्ला, मस्क ने उबारा – 2004 में मस्क ने इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला की स्थापना की थी। 2008 में ऐसा दौर भी आया था, जब टेस्ला दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई थी। हालांकि मस्क ने कंपनी को इस बुरे दौर से उबारा और आज ये बहुत ही ज्यादा सक्सेसफुल कंपनी है। मस्क इन कंपनियों के अलावा न्यूरालिंक, बोरिंग कंपनी और स्टारलिंक के भी मालिक हैं।

मस्क किन-किन कंपनियों के मालिक है – एलन मस्क इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला और स्पेस कंपनी स्पेसएक्स के अलावा भी कई कंपनियों के मालिक हैं। न्यूरालिंक, बोरिंग कंपनी और स्टारलिंक में भी मस्क की हिस्सेदारी है। एलन मस्क की ह्यूमन कंप्यूटर इंटरफेस कंपनी न्यूरालिंक ऐसे प्लान पर लंबे समय से काम कर रही है, जिसके सहारे लोगों के दिमाग में एक न्यूरल चिप इंप्लांट की जाए। इस चिप से इंसान किसी भी मशीन को बिना हिले-डुले सिर्फ सोचने भर से कंट्रोल कर सकेगा। इसके जरिए मस्क पैरालिसिस, हियरिंग, ब्लाइंडनेस जैसी समस्या को सॉल्व करना चाहते हैं।

एटली कुमार फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में

- नयनतारा शाहरुख के अपोजिट नजर आएगी

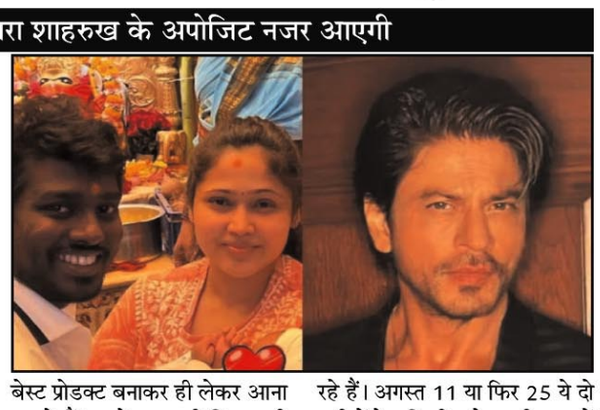

मुंबई (ईएमएस)। तमिल फिल्म निर्देशक एटली कुमार सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ अपनी अगली फिल्म जवान को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अदाकारा नयनतारा सुपरस्टार शाहरुख खान के अपोजिट नजर आने वाली हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो अब बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की इस फिल्म को थियेटर पहुंचने में थोड़ा और इंतजार करना होगा। इसकी वजह फिल्म का पेंडिंग वीएफएक्स वर्क है। जो अभी पूरा नहीं हो पाया है। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया कि फिल्म के वीएफएक्स वर्क को टॉप क्वालिटी का बनाने के लिए पूरी टीम लगी हुई है। जिसके लिए इंटरनेशनल टीम को भी बुलाया गया है। इस वजह से फिल्म की रिलीज में देरी हो सकती है। सूत्र ने कहा, जवान 2 जून 2023 को रिलीज नहीं हो रही है। टीम को कुछ और वक्त चाहिए विजुएल इफेक्ट का काम पूरा करने के लिए और वो इसे देश का बेस्ट प्रोडक्ट बनाकर ही लेकर आना चाहते हैं। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज की अगली तारीख पर चर्चा होने लगी है। सूत्र ने कहा, टीम कई तारीखों पर विचार कर रही है। लेकिन ये सभी वीएफएक्स गाइडलाइन्स के बाद ही तय होगा। फिलहाल टीम 29 जून को रिलीज हो सकती है। या फिल्म अगस्त महीने तक भी खिंच सकती है। जहां तक लगता है कि जवान अगस्त तक ही थियेटर पहुंच सकेगी। फिलहाल शाहरुख खान और टीम इसके वीएफएक्स पर काम कर रहे हैं। अगस्त 11 या फिर 25 ये दो तारीखें रेड चिलीज ने बाकी सदस्यों के साथ बातचीत के लिए चुनी हैं। बता दें कि शाहरुख खान की पठान के बाद उनकी अगली फिल्म जवान का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म 2 जून 2023 को प्रदर्शित होने वाली थी, लेकिन अब समाचार आ रहे हैं यह इस फिल्म 29 जून या फिर अगस्त 11 या 25 अगस्त को प्रदर्शित होगी। इस फिल्म को तमिल फिल्म निर्देशक एटली कुमार बना रहे हैं।

मैं डांस से डरती हूं, पर सीखना भी चाहती हूं : सोनाली बेंद्रे

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अदाकार सोनाली बेंद्रे ने कहा कि मैं डांस से डरती हूं, लेकिन बावजूद इसके मैं डांस सीखना चाहती हूं। बेस्ट का पहला टेस्ट में जहां कंटेस्टेंट्सफिल्मी अंदाज में बॉलीवुड को शानदार ट्रिब्यूट देंगे, वहीं कंटेस्टेंट हंसवी टोंक और उनकी कोरियोग्राफर अनुराधा आइकॉनिक सॉन्ग आमी जे तोमार में मंजुलिका और अंजुलिका अवतार में सबको चौंका देंगी। जज सोनाली बेंद्रे ने डांस एक्ट की तारीफ करते हुए कहा कि यह मेरे लिए न केवल एक एक्ट है, बल्कि इंडियाज बेस्ट डांसर-3 के स्टेज पर यह वास्तव में एक अच्छा सीन था, जिसे मैंने देखा। सीन को अच्छी तरह से दिखाया गया, जिसमें करेक्टर और कहानी थी, जिसे आपने एक डांस एक्ट के रूप में प्रदर्शित किया। यह इतना आसान लग रहा था जैसे आप खड़े होकर इसके बारे में बात कर रहे हों, लेकिन जब आप वास्तविक जीवन में एक सीन करते हैं, जिसे कोरियोग्राफ भी किया जाता है, तो अभिनेताओं को कुछ करने के लिए कहा जाता है। यह सब आपने डांस के जरिए किया है। यह इतना सहज था, जैसे कोई चल रहा हो और मुझे नहीं लगता कि इससे बड़ी कोई तारीफ हो सकती है जो मैं कर सकती हूं। अद्भुत हंसवी, आप अपनी मां के विश्वास को बनाए रखे और मुझे यकीन है कि जब भी आप स्टेज पर परफॉर्म करने आते हैं तो उन्हें गर्व होता है। अनुराधा की शानदार कोरियोग्राफी के बारे में बात करते हुए सोनाली ने कहा कि मैं डांस से बहुत डरती हूं, लेकिन मैं हमेशा से डांस सीखना चाहती हूं। काश मैं आपके द्वारा कोरियोग्राफ की जाती, क्योंकि इस सीन को बहुत ही शानदार तरीके से कोरियोग्राफ किया गया है। काश, यह सीन मैं कर पाती। एक कोरियोग्राफर को सीन और स्टोरी को समझना चाहिए और उसी के अनुसार डांस को कोरियोग्राफ करना चाहिए। मेरी इच्छा है कि आप एक दिन मुझे कोरियोग्राफ करें।

फिल्म जोड़ी तेरी मेरी की रिलीज पर लगी रोक

-फिल्म 5 मई को होने वाली थी रिलीज

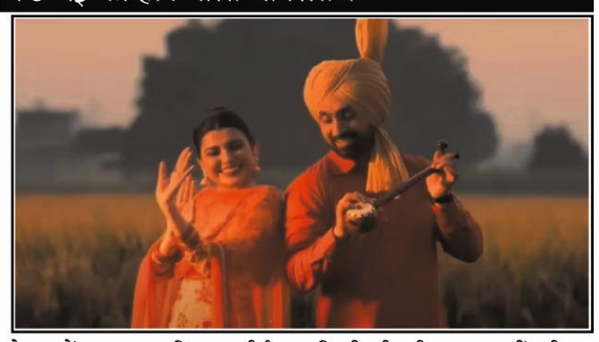

चंडीगढ़ (ईएमएस)। दिवंगत पंजाबी गायक अमर सिंह चमकिला और उनकी दूसरी पत्नी अमरजोत कौर एवं दिलजीत दोसांझ अभिनीत पंजाबी फिल्म जोड़ी तेरी मेरी की रिलीज पर लुधियाना की एक अदालत ने रोक लगा दी है। यह फिल्म 5 मई को रिलीज होने वाली थी। सिविल जज (जूनियर डिवीजन) करणदीप कौर ने दोसांझ, एक्ट्रेस निमरत खैरा, चमकीला की पत्नी गुरमेल कौर, रिदम बॉयज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के कारज गिल और दलजीत मोशन फिल्म्स के दलजीत थिंड को सुनवाई की अगली तारीख 8 मई के लिए समन जारी करने का आदेश दिया है। मंगलवार को यह आदेश लुधियाना की एक अन्य अदालत द्वारा कपल पर एक और बायोपिक के ब्रॉडकास्ट, रिलीज और स्ट्रीमिंग पर रोक लगाने के हफ्तों बाद आया, जिसका शीर्षक चमकीला था। आदेश में कहा गया, दस्तावेजों से प्रथम ध्ष्टया वादी (ईशदीप रंधावा) के पक्ष में मामला बनता है। सुविधा का संतुलन भी उनके पक्ष में है और यदि प्रतिवादियों को फिल्म जोड़ी तेरी मेरी रिलीज करने से नहीं रोका गया तो वादी को अपूरणीय क्षति होगी, जिसकी भरपाई किसी भी कीमत पर नहीं की जा सकती। आदेश में कहा गया है, तदनुसार, प्रतिवादियों को सुनवाई की अगली तारीख (8 मई) तक 5 मई को फिल्म रिलीज करने से रोका जाता है। बता दें कि चमकीला और अमरजोत कौर की 8 मार्च 1988 को पंजाब में उग्रवाद के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

जुयाल राघव को बतौर फीस दिए 1.2 करोड़ रुपये

फिल्म किसी के भाई किसी की जान के लिए डांसर-एक्टर राघव जुयाल को बतौर फीस 1.2 करोड़ रुपये दिए गए। यह फिल्म सुपरस्टार सलमान खान अभिनीत है। यह उनकी लोकप्रियता और डिजिटल ऑडियंस के साथ उनकी अविश्वसनीय सापेक्षता के चलते तय की गई। वह सोशल मीडिया पर सबसे पॉपुलर नामों में से एक है। एक रियलिटी शो के कंटेस्टेंट से लेकर होस्ट और अब एक एक्टर बनने तक की उनकी यात्रा काफी लंबी रही है।हालिया रिलीज के अलावा, राघव जल्द ही गुनीत मोंगा के प्रोडक्शन हाउस की दो फिल्मों और एक्सेल एंटरटेनमेंट के लिए सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ युधरा में भी नजर आएंगे। बता दें कि राघव डांसर-कोरियोग्राफर और अब एक्टर बन गए। राघव का स्लो मोशन डांस लोगों द्वारा काफी पंसद किया जाता है। उन्हें स्लो मोशन का किंग कहा जाता है। फिल्म में, राघव सलमान के छोटे भाई की भूमिका निभा रहे हैं।

छत्रपति के ऑफिशियल हिंदी रीमेक का ट्रेलर रिलीज

-एक्टर करण सिंह छाबड़ा की है अहम भूमिका

मुंबई (ईएमएस)। तेलुगु ब्लॉकबस्टर छत्रपति के ऑफिशियल हिंदी रीमेक का ट्रेलर रिलीज हुआ है। फिल्म में युवा और प्रतिभाशाली एक्टर करण सिंह छाबड़ा अहम भूमिका निभा रहे हैं। फिल्मी दुनिया में एक सफल नाम बनने के बाद, करण छत्रपति में एक विलेन के रूप में अपनी नई यात्रा शुरू कर रहे हैं। यह वास्तव में उनके लिए एक खास पल रहा है जिसे वो अच्छी तरह से एंजॉय कर रहे हैं। इतने बड़े प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव को शेयर करते हुए करण ने कहा, जब मुझे पहली बार पता चला कि राजामौली सर का नाम इस प्रोजेक्ट से जुड़ा है और साउथ में सुपरहिट फिल्में देने वाले वी वी विनायक जैसे फिल्मकार इसे बना रहे हैं तो मैं बहुत खुश हुआ। 2005 में तेलुगू एक्टर ने स्क्रीन नेम शफी वाले इस रोल के साथ एक बेंचमार्क सेट किया था, तो मैं उत्साहित था और निश्चित रूप से उसी समय मुझ पर एक दबाव भी था। करण ने आगे कहा, कुल मिलाकर, मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं जब मैं अपने देश के विभिन्न स्थानों में 35 दिनों की शूटिंग के अनुभव को याद करता हूं। ऐसे में छत्रपति में करण को इस नए किरदार में देखना वाकई दिलचस्प होने वाला हैं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, हैदराबाद में शूटिंग के दौरान कई सीनियर एक्टर्स ने मुझे बताया कि यह कोई आम विलेन नहीं है, यह किसी भी एक्टर के लिए एक ड्रीम रोल है क्योंकि इसमें करने के लिए बहुत कुछ है।

वेब सीरीज ताली शो अब पूरा, जल्द ही होने वाला रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। क्रिएटिव जोड़ी अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार द्वारा बनाया गया बायोग्राफिकल शो ताली अब पूरा हो गया है और जल्द ही रिलीज होने वाला है। कहा जा रहा है कि, सुष्मिता ने खुद को उग्र कार्यकर्ता के रूप में पार कर लिया है, जिसकी जनहित याचिका (जनहित याचिका) ने 2014 में ट्रांसजेंडर समुदाय को तीसरे लिंग के रूप में मान्यता देते हुए एक ऐतिहासिक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का नेतृत्व किया। ताली के पीछे रचनात्मक जोड़ी, अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशंदर ने उस समय को याद किया है, जब पूर्व मिस यूनिवर्स ने खुद को गौरी के जीवन में डुबो दिया था। उन्होंने कहा कि- उन्होंने स्क्रिप्ट को ठीक कहने में लगभग छह महीने का समय लिया। शूटिंग के दौरान, अगर हमने कोई लाइन जोड़ी या बदली, तो वह तुरंत हमें बताती थी किं यह मूल रूप से नहीं । वह अपना होमवर्क बहुत अच्छी तरह से करती हैं। अर्जुन और कार्तिक का कहना है कि सुष्मिता ने कम से कम चार से पांच बार स्क्रिप्ट पढ़ी थी। वे कहते हैं, अभिनय कोच अतुल मोंगिया ने उन्हें परिवर्तन को ठीक करने में मदद की और निर्देशक रवि जादव ने उन्हें मराठी डिक्शन की बारीकियों को ठीक करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अपनी आवाज के मॉड्यूलेशन पर भी बहुत मेहनत की।

उन्होंने अपना दिल और आत्मा ताली में लगा दी। और आज हम उनके अलावा किसी और को गौरी की भूमिका निभाने की कल्पना नहीं कर सकते। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निमार्ता रवि जाधव द्वारा अभिनीत, ताली गौरी के महत्वपूर्ण जीवन - उनके बचपन, उनके संक्रमण और भारत में ट्रांसजेंडर आंदोलन में क्रांति लाने में उनके योगदान का पता लगाएगी। सीरीज को अर्जुन सिंह बरन, कार्तिक डी निशानदार ने बनाया है। बता दें कि पिछले साल 6 अक्टूबर को सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज ताली में ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत के रूप में अपने पहले लुक का एक पोस्टर जारी कर सनसनी मचा दी थी।

हंसिका ने मैन की शूटिंग पूरी की

अदाकारा हंसिका मोटवानी ने निर्देशक इंगोर की तमिल फिल्म मैन की शूटिंग का आखिरी शिड्यूल चेन्नई में पूरा किया। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जो महिलाओं के प्रति हिंसा और उनकी मुश्किलों के बारे में है। फिल्म में हंसिका ने फैशन डिजाइर की भूमिका निभाई है। एक मजबूत, स्वावलंबी और सशक्त महिला। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर मोटवानी ने कहा कि अब जब मैन की शूटिंग खत्म हो गई है, मैं कहूंगी कि यह यात्रा आसान नहीं थी। इस फिल्म में मेरे कैरेक्टर के कई लेयर हैं और इतनी मजबूत महिला का किरदार निभाकर काफी अनुभव मिला। मैं निर्मला के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। हंसिका मोटवानी ने कहा कि वाकई यह फिल्म मेरे लिए काफी खास है। इस फिल्म की पूरी शूटिंग चेन्नई, पोलाची और मदुरई में हुई है। आरी अर्जुन भी हैं, जो खलनायक की भूमिका में हैं। इनके अलावा जजनी दुर्गा और सौमिका भी फिल्म में दिखेंगी। इसका संगीत गिब्रान ने दिया है, जबकि कैमरा वर्क मणि का है।

द नाइट मैनेजर : पार्ट 2 होगी अगले महीने रिलीज

ओटीटी सीरीज द नाइट मैनेजर के पार्ट 2 की रिलीज का ऐलान हो गया है। इसका पार्ट 2, 30 जून को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा यह सीरिज बालीवुड स्टार अनिल कपूर-स्टारर है। इसमें अनिल कपूर एक हथियार डीलर की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं आदित्य रॉय कपूर एक अंतर्राष्ट्रीय आर्म सिंडिकेट के बारे में जानकारी जुटाने के लिए सरकार द्वारा चयन किए एक एजेंट की भूमिका निभा रहे हैं। दर्शक पार्ट 2 देखने के लिए काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं और इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अनिल कपूर ने सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, द नाइट मैनेजर के लिए हमारे फैंस ने जो प्यार और समर्थन दिखाया है, मैं उससे अभिभूत हूं। उनके उत्साह ने हमें कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है। शैली (शो में मेरा किरदार) अपने सबसे अच्छे रूप में नजर आएगा। वहीं आदित्य रॉय कपूर ने कहा, पहले भाग की सफलता वास्तव में सुखद रही है, और हम दर्शकों के लिए उत्साहित हैं कि शैली और शान की यात्रा में आगे क्या है।

आयुषी ने किया चिलचिलाती गर्मी में शूटिंग

छोटे परदे की एक्ट्रेस आयुषी खुराना चिलचिलाती गर्मी में अपने साथी कलाकारों के साथ शो की शूटिंग कर रही हैं। टीवी शो अजूनी में मुख्य भूमिका निभाने वाली आयुषी ने गर्मी के समय में हाइड्रेटेड रहने के टिप्स साझा किए। आयुषी ने शेयर किया, गर्मियों में शूटिंग के दौरान रोशनी और कैमरे के बीच हमें खुद को लगातार हाइड्रेटेड रखना पड़ता है। इसलिए, मैं लगातार पानी पीती हूं। इसके अलावा, मैं अन्य तरल पदार्थ जैसे छाछ, लस्सी, फलों का रस और नारियल पानी का भी सेवन करती हूं।शो में आयुषी के साथ एक्टर शोएब भी लीड रोल में हैं। एक्ट्रेस को कॉफी बहुत पसंद है, लेकिन गर्मियों के दौरान शरीर को स्वस्थ रहने में मदद करने वाले ठंडे पेय के लिए इसका सेवन कम कर दिया है। आयुषी ने अपने फैंस को घर से दूर रहने के दौरान खूब सारे तरल पदार्थ पीने, तला हुआ, मसालेदार और बाहर का खाना खाने से बचने और अपना ख्याल रखने की सलाह भी दी।

सूडोकु नवताल- 6425

कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6424 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्दजाल - 7172

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क	
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली	
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क	
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क	
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क	
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को	
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल	
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण	
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क	
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त	
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ	

शब्द जाल में 10 जंगली जानवरों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

शेर, लोमड़ी, सियार, भालू, खरगोश, अजगर, चीता, तेंदुआ, हिरण, नीलगाय

शब्दजाल - 7171 का हल

श	रा	ज	मी	दा	र	तू	ग	झ	क	कि	
सू	ल	दा	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	रा	
बे	पु	वे	मु	दा	ल	सिं	बे	ला	ल	ये	
दा	दा	दा	धो	हा	क	प	हा	दा	र	दा	
र	श	र	ष	उ	व	री	ग	स	र	र	
रं	रि	प	व	दा	त	रे	ती	प	न	ती	
गा	ल	ख	अं	र	म	प	दा	ला	व	क	
बा	जी	वा	री	क	छ	सौ	न	र	जू	क	
स	थो	तें	व	द	ज	दा	ने	दा	र	द	
र	ल	प	ति	रं	दा	ऐ	बें	न	रु	थो	
कां	टे	दा	र	ग	कु	र	जा	एं	प	क	

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6125

	3	2	5			6
1	28		29	4	30	
5	4		6			7
	36	7	38	6	25	3
6		4			2	1
7	33		36	5	33	
3		1			6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6 124 का हल

7	3	4	5	2	1	6
3	38	5	33	7	27	1
5	4	7	2	1	6	3
2	32	3	35	6	33	7
4	1	6	7	3	5	2
1	24	2	35	5	30	4
6	3	1	7	4	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

एमएस धोनी ने चेन्नई सुपरकिंग्स के लॉकर रूम में दिया विराट कोहली का उदाहरण, वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली।

चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान एमएस धोनी को लॉकर रूम में विराट कोहली की बल्लेबाजी तकनीक के बारे में उदाहरण देते हुए देखा गया। सीएसके की मुंबई पर जीत के बाद यह वीडियो सामने आया। ध्यान देने वाली बात है कि एमएस धोनी की छोटी सी क्लिप सामने आई है।

जिसमें खुलासा नहीं हो सका कि वो विराट कोहली के बारे में क्या कह रहे हैं। हालांकि, यह वीडियो वायरल हो चुका है। वीडियो में नजर आ रहा है कि जब कोहली ने मैच की पहली गेंद का सामना किया तो धोनी उनकी बल्लेबाजी तकनीक के बारे में बातचीत कर रहे हैं। कप्तान ने सीएसके के लॉकर रूम में यह मैसेज शेयर किया, जो कुछ ही देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। 41 साल के धोनी ने कहा, विराट कोहली पहली गेंद इस तरह नहीं खेलता है। यह हमेशा यही रहा है।

चेन्नई सुपरकिंग्स की शानदार जीत

बता दें कि चेन्नई सुपरकिंग्स ने आईपीएल 2023 के 49वें मैच में मुंबई इंडियंस को 14 गेंदें शेष रहते हुए 6 विकेट से मात दी। चेपॉक स्टेडियम पर खेले गए आईपीएल के एल क्लासिको मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 139 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 17.4 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया।

चेन्नई सुपरकिंग्स का मौजूदा आईपीएल में अब तक प्रदर्शन शानदार रहा है। एमएस धोनी के नेतृत्व वाली सीएसके ने अब तक 11 मैचों में 6 जीते और वो आईपीएल 2023 की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। वहीं मुंबई इंडियंस की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और वो अंक तालिका में छठे स्थान पर है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम ने भी 10 में से 5 मैच जीते हैं और वो अंक तालिका में पांचवें स्थान पर जमी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में नंबर-1 गेंदबाज बने चहल, ब्सले रेवो दूसरे नंबर पर

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ हुए

मुकाबले में चार विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। चहल आईपीएल में सबसे अधिक विकेट के मामले में सीएसके के पूर्व तेज गेंदबाज ड्वेन ब्रावो के साथ संयुक्त रुप से शीर्ष पर हैं। चहल ने ब्रावो के 183 विकेटों की बराबरी की है। चहल और ब्रेवों दोनों के अब बराबर विकेट हैं पर बेहतर इकॉनमी रेट के कारण चहल नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। चहल ने आईपीएल में खेले अभी तक 142 मुकाबलों में 7.65 की इकॉनमी और 16.94 के स्ट्राइक रेट से ये विकेट लिए हैं। वहीं ब्रावो ने 161 मैचों में 8.38 की इकॉनमी के साथ ही यह उपलब्धि अपने नाम की है। चहल ने सबसे कम 142 मैच में अपने नाम कुल 183 विकेट किए है। आईपीएल में 4 विकेट लेने का करनामा उन्होंने 2 बार किया। इकोनॉमी रेट की बात करें तो वह 8.38 की रही है। वहीं दूसरे नंबर पर ब्रावो हैं। चहल से ज्यादा मैच 161 खेलने के कारण वह दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं। उन्होंने 5 बार 4 विकेट लिए हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले शीर्ष-5 गेंदबाजों में चार भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं और ये सभी स्पिनर हैं। इस सूची में चहल के अलावा सबसे अधिक अनुभवी पीयूष चावला 174 विकेट, अमित मिश्रा 172 विकेट और रविचंद्रन अश्विन 171 विकेट भी शामिल हैं।

विविधता की जगह सटीकता पर अधिक ध्यान देने से सफलता मिली : वरूण

बेंगलुरू । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लेग स्पिनर वरूण चक्रवर्ती के अनुसार

आईपीएल में अब तक सफल होने के लिए उन्होंने गेंदबाजी में विविधता की जगह सटीकता पर अधिक ध्यान दिया है। इससे गेंदबाजी के दौरान वह एक ही जगह पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हैं। वरुण को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ मैच में चार विकट मिले थे और उन्होंने आरसीबी के प्रमुख बल्लेबाजों को पेवेलियन भेज दिया था। मैच के बाद उन्होंने कहा ,'' मैने विविधता की बजाय सटीक गेंदबाजी पर अधिक ध्यान दिया। इसमें मुझे अपने स्पिन कोच एसी प्रथिबान की सहायता भी मिली। साथ ही कहा कि केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर की सलाह से भी मुझे लाभ हुआ है। मेरी वापसी में इन दोनों की ही अहम भूमिका रही है। वह यूएई में टी20 विश्व कप में भी भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब उन्हें छह विकेट ही मिले थे। आरसीबी के खिलाफ मिली सफलता पर उन्होंने कहा ,'' यह काफी कठिन मैदान है। हमने अपनी ओर से अच्छी रणनीति बनाई थी। हमने तय किया था कि गेंदबाजी पर बात के लिये अलग से बैठक होगा। इसका लाभ भी हमें मिला। उन्होंने कहा कि आपमें गेंदबाजी के दौरान आत्मविश्वास होना चाहिये तभी आप बल्लेबाज पर दबाव बना सकते हैं।

तिहरी कूद में चित्रावल ने बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान, साबले व पारूल का भी रिकॉर्ड प्रदर्शन

नई दिल्ली । त्रिकूद एथलीट प्रवीण चित्रावल ने क्यूबा में आयोजित प्रतियोगिता में 2023 विश्व एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाइंग मानक हासिल करने के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया तो वहीं अविनाश साबले और पारुल चौधरी ने अमेरिका में चल रही ट्रैक स्पर्धा में क्रमशः पुरुषों और महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाए। इक्कीस साल के चित्रावल ने क्यूबा के हवाना में 'वी प्रुएबा डे कॉन्फ्रॉन्टासियन प्रतियोगिता' में 17.37 मीटर की कूद के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स की 'एफ' श्रेणी की इस स्पर्धा में उन्होंने 2016 में रंजीत महेश्वरी के 17.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। इक्कीस साल के चित्रावल ने 2023 बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालिफाइंग मानक 17.20 मीटर को भी पार कर लिया। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.18 मीटर था जो उन्होंने पिछले साल चेन्नई में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान हासिल किया था। मौजूदा सत्र में उनका 17.37 मीटर का प्रयास, हवा की मदद के बिना सबसे लंबी छलांग लगाने वाले एथलीटों में दूसरे स्थान पर है।

बजरंग पूनिया ने धरने के बीच कर्नाटक चुनाव को लेकर लगाई स्टोरी, हंगामा होने पर किया डिलीट

नई दिल्ली ।

नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना प्रदर्शन पिछले 16 दिनों से जारी है। पहलवान भारतीय कुश्ती संघ प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना दे रहे हैं। पहलवानों की मांग है कि बृजभूषण को गिरफ्तार किया जाए। साथ ही वह इस्तीफा भी दें। इस बीच ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके पहलवान बजरंग पूनिया के एक पोस्ट ने तहलका मचा दिया है। बजरंग ने विरोध-प्रदर्शन के बीच कर्नाटक चुनाव को लेकर इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी लगाई और हंगामा होने पर बाद में उसे डिलीट भी कर दिया। बजरंग पुनिया ने जो स्टोरी लगाई, उसमें भगवान हनुमान का एक उदाहरण दिया गया है और लिखा है- मैं बजरंगी हूं। मैं बजरंग दल का समर्थन करता हूं। जय श्री राम। पोस्ट में एक कैप्शन भी था जिसमें तस्वीर को अपने-अपने व्हाट्सएप स्टेटस और डिस्प्ले पिक्चर पर लगाने की अपील की गई थी। यह कांग्रेस के घोषणापत्र के खिलाफ बजरंग दल के विरोध के बीच आया है। जिसमें कांग्रेस ने आगामी कर्नाटक विधानसभा चुनावों में पार्टी के सत्ता में आने के बाद संगठन (बजरंग दल) पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया गया है।

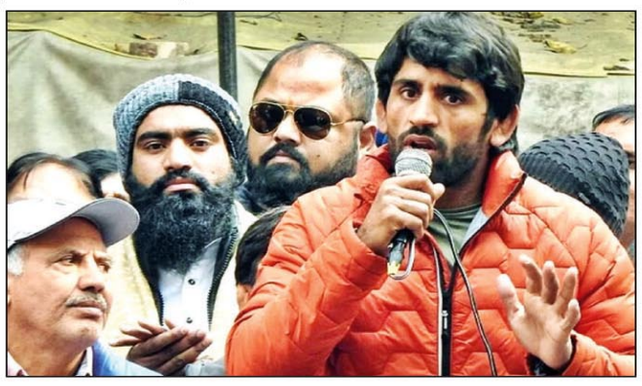

पहलवान चीफ के खिलाफ कर रहे धरना-प्रदर्शन

भारत के लिए कई पदक जीत चुके बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगट समेत कई शीर्ष पहलवान यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच, किसान बृजभूषण सिंह के विरोध में शीर्ष पहलवानों के साथ शामिल हो गए हैं और केंद्र सरकार को अल्टीमेटम दिया। खाप पंचायत के नेताओं ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ सरकार को भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 15 दिन की समय सीमा दी। उन्होंने चीफ की गिरफ्तारी की मांग की है। बृजभूषण पर पॉक्सो एक्ट के तहत एक मामला समेत दो एफआईआर दर्ज हैं।

जनवरी में भी पहलवानों ने किया था प्रदर्शन

शीर्ष पहलवानों ने पहली बार जनवरी में भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण का आरोप लगाते हुए विरोध-प्रदर्शन किया था। उन्होंने मांग की थी कि डब्ल्यूएफआई को भंग कर दिया जाए और इसके अध्यक्ष को हटा दिया जाए। इसके बाद खेल मंत्रालय ने महान मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम की अध्यक्षता में 23 जनवरी को एक ओवरसाइट कमेटी का गठन किया था और उसे एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा था। सरकार ने अभी तक रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया है।

23 अप्रैल से धरने पर बैठे हैं पहलवान

इसके बाद पहलवानों ने धरना खत्म कर दिया था। 23 अप्रैल से पहलवानों ने रिपोर्ट नहीं आने और बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करने को लेकर फिर से धरना शुरू किया। अब बृजभूषण के खिलाफ एफआईआर तो दर्ज हो गई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आगे की सुनवाई और मामलों के लिए पहलवानों को दिल्ली हाईकोर्ट जाने के निर्देश दिए थे। वहीं, धरने के बीच तीन मई को पहलवानों और कुछ पुलिस कर्मियों के बीच हाथापाई भी हुई थी। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर में चोटें आईं। पहलवानों ने आरोप लगाया कि पुलिस कर्मियों ने उनके साथ मारपीट की, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इनकार किया कि उन्होंने पहलवानों के खिलाफ बल प्रयोग किया।

जंतर-मंतर पर सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद

जंतर मंतर पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है और विरोध स्थल पर गतिविधियों पर सीसीटीवी के माध्यम से 24 घंटे नजर रखी जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कोई अप्रिय घटना न हो। अब किसानों के इस धरने में शामिल होने से प्रदर्शन को और बल मिला है। वहीं, बृजभूषण अपने ऊपर लगे आरोपों का कई बार खंडन कर चुके हैं और खुद को बेगुनाह बताया है।

बृजभूषण का वीडियो मैसेज

किसानों के समर्थन के एलान के बाद बृजभूषण ने वीडियो मैसेज जारी किया। उन्होंने कहा- खाप के मेरे चाचा-ताऊ, मैं आपको दिल्ली आने से नहीं रोक रहा, लेकिन जिस दिन दिल्ली पुलिस की जांच पूरी होगी और अगर मैं दोषी पाया गया तो मैं आप सब के बीच खुद आउंगा। आप सब जूते मार-मार कर मेरी हत्या कर देना। आपसे से भी विनती है कि आपके गांव से कोई बच्चा, महिला, लड़की कुश्ती खेलती हो तो उनसे एक मिनट के लिए अकेले में ले जाकर पूछ लेना कि बृजभूषण पर जो आरोप लगे हैं, क्या वह ऐसे ही हैं आपसे यही कहना चाहता हूं कि बच्चे गलती करते हैं, आप न करो।

विश्वकप के लिए पाक टीम को भारत भेजने के लिए पीसीबी ने रखी ये शर्त

करांची ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इस सात के अंत में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप में भाग ले सकती है पर उसकी एक शर्त भी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चाहता है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) साल 2025 में पाक में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी में भाग पर अपनी सहमति दें। स्थानीय मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी इस साल एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी टीम को भारत भेजने से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह से एक लिखित करार चाहते हैं। जिसमें ये रहेगा कि उनके देश में 2025 में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम भाग लेगी। अगर बीसीसीआई ये बात मान लेता है तो पाक टीम भारत का दौरा कर सकती है। इस साल पांच अक्टूबर से होने वाले विश्व कप के लिए बीसीसीआई ने पाक के मैचों के लिए अहमदाबाद , बेंगलुरु और कोलकाता को मैच स्थल के रूप में रखा है।

वहीं जय शाह की अध्यक्षता वाले एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने पाक में होने वाले एशिया कप के लिए प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल पर सहमति अभी तक नहीं दी है। हाइब्रिड मॉडल के तहत भारतीय टीम अपने मैच यूएई में खेलेगा जबकि अन्य मुकाबलों की मेजबानी पाक करेगा। सेठी अब दुबई के लिए रवाना होने वाले हैं, जहां वह एसीसी और आईसीसी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। पीसीबी के सूत्र ने कहा कि अपनी दुबई यात्रा के दौरान सेठी पीसीबी के लिए समर्थन हासिल करने का भी प्रयास करेंगे। उनका कहना है कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की भागीदारी को लेकर जब तक बीसीसीआई और आईसीसी लिखित गारंटी नहीं देते तब तक पाकिस्तान भारत में अपने विश्व कप मैच नहीं खेलेगा।

एशियन गेम्स के लिए बैडमिंटन टीम का ऐलानः साइना नेहवाल को जगह नहीं, 20 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली ।

एशियन गेम्स 2022 के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की घोषणा कर दी गई है। एशियन गेम्स 2022 को कोरोना वायरस की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था, जो इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेला जाएगा। इन एशियन गेम्स में कुल 20 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिनमें 10 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के 9वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भारतीय बैडमिंटन टीम का नेतृत्व करेंगे।

सिंधु और प्रणय को मिली सीधे एंट्री

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, मेंस डब्लस जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के अलावा गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की महिला जोड़ी ने रैंकिंग में टॉप- 20 में होने की वजह से पहले ही इसके लिए क्वालीफाई कर लिया था। उन्हें रैंकिंग के आधार पर एशियन गेम्स 2022 में सीधे एंट्री दी गई है। वहीं बाकी खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर प्रवेश मिला है। बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में विमेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक जीतने के बाद लंबी चोट के कारण पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने काफी समय तक कोर्ट से दूर रहने के बाद 2023 सीजन में वापसी की। स्विस ओपन में सिंधु ने दूसरे राउंड तक अपनी जगह बनाई थी। हालांकि, इससे पहले उन्हें मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2023 का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और उनके साथी चिराग शेट्टी भी टीम में शामिल हैं। विमेंस डबल्स इवेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी को अश्विनी पोनप्पा और उनकी साथी तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी से मदद मिलेगी। गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की जोड़ी ऑल इंग्लैंड ओपन 2023 के सेमीफाइनल तक पहुंची थी। भारतीय टीम के अन्य सिंगल्स खिलाड़ियों में किदांबी श्रीकांत और मौजूदा सीनियर राष्ट्रीय महिला एकल चैंपियन अनुपमा उपाध्याय का नाम भी शामिल है। राष्ट्रमंडल खेल 2022 के चैंपियन लक्ष्य सेन ने भी मेंस सिंगल्स इवेंट के लिए टीम में जगह बनाई है।

राहुल की जगह विश्व टेस्ट चैम्पियनशि में अनेको खिलाड़ियों को मिल सकता है अवसर

लंदन ।

भारतीय टीम के बल्लेबाज लोकेश राहुल के चोटिल होने के कारण लंदन में 7 जून से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशि मुकाबले से बाहर हो गये हैं। राहुल को अपनी जांघ की सर्जरी करानी है। राहुल बल्लेबाज होने के साथ ही विकेटकीपर की भी जिम्मेदारी निभा लेते हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी खलेगी। राहुल की जगह अब इन तीन खिलाड़ियों में से किसी एक को अवसर मिल सकता है। ये तीन खिलाड़ी हैं विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल

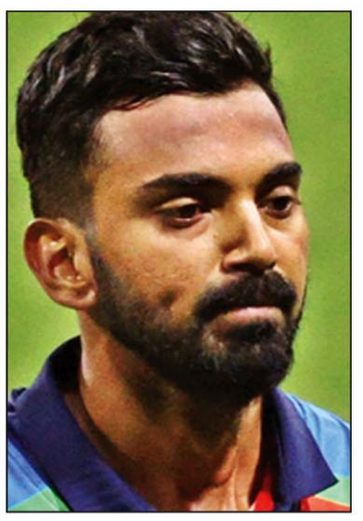

ईशान किशन : आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे युवा बल्लेबाज ईशान ने घरेलू क्रिकेट में भी काफी रन बनाये हैं। इसके साथ ही वह विकेटकीपर भी है। ऐसे में उन्हें राहुल की जगह अवसर मिलने की सबसे ज्यादा संभावना है। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भी भारतीय टीम में शामिल थे, हालांकि तब उन्हें केएस भरत के कारण विकेटकीपिंग का अवसर नहीं मिला था। ईशान के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल का अच्छा अनुभव है और वह किसी भी क्रम पर तेजी से बल्लेबाजी कर सकते हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। ईशान ने एकदिवसीय और टी20 प्रारुप में 41 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

सरफराज खान : मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट में पिछले एक साल से जमकर रन बनाने वाले सरफराज खान को भी राहुल की जगह पर रखा जा सकता है। उन्होंने लगातार रन बनाकर चयन के लिए अपना दावा पेश किया है। आईपीएल में भी वह खेल रहे हैं। उनका 37 फर्स्ट क्लास मैचों में प्रदर्शन अच्छा रहा है। वह केवल स्ट्राइक रेट में ही अन्य खिलाड़ियों से पीछे रह जाते हैं। इसी कारण उन्हें अभी तक एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने को नहीं मिला है।

यशस्वी जायसवाल : यशस्वी जायसवाल अंडर-19 विश्वकप के बाद से ही तेजी से उभरे हैं। उन्होंने भारत -ए के साथ ही रणजी सहित घरेलू टूर्नामेंटों में जमकर रन बनाये हैं। आईपीएल में भी वह सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ओरेंज कैप के दावेदारों में शामिल हैं। इस बल्लेबाज को दक्षिण अफ्रीका में 2020 आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के कारण भविष्य के सलामी बल्लेबाज के तौर पर देखा गया है। यशस्वी ने अभी तक 15 प्रथम श्रेणी मैच खेलकर काफी रन बनाये हैं।

पाकिस्तान ने दो दिन में ही गंवाया ओडीआई नंबर-1 पोजीशन

न्यूजीलैंड पांचवां वनडे 47 रन से जीता, पाक का सीरीज पर 4-1 से कब्जा

नई दिल्ली ।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पांच मैचों की वनडे सीरीज के पांचवें और अंतिम मुकाबले में 47 रन से हरा दिया है। ये सीरीज पाकिस्तान ने 4-1 से अपने नाम की। कराची में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 49.3 ओवर में 299 रन पर ऑलआउट हो गई और पाकिस्तान को 300 रन का टारगेट दिया।

जवाब में पाकिस्तान 46.1 ओवर में 252 रन पर ही सिमट गई। न्यूजीलैंड के हेनरी शिप्ले ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किय। उन्होंने नौ ओवर फेंके, इस दौरान 34 रन देकर तीन अहम विकेट भी झटके। इसमें एक मेडन ओवर भी शमिल है। शिप्ले को उनके इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं प्लेयर्स ऑफ द सीरीज का खिताब फखर जमान को दिया गया। उन्होंने इस सीरीज में 363 रन बनाए।

252 रनों पर सिमटी पाकिस्तान की टीम - पांचवें वनडे मुकाबले की बात करें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम कराची में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंडकी टीम ने 49.3 ओवर में 299 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान 46.1 ओवर में 252 रन पर ही सिमट गई। न्यूजीलैंड की और से विल यंग ने 87, टॉम लाथम ने 59 और मार्क चैपमैन ने 43 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के लिए शाहीन शाह अफरीदी तीन, उसामा मीर और शादाब खान ने दो-दो विकेट झटके। वहीं मोहम्मद वसीम और हारिस रऊफ ने एक-एक विकेट लिए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 46.1 ओवर में 252 रनों पर सिमट गई। इफ्तिखार अहमद ने सबसे ज्यादा नाबाद 94 और आगा सलमान ने 57 रन बनाए। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के करियर का यह 100वां वनडे मैच था। बाबर इस मैच में यादगार पारी नहीं खेल सके और मात्र एक रन बना कर आउट हो गए। न्यूजीलैंड की ओर से हेनरी शिप्ले और रचिन रवींद्र ने तीन-तीन जबकि एडम मिल्ने, मैट हेनरी और ईश सोढी ने एक-एक विकेट लिए।

ओडीआई रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा पाकिस्तान - इसके साथ ही न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद पाकिस्तान टीम को नुकसान हुआ। वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान टीम पहले स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया ने 113 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर फिर से कब्जा कर लिया है। दूसरे स्थान पर टीम इंडिया मौजूद है। पाकिस्तान तीसरे पायदान पर 112 रेटिंग के साथ काबिज हैं। इससे पहले 5 मई 2023 को क्रिकेट इतिहास में पहली बार पाकिस्तान टीम ओडीआई रैंकिंग में नंबर-1 बनी थी। पाकिस्तान से दो दिन में ही नंबर-1 का ताज छीन गया।

दीपक ने ओलंपिक पदक विजेता को हराया, हुसामुद्दीन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ताशकंद । भारतीय मुक्केबाज दीपक भोरिया ने दमदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान के साकेन बिबोसिनोव को हराकर विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दीपक को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने आखिरी तीन मिनट में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मैच जीत लिया। भारतीय मुक्केबाज ने 2021 विश्व चैंपियन साकेन को 5-2 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। दीपक ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और उन्हें अपनी लय पकड़ने में थोड़ा समय लगा। इसका फायदा साकेन ने उठाया और उन पर कुछ पंच जड़ दिए। इसके बाद दीपक तीसरे राउंड में अपनी लय को पकड़ते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज पर हावी हो गए। दीपक अगले मैच में चीन के झांग जिमाओ के खिलाफ रिंग में उतरेंगे। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 भारवर्ग) ने रूस के एडुआर्ड सावित को 5-0 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनका अगले दौर में सामना अजरबैजान के उमिद रुस्तामोव से होगा।

रवींद्रनाथ ठाकुर

राष्ट्रवाद से बड़ी है मानवता

कविगुरु रवींद्रनाथ ठाकुर को गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता है। 7 अगस्त 1941 को उन्होंने कोलकाता में अंतिम सांस ली। गुरुदेव बहुआयामी प्रतिभा वाली शख्सियत थे। वे कवि, साहित्यकार, दार्शनिक, नाटककार, संगीतकार और चित्रकार थे। विश्वविख्यात महाकाव्य गीतांजलि की रचना के लिए उन्हें 1913 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साहित्य के क्षेत्र में नोबेल जीतने वाले वे अकेले भारतीय हैं। रवींद्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता में हुआ। उनके पिता का नाम देवेंद्रनाथ टैगोर और मां का नाम शारदा देवी था। स्कूली शिक्षा सेंट जेवियर स्कूल में पूरी करने के बाद बैरिस्टर बनने के सपने के साथ 1878 में इंग्लैंड के ब्रिजटोन में एक पब्लिक स्कूल में दाखिला लिया। उन्होंने लंदन विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की लेकिन 1880 में बिना डिग्री लिए भारत लौट आए। रविंद्रनाथ टैगोर मानवता को राष्ट्रवाद से ऊंचे स्थान पर रखते थे। गुरुदेव ने कहा था कि जब तक मैं जिंदा हूं मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा। टैगोर गांधी जी का बहुत सम्मान करते थे। लेकिन वे उनसे राष्ट्रीयता, देशभक्ति, सांस्कृतिक विचारों की अदला बदली, तर्कशक्ति जैसे विषयों पर अलग राय रखते थे। हर विषय में टैगोर का दृष्टिकोण परंपरावादी कम और तर्कसंगत ज्यादा हुआ करता था, जिसका संबंध विश्व कल्याण से होता था। टैगोर ने ही गांधीजी को महात्मा की उपाधि दी थी। गुरुदेव ने बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। वे एकमात्र कवि हैं जिनकी दो रचनाएं दो देशों का राष्ट्रगान बनीं। भारत का राष्ट्रगान जन-गण-मन और बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला गुरुदेव की ही रचनाएं हैं। ईश्वर और इंसान के बीच मौजूद आदि संबंध उनकी रचनाओं में विभिन्न रूपों में उभर कर आता है। साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिनमें उनकी रचना न हो - गान, कविता, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला, सभी विधाओं में उनकी रचनाएं विश्वविख्यात हैं। उनकी रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया। अंग्रेजी अनुवाद के बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में फैली और मशहूर हुईं। गुरुदेव 1901 में सियालदह छोड़कर शांतिनिकेतन आ गए। प्रकृति की गोद में पेड़ों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ टैगोर ने शांतिनिकेतन की स्थापना की। टैगोर ने यहां विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की। शांतिनिकेतन में टैगोर ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखीं थीं और यहां मौजूद उनका घर ऐतिहासिक महत्व का है। रविंद्रनाथ टैगोर ने करीब 2,230 गीतों की रचना की। रविंद्र संगीत बांग्ला संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। टैगोर के संगीत को उनके साहित्य से अलग नहीं किया जा सकता। उनकी ज्यादातर रचनाएं तो अब उनके गीतों में शामिल हो चुकी हैं। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की ठुमरी शैली से प्रभावित ये गीत मानवीय भावनाओं के कई रंग पेश करते हैं। अलग-अलग रागों में गुरुदेव के गीत यह आभास कराते हैं मानो उनकी रचना उस राग विशेष के लिए ही की गई थी।

सर्वाइकल पेन से राहत पाने के लिए करें योग आसनों का अभ्यास

जो लोग कम्प्यूटर या लैपटॉप पर एक ही पोश्चर में बैठे रहकर घंटों काम करते रहते हैं उन्हें अकसर गर्दन के पिछले हिस्से में दर्द की शिकायत रहती है। जो कंधे और हाथों तक भी कई बार पहुंच जाता है। इसे सर्वाइकल पेन कहते हैं। ज्यादातर वर्किंग प्रोफेशनल्स आजकल इस पेन का शिकार हैं। लैपटॉप, कंप्यूटर के अलावा बहुत ज्यादा मोबाइल के इस्तेमाल से भी सर्वाइकल की प्रॉब्लम हो सकती है। शुरू में अगर आपने इस समस्या को समझते हुए जरूरी सावधानियां बरत लीं, तो इसे दूर करना आसान है लेकिन इलाज और सावधानी की कमी से धीरे-धीरे यह खतरनाक रूप भी ले सकती है। सर्वाइकल पेन से राहत दिलाने में कुछ योगासन भी बेहद असदार हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में साथ ही इन्हें करने का तरीका भी।

1. भुजंगासन

भुजंगासन सर्वाइकल पेन से राहत दिलाने में बहुत ही असरदार आसन है। इसके लिए पेट के बल लेट जाएं, दोनों हथेलियों को अपने चेस्ट के पास रखें। धीरे-धीरे सांस भरते हुए हथेलियों की सहायता से अपर बॉडी को ऊपर की ओर उठाएं। कोहनी को सीधा रखें। गर्दन को अपनी क्षमतानुसार पीछे ले जाने की कोशिश करें। कुछ देर इस मुद्रा में बनें रहें। अब सांस छोड़ते हुए नीचे आ आएं। भुजंगासन सर्वाइकल पेन के साथ ही पेट की चर्बी और डबल चिन की समस्या भी दूर करता है। साथ ही स्ट्रेस से भी राहत दिलाता है।

2. बालासन

नियमित रूप से बालासन का अभ्यास भी सर्वाइकल पेन दूर करने में कारगर है। इसके लिए वज्रासन की मुद्रा में बैठें। दोनों हाथों को सांस भरते हुए ऊपर की ओर उठाएं। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए आगे की तरफ झुकें। सिर को जमीन से टच करें। इस मुद्रा में थोड़ी देर बने रहें। फिर वापस व्रजासन में बैठें। इस आसन को कम से कम 5 से 7 बार दोहराएं।

3. मार्जरी आसन

मार्जरी आसन भी सर्वाइकल के मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद आसन है। इससे गर्दन, पीठ और कमर की अच्छी स्ट्रेचिंग हो जाती है। मार्जरी आसन करने के लिए पैरों और हाथों के बल आ जाएं। सांस भरते हुए सिर को ऊपर उठाएं। कमर को नीचे की ओर दबाएं और हिप्स को बाहर की ओर निकालें। इसका भी 5-7 बार अभ्यास करें।

4. धनुरासन

धनुरासन का अभ्यास एक साथ कई सारी समस्याओं से राहत दिलाएगा।

एक तरफ जहां ये सर्वाइकल पेन से छुटकारा दिलाता है वहीं दूसरी ओर ये पेट की चर्बी दूर करता है। धनुरासन करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। पैरों को मोड़कर हाथों से पकड़ लें। अब सांस भरते हुए हाथों से पैरों को खींचे इससे अपर बॉडी ऊपर उठेगी। जितनी देर तक इस स्थिति में बने रह सकते हैं बने रहें फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए नीचे आ जाए। 3 से 5 बार इसे करना है।

5. मकरासन

मकरासन भी सर्वाइकल के दर्द से मुक्ति दिलाता है। इसके लिए पेट के बल लेट जाएं और दोनों कोहनियों को जमीन पर रख दें। अब अपनी चिन को दोनों हाथों पर रख दें, सिर और कंधों को ऊपर उठाएं। धीरे-धीरे सांस लेते और छोड़ते रहें। आंखें बंद करके ध्यान केंद्रित करें और शरीर को ढीला छोड़ दें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**